



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 8, 1980 (फाल्गुन 18, 1901)  
No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 8, 1980 (PHALGUNA 18, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 दिसम्बर 1979

सं० ए० 35014/1/79-प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री जी० पी० सक्सेना को, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 9 नवम्बर, 1979 से तीन मास की अवधि के लिए अथवा नियमित नियुक्ति किए जाने तक, जो भी पहले हो, अनुभाग अधिकारी (विशेष-गोपनीय) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

अनुभाग अधिकारी (विशेष गोपनीय) के पद पर नियुक्ति होने के फलस्वरूप श्री जी० पी० सक्सेना का वेतन वित्त मंत्रालय व्यय विभाग के समय-समय पर संशोधित का० शा० सं० एफ० 10(24)-ई० III-60 दिनांक 4-5-1961 की शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

दिनांक 15 जनवरी 1980

सं० ए० 35014/1/79-प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संवर्ग के निम्नलिखित दो स्थायी अनुभाग अधिकारियों को, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 11-1-1980 से 29-2-1980 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों 1-486GI/79

(2619)

तक, जो भी पहले हो, प्रत्येक के सामने निश्चित पदों पर तदर्थ आधार पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

1. श्री जे० एस० साहनी—अनु० अधिकारी (विशेष-परीक्षा संवीक्षा तथा समन्वय)
2. श्री एच० एम० विश्वास—अनु० अधिकारी (विशेष परीक्षा नियम तथा प्रबंध)
2. अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर नियुक्ति होने के फलस्वरूप सर्वश्री जे० एस० साहनी और एच० एम० विश्वास का वेतन वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग के समय-समय पर यथा-संशोधित का० शा० सं० एफ० 10(24)-ई० III/60 दिनांक 4-5-1961 की शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

एस० बालचन्द्रन,  
अवर सचिव  
कृते सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 जनवरी 1980

सं० 12026/1/79-प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 16-10-1979 के अनुक्रम

में सं० लो० से० आ० में के० स० से० संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री यशराज गांधी को, अथवा, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 11-10-1979 से 3 वर्ष की अवधि के लिए (1-1-80 से 15-1-1980 तक की इस अवधि सहित, जो तदर्थ आधार पर मानी गई थी) अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण पर रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्री यशराज गांधी प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त हो जाने के परिणामस्वरूप वित्त मंत्रालय के समय-समय पर यथा-संशोधित का० शा० सं० एफ० 10(24)/ई० III/60 दिनांक 4-5-1961 की शर्तों के अनुसार 10 प्रतिशत की दर से प्रतिनियुक्ति इप्टी भत्ता जो अधिक से अधिक रु० 100/- होगा तथा साथ में के० स० से० के अनुभाग अधिकारी के अपने स्थायी पद पर मूल वेतन प्राप्त करेंगे।

एस० बालचन्द्रन,  
अवर सचिव (प्रशा०)  
कृते अध्यक्ष

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं० ए० 11016/1/76-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में के० स० स्टे० से० संवर्ग के निजी सचिव श्री एन० के० सोनी को, राष्ट्रपति द्वारा 4-1-1980 से 29-2-1980 तक की अवधि के लिए संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डैस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्री एन० के० सोनी को कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के कार्यालय ज्ञापन सं० 12/1/74-सी० एस० (I) दिनांक 11-12-1975 की शर्तों के अनुसार रु० 75/- प्र० मा० की दर से विशेष वेतन मिलेगा।

एस० बालचन्द्रन,  
अवर सचिव  
(प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 जनवरी 1980

सं० ए० 32014/1/79-प्रशा० I—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायकों (ग्रेड सी)/वैयक्तिक सहायकों (के० स० स्टे० सेवा का ग्रेड सी०) को उनके सामने दी गई तारीखों से उसी संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों (के० स० स्टे० सेवा का ग्रेड बी०) के पदों पर विशुद्धतः अनंतिम, अस्थायी और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:

क्रम सं०	नाम	नियमित आधार पर तदर्थ नियुक्ति पर धारित पद हुई	तदर्थ नियुक्ति की अवधि
1	2	3	4
	सर्वश्री		
1.	एस० पी० मेहरा	ग्रेड सी वरिष्ठ	1-1-80
2.	ओ० पी० देवरा	स्टेनो- वैयक्तिक	से

1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
3.	हुकम चन्द	ग्राफरों हेतु सहायक	29-4-80	
4.	एच० सी० कटोव	स्थाना- (के० स० . तक पक्ष स्टे० से० या चयन का आगामी ग्रेड और ग्रेड आदेशों के० स० वी) तक जो स्टे० भी सेवा पहले के हो स्थायी वैयक्तिक सहायक (ग्रेड सी)		
5.	टी० आर० शर्मा	-वही- -वही-	1-1-80 से 23-2-80 तक या आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो	
6.	के० एस० भूटानी	स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड सी०)	-वही- 1-1-80 से 8-1-80 तक	

2. उपर्युक्त व्यक्ति कृपया नोट कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों (के० स० स्टे० से० का ग्रेड बी०) के रूप में उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है इससे उन्हें के० स० स्टे० सेवा के ग्रेड बी० में विलयन या उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का हक् प्राप्त नहीं होगा।

दिनांक 22 जनवरी 1980

सं० ए० 19017/7/79-प्रशा० I—जोनिंग स्कीम के अधीन के० स० स्टे० से० के ग्रेड 'ख' में पदोन्नति हेतु कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा स्थायी वैयक्तिक सहायक (सूचना और प्रसारण मंत्रालय का के० स० स्टे० से० ग्रेड 'ग') श्री तरसेम सिंह के नामित किए जाने के फलस्वरूप राष्ट्रपति द्वारा उन्हें 9 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग में के० स० स्टे० से० के ग्रेड 'ख' में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर पूर्णतः अस्थायी आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर श्री तरसेम सिंह की नियुक्ति इन शर्तों पर होगी कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० के ग्रेड 'ख') की चयन सूची में सम्मिलित या सम्मिलित किए जाने के लिए अनुमोदित अधिकारी के उस पद पर नियुक्ति के लिए उपलब्ध होने पर जिस पर उनकी नियुक्ति की गई है, उन्हें के० सं० स्टे० से० के ग्रेड 'ग' में प्रत्यावर्तित किया जाएगा।

एस० बालचन्द्रन,  
अवर सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 फरवरी, 1980

सं० ए० 32013/1/79-प्रश्ना० I—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I में अवर सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

क्रम सं०	नाम	अवधि
1	2	3
1.	श्री पी० सी० माथुर, अनुभाग अधिकारी	24-1-80 से 29-2-80 तक
2.	श्री टी० एम० कोकल, के० सं० स्टे० से० का ग्रेड 'क' अधिकारी	26-12-79 से 29-2-80 तक
3.	श्री एस० श्रीनिवासन, अनुभाग अधिकारी	4-1-80 से 7-1-80 तक
4.	श्री डी० पी० राय, अनुभाग अधिकारी	28-12-79 से 7-1-80 तक

सं० 32013/3/79-प्रश्ना० I—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27-11-1979 और 11-1-1980 के अनुक्रम में राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग में के० सं० से० संवर्ग के स्थायी ग्रेड I अधिकारी श्री बी० दास गुप्ता को 3 जनवरी, 1980 से तीन मास की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० सं० से० के चयन ग्रेड में उप सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० 32013/4/79-प्रश्ना० I—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड 1 में अवर

सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

क्रम सं०	नाम	अवधि
1	2	3
1.	श्री बी० बी० मेहरा, के० से० स्टे० से०, का ग्रेड 'क' अधिकारी	22-1-1980 से 29-2-1980 तक
2.	श्री बी० एस० कपूर, अनु० अधिकारी	13-1-80 से 20-2-80 तक
3.	श्री आर० एन० खुराना, अनु० अधिकारी	21-2-80 से 29-2-80 तक
4.	श्रीमती भवानी श्यामराजन, अनु० अधिकारी	14-12-79 से 29-2-80 तक
5.	श्री एम० ए० गणपति दास के० सं० स्टे० से० का ग्रेड 'क' अधिकारी	21-12-79 से 29-2-80 तक

दिनांक 4 फरवरी, 1980

सं० ए० 32014/1/79-प्रश्ना० III—संघ लोक सेवा आयोग में के० सं० से० संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी सहायकों को, राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

क्रम सं०	नाम	अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नति की अवधि
1	2	3
1.	श्री कृष्ण कुमार	1-1-80 से 29-2-80 तक
2.	श्री आर० पी० शर्मा	—वही—
3.	श्री एस० डी० एस० मिन्हास	—वही—
4.	श्री जे० एल० सूद	—वही—
5.	श्री जी० पी० भट्टा	—वही—
6.	श्री एस० एन० घोष	—वही—
7.	श्री ओ० पी० कथूरिया	—वही—
8.	श्री राजेन्द्र सिंह	—वही—
9.	श्री ओ० पी० कोटिया	—वही—
10.	श्री एस० एन० पंडित	—वही—
11.	श्री एम० एस० असनानी	—वही—
12.	श्री कृष्ण लाल I	—वही—
13.	श्री रमेल दास	8-1-80 से 29-2-80 तक

दिनांक 7 फरवरी, 1980

सं० ए० 11016/1/76-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में के० स० से० संवर्ग के स्थायी सहायक श्री के० एम० इस्माहीम युसुफ को, राष्ट्रपति द्वारा 8-1-80 से 29-2-1980 की अवधि के लिए अथवा आगामी आवेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में अनुभाग अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 11016/1/76-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में के० स० से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी श्री बी० डी० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 8-1-1980 से 29-2-1980 तक अथवा आगामी आवेशों तक, जो भी पहले हो, लोक संघ सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्री बी० डी० शर्मा को कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के कार्यालय ज्ञापन सं० 12/1/74-सी० एस० (I) दिनांक 11-12-1975 की शर्तों के अनुसार रु० 75/- प्र० माह की दर पर विशेष वेतन मिलेगा।

यशराज गांधी,  
प्रशासनिक अधिकारी  
कृते अवर सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी 1980

सं० 10 आर० सी० टी० 2—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा श्री एच० एस० राठोर, स्थायी सहायक को 14 फरवरी, 1980 से 13 मई, 1980 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो आयोग में अनुभाग अधिकारी स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होत्रा,  
अवर सचिव  
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० ए०-19027/2/78-प्रशा० 5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस० सी० मिस्तल, स्थायी वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो जो आजकल केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (दस्तावेज) हैं, को दिनांक 14-6-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक के लिए वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (दस्तावेज), केन्द्रीय न्याय वैद्यक

विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रोवर,  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 7 फरवरी 1980

सं० ई०-33013/1/79-कार्मिक—त्यागपत्र स्वीकृत होने पर, श्री वी० पी० जी० थत्ते ने 14 जनवरी, 1980 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट बालको कोरबा (म० प्र०) के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013/(3)/12/79-कार्मिक—दुर्गापुर से स्थानान्तरित होने पर, श्री डी० सी० राय ने 18 जनवरी, 1980 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट बी० एस० एल० बोकारो के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 14 फरवरी 1980

सं० ई०-38013/(2)/79-कार्मिक—सागर को स्थानान्तरित होने पर लै० कर्नल डा० एस० मंगत ने 11 जनवरी, 1980 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट, बी० सी० सी० एल०, भरिया के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ह०/- अपठनीय  
महानिरीक्षक  
के० औ० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 फरवरी 1980

सं० 11/37/79-प्रशा० I—राष्ट्रपति, आन्ध्र प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री जी० श्रीनिवास राव को आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 19 जनवरी, 1980 के अपराह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री राव का मुख्यालय हैदराबाद में होगा।

दिनांक 14 फरवरी 1980

सं० 24/12/73-म० पं० (प्रशा० I)—राष्ट्रपति, असम सिविल सेवा के अधिकारी श्री अजीत कुमार बड़काकोटी को असम, गोहाटी में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 24 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री बड़काकोटी का मुख्यालय गोहाटी में होगा।



सं० 25/39/73-म० पं० (प्रशा० 1)—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 13 दिसम्बर, 1978 की सम-संख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में आदेशक (सामाजिक अध्ययन) के पद पर कार्यरत श्री इ० रामस्वामी की इसी कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) के पद पर नियुक्ति को 30 जून, 1980 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी समय इनमें पहले हो, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर वर्तमान शर्तों पर सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री रामस्वामी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

पी० पद्मनाभ,  
भारत के महा पंजीकार

#### अम मंत्रालय

#### (अम ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 5 मार्च 1980

सं० 23/3/-80सी० पी० आई०—जनवरी, 1980 में औद्योगिक अभिकों का जखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) दिसम्बर, 1979 के स्तर से 3 अंक घट कर 371 (तीन सौ इक्कहत्तर) रहा है। जनवरी 1980 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 451 (चार सौ इक्कावन) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज,  
संयुक्त निदेशक

#### भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार—प्रथम, प० बंगाल

कलकत्ता-1, दिनांक 11 फरवरी 1980

सं० प्रशा० 1/947-III/3852—महालेखाकार-प्रथम, इस कार्यालय/कार्यालय महालेखाकार द्वितीय पं० बंगाल/कार्यालय लेखा-परीक्षा निदेशक, केन्द्रीय, कलकत्ता के निम्नलिखित स्थाना-पन्न लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के आगे लिखी तारीख से लेखा अधिकारियों के ग्रेड पर मौखिक रूप से नियुक्त करते हैं :

क्रमांक	नाम	पुष्टिकरण की तारीख
1	2	3
1.	श्री गुरु प्रसाद बसुराय	1-3-1975
2.	श्री सुधेन्दुनाथ भट्टाचार्य	1-5-1978
3.	श्री शचीन्द्र नारायण दास	1-5-1978
4.	श्री सन्तोष कुमार बनर्जी	16-9-1978
5.	श्री सुशील कुमार सिन्हा	1-10-1978
6.	श्री अनिल कुमार सेन	16-1-1978
7.	श्री सुनित कुमार सेन	1-1-1979
8.	श्री दिलीप कुमार सेन गुप्त	1-2-1979
9.	श्री अजित कुमार केले	1-3-1979
10.	श्री सत्यरंजन कर	1-4-1979
11.	श्री गुरु प्रसाद राय	1-8-1979
12.	श्री परिमल घोष	1-10-1979
13.	श्री अमरेन्द्रनाथ चक्रवर्ती	1-10-1979
14.	श्री निर्मलेन्दु चटर्जी	1-11-1979

1	2	2
15.	श्री ब्रजगोपाल घोषाल	1-12-1979
16.	श्री हीरेन्द्र कुमार घोष	1-12-1979
17.	श्री जय नारायण मुखर्जी	1-12-1979
18.	श्री गोविन्द पद जोयाद्वीर	1-12-1979

सुधा राजागोपालन,  
वरिष्ठ उपमहालेखाकार प्रशा०

कार्यालय निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं  
नई दिल्ली-110001, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० 5186/ए०/प्रशासन/130/79—निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं, अधीनस्थ, लेखा सेवा के स्थायी श्री के० एस० सूरिय-नारायणन को, संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, पूर्वी कमान, पटना, में दिनांक 24/1/80 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में अगले आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

के० बी० वास भौमिक,  
संयुक्त निदेशक  
लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं

#### रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 12 फरवरी 1980

सं० 28012(12)/78/प्रशा-I (क० प्र० ग्रे०)—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रूपये 1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए, उनके नाम के समक्ष दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

1. श्रीमती लक्ष्मी राजाराम भण्डारी—17 दिसम्बर, 1979 (पूर्वाह्न)।

2. श्री विनोद कुमार मिश्रा—10 दिसम्बर, 1979 (पूर्वाह्न)।

3. श्री ज्ञान प्रकाश—3 दिसम्बर, 1979 (पूर्वाह्न)।

सं० 68018(2)/71/प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रूपये 1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए, उनके नाम के समक्ष दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश पर्यन्त "अनुक्रम नियम" के अधीन, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

(1) श्री ए० बी० निरंजन राव—08 जनवरी, 1980।  
(वित्त एवं लेखा अधिकारी रक्षा अनुसंधान तथा विकास प्रयोगशाला हैदराबाद (अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली)।

(2) श्री तेज राम नैयर—03 दिसम्बर, 1979 (वित्तीय, उप सलाहकार, रक्षा उत्पादन विभाग (समेकित वित्त) रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली।

के० पी० राव,  
रक्षा लेखा अपर महानिदेशक (प्रशा०)

## रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा

आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड,

कलकत्ता-700069, दिनांक 7 फरवरी 1980

सं० 2/80/ए०/ई० I (एनजी)—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, निम्नलिखित अधिकारीगण दिनांक 31-1-80 (अनुराह्न) सेवा निवृत्त हुए।

1. श्री प्रतोदचन्द्र राय, मौलिक एवं स्थायी सहायक, अस्थायी सहायक स्टाफ अफसर।
2. श्री नारेन्द्र नाथ धोष, मौलिक एवं स्थायी सहायक, अस्थायी सहायक स्टाफ अफसर।
3. श्री मन्तोव कुमार सेन, मौलिक एवं स्थायी सहायक, अस्थायी सहायक स्टाफ अफसर।
4. श्रीमती ज्योत्सना सेन, मौलिक एवं स्थायी सहायक, अस्थायी सहायक स्टाफ अफसर।

डी० पी० चक्रवर्ती,  
ए० डी० जी० ओ० एफ० (प्रशासन)  
हुते महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता-700016, दिनांक 7 फरवरी 1980

सं० 5/80/जी०—राष्ट्रपति, श्री एम० एस० रत्ननाथन को सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर) के पद पर दिनांक 29-12-1979 से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 फरवरी, 1980

सं० 6/80/जी०—राष्ट्रपति, श्री अनिल कुमार को सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर) के पद पर दिनांक 21 दिसम्बर, 1978 से नियुक्त करते हैं।

सं० 7/80/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री आई० बि० डि० गुप्त स्थानापन्न डि० एम० मौलिक एवं स्थायी एफ० एम० दिनांक 31-7-1979 (अनुराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 11 फरवरी 1980

सं० 3/जी०/80—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न उप-प्रबन्धक/डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीख से, आगामी आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं।

(1) श्री रमन गम्बर, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—23 अक्तूबर, 1979।

(2) श्री प्रकाश नारायण, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—23 अक्तूबर, 1979।

(3) श्री एम० आर० अग्रजाल, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—23 अक्तूबर, 1979।

(4) श्री के० एस० गुप्ता, सहायक प्रबन्धक (परखावधि),—23 अक्तूबर, 1979।

(5) श्री ए० के० शुक्ला, सहायक प्रबन्धक (परखावधि),—23 अक्तूबर, 1979।

(6) श्री राजिन्दर कुमार, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—23 अक्तूबर, 1979।

(7) श्री शहाब अहमद, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—23 अक्तूबर, 1979।

(8) श्री सी० पी० गुप्ता, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—23 अक्तूबर, 1979।

(9) श्री एस० सी० मलहोत्रा, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—23 अक्तूबर, 1979।

(10) श्री बी० सी० मंडल, सहायक प्रबन्धक (परखावधि),—23 अक्तूबर, 1979।

(11) श्री एस० नरसिम्हम, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—23 अक्तूबर, 1979।

(12) डा० राम सनेही, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—23 अक्तूबर, 1979।

(13) श्री आर० आर० यादव, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—23 अक्तूबर, 1979।

(14) श्री आर० के० शर्मा, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—23 अक्तूबर, 1979।

(15) श्री एस० के० डोगरा, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—23 अक्तूबर, 1979।

(16) श्री एच० एस० सागर, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—23 अक्तूबर, 1979।

(17) श्री एस० एम० वृष्ण, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—1ली नवम्बर, 1979।

(18) श्री एस० के० बसु, स्थानापन्न टी० एस० ओ०—1ली नवम्बर, 1979।

(19) श्री वी० राजारमन्, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—1ली नवम्बर, 1979।

(20) श्री ओ० पी० मिश्र, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—1ली नवम्बर, 1979।

(21) श्री टी० आर० ए० राव, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक—1ली नवम्बर, 1979।

(22) श्री पी० जी० नायर, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—1ली नवम्बर, 1979।

(23) डा० डी० वी० ए० रेवात, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—1ली नवम्बर, 1979।

(24) श्री ए० के० बोस, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)—1ली नवम्बर, 1979।

(25) श्री डी० के० गुप्ता, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक—  
—1ली जनवरी, 1980।

(26) श्री जे० के० लाहिरी, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)  
—1ली जनवरी, 1980।

(27) श्री एस० के० बेरी, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)  
—1ली जनवरी, 1980।

(28) श्री आई० एन० दत्त, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)  
—1ली जनवरी, 1980।

(29) श्री डी० बी० सिंह, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)  
—1ली नवम्बर, 1979।

(30) श्री एस० के० सरखेल, सहायक प्रबन्धक (परखावधि)  
—1ली नवम्बर, 1979।

दिनांक 12 फरवरी 1980

सं० 2/जी०/80—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अधि-  
कारी को स्थानापन्न संयुक्त महा प्रबन्धक (महा-प्रबन्धक ग्रेड 1  
में) के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी  
आदेश होने तक नियुक्त करते हैं :—

श्री एस० पी० रामामूर्ति, स्थानापन्न—दिनांक 15 अक्टूबर,  
1979 (उप-महा प्रबन्धक)।

बी० के० मेहता,

सहायक महा निदेशक, आर्डेनस फैक्टरियां

वाणिज्य, एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1980

आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 0/1298/79-प्रशासन (राज०)/893—राष्ट्रपति,  
वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के मुख्य निरूपक श्री के० वी०  
कुन्ही कुण्णन को इस कार्यालय में 1 अक्टूबर, 1979 से और  
आग 6 महीने की अवधि के लिए या जब तक पद को नियमित  
रूप से भरा जाए इनमें जो भी पहले हो, के लिए उप निदेशक  
(शुल्क वापसी) के रूप में विद्यमान नियम एवं शर्तों पर प्रति-  
नियुक्ति आधार पर नियुक्त करते हैं।

ओ० एन० आनन्द,

संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

सं० 6/1307/79-प्रशासन (राज०)/912—राष्ट्रपति,  
वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग में केन्द्रीय आबकारी अधीक्षक  
ग्रेड 'बी' श्री सी० पी० मल्होत्रा को वर्तमान शर्तों पर प्रतिनियुक्ति  
के आधार पर 9 जनवरी, 1980 से 6 महीनों की और अवधि  
या जब तक पद पर नियमित आधार पर नियुक्ति नहीं होती इनमें  
जो भी पहले हो, के लिए इस कार्यालय में सहायक निदेशक (शुल्क  
वापसी) के रूप में नियुक्ति करते हैं।

ओ० एन० आनन्द,

संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० 6/313/55-प्रशासन (राज०)/886—संयुक्त मुख्य  
नियंत्रक आयात-निर्यात के हैदराबाद के कार्यालय के नियंत्रक श्री

ए० ई० टालवाकर, जो निलम्बित थे उन्हें सेवा निवृत्तन आयु  
होने पर सरकारी सेवा से 31-1-1980 (अपराह्न) से निवृत्त  
होने की अनुमति दी जाती है।

सी० एस० आर्य, उप-मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात,  
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात,

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० ए०-19018(413)/79-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति,  
श्री लैम्बर्ट जोसेफ को दिनांक 2 जनवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से  
अगले आदेशों तक विस्तार केन्द्र, कालीकट (लघु उद्योग  
सेवा संस्थान, त्रिचूर के अधीन) में सहायक निदेशक, ग्रेड-1  
(यांत्रिक) नियुक्त करते हैं।

महेन्द्रपाल गुप्ता, उप-निदेशक (प्रशा०)

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1980

सं० ए०-32013/6/79-प्र० 6—राष्ट्रपति, सहायक  
निदेशक निरीक्षण (धातु) श्री एस० सी० दत्त को दिनांक 2-9-78  
के पूर्वाह्न से भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए०" के ग्रेड III  
धातु कर्मशाखा में नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री दत्त दिनांक 2-9-78 से दो वर्ष की अवधि के लिए  
परिवीक्षाधीन रहेंगे।

दिनांक 7 फरवरी 1980

सं० प्र० 6/247(28)/60—राष्ट्रपति, निरीक्षण निदेशक,  
कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी)  
श्री ए० चक्रवर्ती को दिनांक 15-1-1980 (पूर्वाह्न) से और  
आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में निरीक्षण  
अधिकारी (इंजी) (भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप ए०, इंजीनियरी  
शाखा के ग्रेड III) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से  
नियुक्त करते हैं।

श्री चक्रवर्ती ने सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) का  
पदभार छोड़ दिया और दिनांक 15-1-1980 (पूर्वाह्न) से  
निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी  
(इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

दिनांक 8 फरवरी 1980

सं० ए० 17011/158/79-प्र० 6—राष्ट्रपति, निदेशक  
प्रयोगशालाएं, केन्द्रीय एमार्क प्रयोगशाला, नागपुर के कार्यालय  
के सहायक निदेशक (फाइबर) श्री सुन्दर लाल के संघ लोक

सेवा आयोग द्वारा चुने जाने पर उन्हें दिनांक 17-1-80 (पूर्वाह्न) से और आगामी आदेशों तक निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप, ए वस्त्र शाखा के ग्रेड III) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर, उप निदेशक

इस्पात खान और कोल मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 13 फरवरी 1980

सं० ए० 19011/31/76-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री ए० एल० गोपालाचारी, वर्तमान प्रमुख खनिज अर्थशास्त्री तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से प्रमुख खनिज अर्थशास्त्री के पद पर भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 7-1-1980 के अपराह्न से अगले आदेश तक सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए० 19012/117/79-स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री राम अमृत मनीयन, कनिष्ठ लेखा अधिकारी, वेतन और लेखा विभाग भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्र, नागपुर को दिनांक 29-9-79 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई है।

सं० ए० 19012/123/80-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री एम० व्या० फजा वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अयस्क प्रसाधन) को स्थानापन्न सहायक अनुसन्धान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) के पद पर भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 18 जनवरी 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक पदोन्नति प्रदान की जाती है।

एल० बालागोपाल  
कार्यालय अध्यक्ष

नागपुर, दिनांक 11 फरवरी 1980

सं० ए-19011/12/70-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री एस० बालागोपाल, स्थाई क्षेत्रीय खान नियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो को स्थानापन्न रूप में खान नियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो के पद पर दिनांक 21-1-80 अपराह्न से पदोन्नति प्रदान की जाती है।

ए० आर० कश्यप  
प्रशासन अधिकारी

भारतीय मानव-विज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-700016, दिनांक 13 फरवरी 1980

सं० 4-168/79-स्था०—निदेशक, भारतीय मानव-विज्ञान सर्वेक्षण, श्री एन० एन० सेनगुप्त को अस्थाई आधार पर दिनांक

31 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश दिए जाने तक इस सर्वेक्षण के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, शिलांग में सहायक रक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

एन० आर० आईच,  
प्रशासनिक अधिकारी

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1980

सं० ए० 12026/3/79-(सी० आर० आई०)/प्रशासन—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय अनुसन्धान संस्थान, कसौली के उप सहायक निदेशक (गैर चिकित्सीय) डा० जी० सरन को 29 नवम्बर, 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में सहायक निदेशक (गैर-चिकित्सीय) के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला  
उप निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुर्निर्माण मन्त्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० ए० 1925/7/80-प्र० त०—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग बी) की संस्तुतियों के आधार पर श्री आर० जे० नथानियाल, वरिष्ठ निरीक्षक को इस निदेशालय के आधीन बम्बई में स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी दिनांक 11-1-80 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक नियुक्त किया गया है।

सं० ए०-1925/30/79-प्र० तु०—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर श्री राम राज सिंह राठीर को इस निदेशालय के आधीन भोपाल में स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी दिनांक 28-1-80 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनिहार,  
प्रशासन निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 3 जून 1979

आवेश

सं० एन० एफ० सी०/पी० ए०-5/20/1076—जब कि श्री बी० पी० श्रीवास्तव, कारीगर 'सी', जेड० एफ० सी०, एन० एफ० सी०, दिनांक 17-12-78 से उन्हें स्वीकृत 20 दिनों की छुट्टी समाप्त होने पर वे 6-1-79 को ड्यूटी पर लौटने में असफल रहे,

और जब कि उक्त श्री श्रीवास्तव को ड्यूटी पर तुरन्त लौटने के निदेश वाले तार उनके स्थानीय ज्ञात पते तथा स्थायी पते पर 17-2-79 को भेजे गए,

और जब कि उक्त श्री श्रीवास्तव इप्टी से निरस्त अनु-पस्थित रहे,

और जब कि श्री श्रीवास्तव के स्थानीय व स्थायी पतों पर एक ज्ञापन सं० एनएफसी/पीए-II/बी-80/जेडएफसी/795 दिनांक 17-2-79 भेज कर सूचित किया गया कि यदि वे इप्टी पर तुरन्त न लौटें तो उनके खिलाफ उपयुक्त अनुशासनिक कार्रवाही की जाएगी,

और जब कि दिनांक 17-2-79 का उक्त ज्ञापन जो उक्त श्री श्रीवास्तव के स्थानीय पते पर रजिस्ट्री पावती डाक द्वारा भेजा गया था, वह डाक अधिकारियों द्वारा टिप्पणी "बी० पी० श्रीवास्तव अपनी माताही (जो कि मैं हूँ) से मिलने के लिए अपने मूल निवास स्थान चले गए व एक महीने बाद लौटेंगे" के साथ बितरित किए बिना लौटा दिया गया,

और जब कि दिनांक 17-2-79 का उक्त ज्ञापन जो उनके बिहार में कुल नगर भेजा गया वह भी टिप्पणी "इस पते वाला बिना पता बताए चला गया है अतः भेजने वाले को लौटाया जाता है" के साथ बितरित किए बिना लौटा दिया गया,

और जब कि उक्त श्री श्रीवास्तव निरस्त अनुपस्थित रहे तथा एन० एफ० सी० को उनका अता पता बताने में असफल रहे,

और जब कि उक्त श्री श्रीवास्तव छुट्टी समाप्त होने पर इप्टी पर लौटने तथा अपनी मर्जी से सेवा का परित्याग करने के अपराधी हैं,

और जब कि एन० एफ० सी० को अपना अता पता बताए बिना इनके द्वारा अपनी मर्जी से सेवा का परित्याग करने के कारण, निम्न हस्ताक्षरकर्ता इससे सन्तुष्ट हैं कि एन० एफ० सी० के स्थायी आदेशों के पैरा 41 के प्रावधानों के अनुसार जांच आयोजित करना व्यवहारोचित नहीं है,

और जब, इसलिए, निम्न हस्ताक्षरकर्ता, परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22 (1)/68-प्रशा० दिनांक 3-12-70 के साथ पठित एन० एफ० सी० के पैरा 41.8 तथा सीसीएस (सीसीए) 1965 के नियम 19 (11) के साथ पठित एनएफसी के स्थायी आदेशों के पैरा 42 में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इससे उक्त श्री श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से सेवा से अलग करते हैं।

एन० कोण्डल राव  
मुख्य कार्यपालक

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

प्रणुशक्ति, दिनांक 12 फरवरी 1980

सं० रापविप/भर्ती/10 (2)/80/स्था/283—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, इस परियोजना के स्थायी लेखाकार श्री के० के० सुब्रह्मण्यम् को राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में ही तारीख : 27-11-79 2-486GI/79

के पूर्वाह्न से प्रागामी आदेश तक अस्थायी तौर पर सहायक लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह  
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)  
वास्ते मुख्य परियोजना इंजीनियर

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 6 फरवरी 1980

सं० प० ख० प्र०/2/2933/79-प्रशासन—श्री हिमाद्री घोष द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस० बी० के अस्थायी पद से दिया गया स्थाय पत्र परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक द्वारा 2 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से स्वीकार कर लिया गया है।

एम० एस० शैव  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

पर्यटन तथा नागर विमानन मन्त्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 19 फरवरी 1980

सं० ए० 32013 (11)/4/79-ई० आई० 1—राष्ट्रपति भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित मौसम विज्ञानियों (ग्रेड-II) को उसी विभाग में, उनके नामों के सामने दी गई तारीख से अगला आदेश मिलने तक, स्थानापन्न मौसम विज्ञानी ग्रेड 1 के रूप में नियुक्त करते हैं।

1. डा० कृष्णानन्द	29-12-79
2. डा० एस० एन० भट्टाचार्य	29-12-79
3. श्री रवीन्द्र नाथ	29-12-79
4. श्री भूकन लाल	29-12-79
5. डा० आर० के० दूबे	29-12-79
6. श्री एस० आर० कलसी	29-12-79
7. श्री जयपाल	29-12-79
8. श्री आर० सी० भाटिया	29-12-79
9. डा० एस० एन० श्रीवास्तव	29-12-79
10. श्री जे० एस० डे०	29-12-79
11. डा० एस० के० दीक्षित	29-12-79
12. श्री सी० रंगनाथन	29-12-79
13. डा० बी० थपलियाल	2-1-79
14. श्री श्रवण कुमार	29-12-79
15. श्री पी० के० भट्टाचार्य	29-12-79
16. श्री एम० एम० कुंदु	29-12-79
17. श्री ए० बी० आर० कृष्णाराव	29-12-79
18. श्री बी० श्रीनिवासन	2-1-80
19. श्री ए० नारायण कुट्टी	2-1-80

(अपराह्न)

(अपराह्न)

20. श्री एन० वी० नसायण रत्न	29-12-79
21. श्री एम० सी० शर्मा	29-12-79
22. श्री ए० के० भटनागर	29-12-79
23. श्री के० डी० बर्मन	29-12-79
24. श्री एस० सी० शर्मा	2-1-80
25. श्री एस० डी० विलियम्स	29-12-79
26. श्री आई० सी० तलवार	29-12-79
27. श्री एस० गोपीनाथ	29-12-79
28. श्री के० जी० एस० नैय्यर	29-12-79
29. श्री राजेन्द्र सिंह	31-12-79
30. श्री एस० के० जैन	31-12-79
31. श्री एच० एन० गुप्ता	29-12-79
32. श्री ए० डी० रविशंकर	31-12-79
33. श्री टी० के० बालकृष्णन	29-12-79
34. श्री जुलिअस जोसफ	29-12-79
35. श्री आर० नटराजन	29-12-79
36. श्री एम० एन० पिल्लई	31-12-79
37. श्री वी० भावनारायण	29-12-79
38. श्री सी० एल० अग्निहोत्री	29-12-79
39. श्री एल० कृष्णमूर्ति	29-12-79
40. श्री टी० के० रे	29-12-79
41. श्री ए० टी० वाम	29-12-79
42. श्री एस० के० शाह	29-12-79
43. श्री आर० एस० भारतीय	29-12-79
44. श्री के० सी० हालदर	29-12-79
45. श्री पी० सरकार	29-12-79

एस० के० दास  
उप महानिदेशक मौसम विज्ञान  
(प्रशासन तथा भंडार)  
कृते मौसम विज्ञान महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी, 1980

सं० ए० 38012/5/79-ई०ए०—श्री के० सी० मणि, विमान-क्षेत्र अधिकारी, मद्रास एयरपोर्ट, मूल नियम 56 (क) के अधीन दिनांक 31 जनवरी, 1980 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० ए० 38012/9/79-ई०ए०—श्री एन० के० मूर्ति, विमान-क्षेत्र अधिकारी, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास मूल नियम (56) (के) के अधीन दिनांक 31 जनवरी, 1980 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

विश्वविनोद जौहरी  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी 1980

सं० ए० 32014/4/79-ई०सी०—इस विभाग की दिनांक 21-1-80 की अधिसूचना सं० ए० 32014/4/79-ई० सी० के

क्रम सं० 1 को संशोधन करते हुए महानिदेशक नागर विमानन, श्री जे० एम० अग्रस्तुत, संचार सहायक, नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र इलाहाबाद को दिनांक 12-12-79 (पूर्वाह्न) से नियमित आधार पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं और उन्हें संचार नियंत्रक वैमानिक संचार स्टेशन मद्रास के कार्यालय में तैनात करते हैं।

एन० ए० पी० स्वामी,  
सहायक निदेशक, प्रशासन  
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 18 फरवरी, 1980

सं० ए० 32013/2/78-ई०एस०—राष्ट्रपति श्री जमन लाल को दिनांक 26-7-79 से अन्य आदेश होने तक महा-निदेशक, नागर विमानन का कार्यालय, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली में नियमित आधार पर उपनिदेशक/नियंत्रक, वैमानिक निरीक्षण के रूप में स्थानापन्न स्तर पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 32014/1/79-ई०एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने निदेशक, रेडियो निर्माण तथा विकास एकक के कार्यालय में भंडार सहायक, श्री सी० एल० शर्मा को दिनांक 1 फरवरी 1980 पूर्वाह्न से अन्य आदेश होने तक क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली क्षेत्र, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में तदर्थ आधार पर भंडार अधिकारी (ग्रुप ख पद) के रूप में नियुक्त किया है।

सं० ए० 32014/1/79-ई०एस०—महानिदेशक नागर विमानन श्री के० के० वर्मा भंडार सहायक को दिनांक 1 फरवरी 1980 पूर्वाह्न से अन्य आदेश होने तक नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो स्टोर डिपो, नेताजी नगर, नई दिल्ली के कार्यालय में नियमित आधार पर भंडार अधिकारी (ग्रुप ख) पद के रूप में नियुक्त करते हैं।

एन० ए० पी० स्वामी  
सहायक निदेशक प्रशासन

विवेक संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1980

सं० 1/18/80-स्था—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री रंजन दत्त को 14 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्विचन समूह, बम्बई में अस्थायी रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/89/80-स्था—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री बल राज को 5 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्विचन समूह, बम्बई में अस्थायी रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/101/80-स्था—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा केन्द्रीय अस्थायी पुलिस बल के सूत्रधार, श्री एस० सी० एस० अक्षयलाल को 14 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक प्रतिनियुक्त के आधार

पर मुख्य कार्यालय, बम्बई में स्थानापन्न रूप से सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नायर  
निदेशक प्रशा०  
कृते महानिदेशक

2. श्री बी० सी० शर्मा, 31-12-79 (ए० एन०)  
सी० ओ० पी० एस०/  
प्रधान कार्यालय  
3. श्री के० जी० सक्सेना, 31-12-79 (ए० एन०)  
रेलवे बोर्ड में

आर० के० नटेशन  
महा प्रबन्धक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 19 फरवरी 1980

सं० 16/338/79-स्थापना-1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, डा० कैलाश चन्द्र जोशी को दिनांक 21 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक वन अनुसन्धान केन्द्र बर्नीहाट, आसाम में सहर्ष अनुसन्धान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 16/340/79-स्थापना-I—अध्यक्ष वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री रजनीश कुमार वक्शाय, अनुसंधान सहायक प्रथम वर्ग, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून को, दिनांक 7 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक स्कीम (I) बीज कोष और (II) बीज मुधार तथा वृक्ष प्रजनन केन्द्र हैदराबाद के आधीन क्षेत्रीय केन्द्र कोयम्बतूर में सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

हीरावल्लभ जोशी  
कुल सचिव

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

निर्माण और आवास मन्त्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1980

शुद्धि पत्र

सं० 33/9/76-ई० सी० 1—भारत के राजपत्र के भाक 1, खण्ड III में दिनांक 14-7-1979 को प्रकाशित केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (केन्द्रीय कार्यालय) सहायक (वास्तुकीय विभाग), भर्ती नियम, 1979 के बारे में इस मन्त्रालय की दिनांक 20-6-1979 की समान संख्यक अधिसूचना को एतद्वारा रद्द किया जाता है।

एस० रंगानाथन  
अवर सचिव

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1980

शुद्धि पत्र

सं० 19—परीचालन एक्म् विभाग ने निम्नलिखित उनके नाम के सामने दी गई तिथि से अंतिम रूप से रेल सेवा निवृत्त हो गये हैं।

1. श्री आर० डी० शर्मा, 30-11-79 (ए० एन०)  
एस० सी० आर० (रेट्स)  
प्रधान कार्यालय

दक्षिण मध्य रेलवे

सिकन्दराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1980

सं० पी० (जी० ए० जेड) 185/टी० सी०/भाग-II—श्री एम० एस० जयंतन, भारतीय रेल यातायात सेवा के एक अधिकारी (परिवीक्षाधीन) को उसी सेवा में श्रेणी-1 अवर वेतनमान में दिनांक 4-2-78 से स्थायी किया जाता है।

सं० पी० (गजट) 185/टी० सी० भाग-II—इस रेलवे के भारतीय रेल यातायात सेवा के निम्नलिखित अवर वेतनमान (श्रेणी 1) के अधिकारियों को उनके नाम के सामने दिखायी गयी तारीखों से उस सेवा के वरिष्ठ वेतनमान में स्थायी किया जाता है :—

क्र० सं०	नाम	स्थायी करने की तारीख
1.	श्री एम० ए० रऊफ	25-6-74
2.	श्री एस० कृष्णमूर्ति अय्यर	5-3-75
3.	श्री एस० राममूर्ति	5-3-75
4.	श्री के० सी० शिवानंदम्	5-3-75
5.	श्री एस० गोपालकृष्णन	1-4-76
6.	श्री बी० एल० वर्मा	1-6-76
7.	पी० शेषगिर राव	1-10-76
8.	श्री जी० गोवर्धन राव	1-12-76

एन० नीलकण्ठ शर्मा  
महा प्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मन्त्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के सहायक रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और यू० पी० गैसेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 6 फरवरी 1980

सं० 1263/3788-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि यू० पी० गैसेज प्राइवेट

लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और विकी इन्जीनियरिंग प्राइवेट लि० के विषय में

कानपुर, दिनांक 6 फरवरी 1980

सं० 1265/4161-एल० सी०—अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर विकी इन्जीनियरिंग प्राइवेट लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दक्षित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मोदी इन्टर प्राइजेज (सेल्स) प्रा० लि० के विषय में

कानपुर, दिनांक 7 फरवरी 1980

सं० 1339/3482-एल० सी०—अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मोदी इन्टर प्राइजेज (सेल्स) प्राइवेट लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दक्षित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

ओ० प्र० चव्वा  
रजिस्ट्रार आफ कम्पनी  
यू० पी०, कानपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मै० कमला फुटबियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1980

सं० 7042/3875—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर कमला फुटबियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दक्षित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

जी० बी० सक्सेना  
[सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार  
दिल्ली एवं हरियाणा,

कम्पनी अधिनियम 1956 और रेवती कण्ठकनम प्रा० लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1980

सं० 3589/560(5)/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि रेवती कण्ठकनम प्रा० लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और गौरी ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1980

सं० 3803-560 (3)/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर गौरी ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दक्षित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री कुप्पुस्वामी ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० 4786/560 (5)/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री कुप्पुस्वामी ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

एच० बानरजी  
सहायक कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और राव कैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 12 फरवरी 1980

सं० 2651/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर राव कैमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दक्षित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी गजबानी  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 एंव मेमर्स श्री फोरवर्ड चीट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 28 जनवरी 1980

सं० 14280/560/3—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेमर्स श्री फोरवर्ड चीट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दक्षित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ए० सी० गुप्ता  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार  
महाराष्ट्र



कम्पनी अधिनियम 1956 एवं रतलाम फायनेन्स प्रा० लि० के विषय में

खासियर, दिनांक 14 फरवरी 1980

सं० 1067/लिक्वीन/सी० पी० 646—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 उपधारा (2) के अन्तर्गत सूचित किया जाता है कि मेसर्स रतलाम फायनेन्स प्रायव्हेट लिमिटेड, रतलाम को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, खण्डपीठ इन्दौर के आदेश दिनांक 15-1-1980 के द्वारा परिममाण करने का आदेश दिया गया है तथा सरकारी समापक इन्दौर को उक्त कम्पनी का समापक नियुक्त किया गया है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना

कम्पनी रजिस्ट्रार,

मध्य प्रदेश, खासियर

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2) के अधीन सूचना

बम्बई-400002, दिनांक 14 फरवरी 1980

सं० 10956/लिक्वि०—कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में

और

जनता वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के मामले में

कम्पनी आवेदन संख्या—वर्ष—में स्थित माननीय उच्च न्यायालय, बम्बई के आदेश दिनांक 29-11-78 के द्वारा जनता वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का परिममाण करने का आदेश प्रदान कर दिया है।

ह० अपठनीय

सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार

महाराष्ट्र, बम्बई

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2) के अधीन सूचना : मेसर्स गुजरात लाकर्स एन्ड फाइनान्सीयर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 13 फरवरी 1980

सं० 2154/लिक्विडेशन—कम्पनी अरजी नं० 40/1979 में अहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 28-12-79 के आदेश द्वारा मेसर्स गुजरात लाकर्स एंड फाइनान्सीयर्स प्राइवेट लिमिटेड का परिममाण का आदेश दिया गया है।

जे० गो० गाथा

प्रमंडल पंजीयक

गुजरात, अहमदाबाद

समग्रहृत सम्पत्ति का अपीलीय न्यायाधिकरण

आदेश

केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के परन्तुक के अन्तर्गत पारित सेवा समाप्ति के आदेश

नई दिल्ली-110003, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० ए० टी० एफ० पी०/79-80/995—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 के

उपनियम (1) के परन्तुक के अनुमरण में, मैं एतद्वारा श्री नाहरसिंह, न्यायालय परिचर (कोर्ट एटेंडेंट) की सेवाएं अविलम्ब समाप्त करता हूँ और यह भी निदेश देता हूँ कि अपनी सेवा समाप्ति के ठीक पूर्व जिस दर पर वेतन और भत्ते ले रहे थे, उसी दर पर उन्हें नोटिस की अवधि के लिए अथवा उस अवधि के लिए जो ऐसा नोटिस दिए जाने की महीने की अवधि से कम पड़ती हो, जैसी भी स्थिति हो, वेतन तथा भत्ते लेने के अधिकारी होंगे।

राजेश्वर त्यागी

नियुक्ति अधिकारी के हस्ताक्षर

पंजीयक

समग्रहृत सम्पत्ति का अपीलीय न्यायाधिकरण

कार्यालय आय-कर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 7 फरवरी 1980

सं० एफ० 48-ए०डी० (ए० टी०)/79—1. श्री वाई० बालसुब्रमनियम अधीक्षक आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई जिन्हें आय-कर अपील अधिकरण बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में तदर्थ आधार पर, अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से तीन महीने के लिए अर्थात् दिनांक 1-9-1979 से 30-11-1979 तक कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई थी, देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 22-11-1979 की अधिसूचना क्रमांक एफ० 48 ए०डी० (ए०टी०)/79, को अब उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में और तीन महीने के लिए अर्थात् दिनांक 1-12-1979 से 29-2-1980 तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री वाई० बालसुब्रमनियम को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो बरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेंगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

2. श्री एस० बी० नारायणन, वरिष्ठ आशुलिपिक, आय-कर अपील अधिकरण, हैदराबाद न्यायपीठ, हैदराबाद, जिन्हें तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में तीन महीने के लिए अर्थात् दिनांक 1-9-1979 से 30-11-1979 तक स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गयी थी, देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 22-11-1979 की अधिसूचना क्रमांक एफ० 48 ए०डी० (ए०टी०)/79 को अब उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में और तीन महीने के लिए अर्थात् दिनांक 1-12-1979 से 29-2-1980 तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु

नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री एस० सी० नारायणन् को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जाएंगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

3. श्री निरंजन दास, स्थानापन्न सहायक अधीक्षक आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली जिन्हें तदर्थ आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर आय-कर अपील अधिकरण, अमृतसर न्यायपीठ, अमृतसर में तीन महीने के लिए अर्थात् दिनांक 1-9-1979 से 30-11-1979 तक स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गयी थी, देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 29-11-1979 की अधिसूचना क्रमांक एफ० 48/ए० डी० (ए० टी०) 79, को अब उसी क्षमता में तदर्थ आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर आय-कर अपील अधिकरण, अमृतसर न्यायपीठ, अमृतसर में दिनांक 1-12-1979 से 30-1-1980 (पूर्वाह्न) तक कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री निरंजन दास को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न वो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जाएंगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/79—श्री टी० एल० खान्जोदे, स्थायी अधीक्षक, भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण, मध्यक्षेत्र, नागपुर को आयकर अपील अधिकरण, अमृतसर न्यायपीठ, अमृतसर में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 30 जनवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से रु० 650-30-740-35-810-

द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200/- के वेतनमान पर अस्थायी क्षमता में अगला आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

वे दिनांक 30 जनवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से दो वर्षों के लिए परीक्षाधीन होंगे।

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/79—श्री टी० एल० खान्जोदे, (सहायक पंजीकार के पद के लिए संच लोका सेवा आयोग द्वारा नामित) की नियुक्ति हो जाने पर श्री निरंजन दास, जो आयकर अपील अधिकरण अमृतसर न्यायपीठ अमृतसर में तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में दिनांक 17-10-1977 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न रूप से सहायक पंजीकार के रूप में कार्य कर रहे थे, को उनके मूल पद पर सहायक अधीक्षक, आयकर अपील अधिकरण दिनांक 30 जनवरी 1980 (पूर्वाह्न) से प्रत्यावर्तित किया जाता है।

दिनांक 12 फरवरी 1980

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/79—श्री वाई० बालमुन्ननियम, स्थानापन्न अधीक्षक, आय-कर अपील अधिकरण, जो तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में दिनांक 25 मार्च, 1976 (पूर्वाह्न) से आय-कर अपील अधिकरण में सहायक पंजीकार की हैसियत से स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहे हैं को अब नियमित आधार पर (प्रोन्नति कोटा में) दिनांक 5 फरवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतनमान पर अगला आदेश होने तक आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में सहायक पंजीकार के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

श्री वाई० बालमुन्ननियम 6 फरवरी, 1980 से दो वर्षों के लिए परीक्षाधीन रहेंगे।

टी० डी० शुक्ला  
अध्यक्ष

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० पटियाला/185/79-80:—यतः मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मकान नं० 22-डी है तथा जो माडल टाऊन, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

में पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धनस्थिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धनस्थिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाशिरे में इसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धनस्थिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति मन्त कौर पत्नी श्री गुम्बकम सिंह, बड़ा बाजार, हरिशन रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति मन्त कौर पत्नी श्री कर्नल सिंह बामी बागड़ीयां, सहमील मनेरकोटला मकान नं० 22-डी, माडल टाऊन, पटियाला ।

(अन्तरिती)

(3) श्री शाम लाल, दुकानदार मकान नं० 22-डी, माडल टाऊन, पटियाला ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पद होना, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 22-डी, माडल टाऊन, पटियाला ।

(जायेशब जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2361, जून 1979 में दर्ज है) ।

मुखदेव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी, 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/79/79-80:—यतः मुझे, सुब्रदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3343 है तथा जो सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाधुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) एक्स हवलदार श्री बख्शदास सिंह पुत्र श्री सुहेल सिंह गांव कठरो डा० कृष्णपुर जिला रोपड़ द्वारा स्वीकृत अन्तरिती श्री दलीप सिंह पुत्र श्री जगन्नाथ सिंह मकान नं० 3343, सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सुरिन्दर कौर पत्नी श्री दलीप सिंह थिन्ड मकान नं० 3343 सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) श्री बिशन दास, निर्मल सिंह वामी 3343, सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3343, सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 411, जून 1979 में दर्ज है)।

सुब्रदेव चन्द

अर्जन अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 फरवरी, 1980

मोहर:

प्रकृत प्रार्थना टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निर्देश सं० लुधियाना/170/79-80:—यतः, मुझे, सुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इनके परान्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट 90.50 वर्ग गज है तथा जो भारत नगर  
रोड नजदीक बस स्टैंड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जून 16 79 को  
के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
पूर्वक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के परान्त प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित प्रमाण से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरण के बाधित में कमी  
करने या उससे बचने में लुब्धता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में लुब्धता के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

3-486GI/79

(1) श्री निर्मल सिंह पुत्र श्री करतार सिंह गांव भाटियां  
तहसील लुधियाना, अब वासी मकान नं० 1168,  
मैक्टर 18-सी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री मनताम सिंह, मोहिन्दर पाल सिंह, देविन्दर पाल  
सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह वासी 34, माडल ग्राम, लुधि-  
याना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 90.50 वर्ग गज है और जो भारत  
नगर रोड नजदीक बस स्टैंड, लुधियाना में स्थित है ।

(जायेदाद अधिकारी जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता लुधियाना के कार्या-  
लय के विलेख संख्या 1550, जून 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी, 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/68/79-80:—यतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और ज़िमकी सं० प्लॉट नं० 1399 है तथा जो सैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —:

(1) एम्.एम. मोदी ए० डी० दत्त पुत्र श्री एम्. आर० दत्त 11 माऊथ पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति गुरबक्ष कौर मन्धू पत्नी श्री ल० क० मविन्दर सिंह मन्धू, 323, सैक्टर 9-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के, अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1399, सैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़।

(जयदेव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 378, जून 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी, 1980  
मोहर :

## प्रकरण आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/99/79-80:—अतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2225, प्लॉट नं० 45, है तथा जो सैक्टर 21-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रवृद्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

(1) डा० करतार सिंह जीली पुत्र श्री दिपाल सिंह जीली श्रीमोहन रोड बम्बई द्वारा जनरल अटारनी श्री हरबन्स सिंह जीली पुत्र डा० करतार सिंह जीली, अडिशनल चीफ इंजीनियर, आल इंडिया रेडियो पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री नरिन्दर सिंह भाटिया पुत्र श्री सुन्दर सिंह भाटिया मनेजर, पंजाब व सिन्ध बैंक लि०, जालन्धर शहर ।  
(अन्तरिती)

(3) श्री एच० सी० कपूर, श्री बी० एम० चोपड़ा व श्री रणम वासी मकान नं० 2225, सैक्टर 21-सी, चण्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 2225, सैक्टर 21-सी, चण्डीगढ़ ।

(जावेद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 501, जून 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, लुधियाना ।

ता. 15 फरवरी, 1980  
मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/113/79-80:—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० ओ०/साइट नं० 75 है तथा जो सैक्टर 31-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मनवीर सिंह कोहली पुत्र श्री तरनोचन सिंह वासी 1025, सैक्टर 21-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री बलदेव राज सेठी पुत्र श्री लाला अमर नाथ सेठी नं० 6 टिम्बर मार्केट, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एस० सी० ओ० साइट नं० 75, सैक्टर 31-सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के बिलेख संख्या 589, जून 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी, 1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/108/79-80:—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० रिहायशी प्लॉट नं० 85 है तथा जो सेक्टर 33-ए चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री हरगोपाल पुत्र श्री तुलसी दास निवासी 10730/15 गली गुरद्वारा नबी कारीम, झंडेवाला नयु देहली । राही श्रीमती सुदेश कुमारी सचदेवा पत्नी श्री कस्तूरी लाल सचदेवा वासी मकान नं० 2623, सेक्टर-22-सी चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

- (2) श्री कस्तूरी लाल सचदेवा पुत्र श्री कांसी राम वासी मकान नं० 2628, सेक्टर 22-सी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 85, सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ ।

(जायेदाह जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 559, जून 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी, 1980  
मोहर :

प्रवच भाई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/95/79-80:—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 282 है तथा जो सेक्टर 11-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) डाक्टर साहदेव गुप्ता पुत्र श्री राम सारूप गुप्ता राहों देव गाँवों का हस्पताल, ईदगाह सड़क, अम्बाला कैंट, (हरयाना) ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री अमरजीत सिंह सोढी, पुत्र श्री तरलोचन सिंह सोढी, गाँव मानवां तहसील जीरा जिला फिरोजपुर ।  
2. श्रीमती भोपिन्दर जीत कौर सोढी पत्नी श्री अमरजीत सिंह सोढी गाँव मानवां तहसील जीरा, जिला फिरोजपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 282, सेक्टर 11-ए, चण्डीगढ़ ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 496, जून 1979 में दर्ज है ।)

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना,

तारीख : 15 फरवरी, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/132/79-80:—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 106 है तथा जो सेक्टर 36-ए चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) ब्रूप कैप्टन कुलदीप सिंह भाटिया, पुत्र श्री भगतसिंह भाटिया, 122 कैलाश कालोनी, न्यू देहली-48  
(अन्तरक)

(2) श्री इन्दरजीत भरद्वाज पुत्र श्री जय चन्द भरद्वाज मकान नं० 3016, सैक्टर 21-डी चण्डीगढ़, श्रीमति राज भरद्वाज पत्नी श्री इन्दरजीत भरद्वाज मकान नं० 3016, सैक्टर 21-डी, चण्डीगढ़।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 106, सैक्टर 36-ए, चण्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 772, जुलाई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी, 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/165/79-80:—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और ज़िमकी सं० प्लॉट नं० 3869 है तथा जो सैक्टर 32-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई-अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सुन्दर सिंह पुत्र श्री बहादुर सिंह वासी गांव और डाकघर बुचों खुर्द, जिला भटिन्डा द्वारा जनरल पावर आफ अटारनी श्री बलद्वार सिंह पुत्र श्री जगत सिंह वासी मकान नं० 79, सैक्टर 16-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरबखण सिंह पुत्र श्री काला सिंह वासी 6044, स्ट्रीट नं० 23, नवां कोट, अमृतसर (पंजाब)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 3869, सैक्टर 32-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० 959, जुलाई-अगस्त 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी, 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० जगराओं/43/79-80:—यसः, मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 35 कनाल 15 मरले है तथा जो गांव अगवाड़ लोपी कलां, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगराओं में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्ती:—

4-486 GI/79

(1) श्रीमती प्रीतम कौर विधवा व श्रीमति अरदास कौर पुत्री श्री बहगुरु बकस सिंह, श्री करतार सिंह, रणजीत सिंह, कुलवंत सिंह, स्वयं व जनरल अटारनी श्री अवतार सिंह पुत्र नरंजन सिंह पुत्र तथा सिंह वासी अगवाड़ दल्ला (जगराओं) ।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री सौदागर सिंह, नाजर सिंह, बहादुर सिंह पुत्र गुरदियाल सिंह पुत्र अनोख सिंह, सर्वश्री रणजीत सिंह, गुरनाम सिंह, पुत्र श्री कर्म सिंह पुत्र श्री अनोख सिंह वासी अगवाड़ लोपी कलां, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 35 कनाल 15 मरले है और जो गांव अगवाड़ लोपी कलां, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जगराओं के कार्यालय के विलेख संख्या 1068, जून 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी, 1980

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

घातकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० संगरूर/62/79-80:—यतः, मुख्देव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 4 बिघा पक्का है तथा जो गांव अकोई साहिब, तहसील संगरूर में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा; के लिए;

अतः, जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम दास पुत्र श्री कुन्दन लाल वासी गांव अकोई साहिब, तहसील संगरूर।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदियाल सिंह पुत्र श्री काका सिंह वासी बंगावाली, तहसील संगरूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा पक्का है और जो गांव अकोई साहिब, तहसील संगरूर में स्थित है।

(जायेदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, संगरूर के कार्यालय के विलेख संख्या 1192, जून 1979 में दर्ज है)।

मुख्देव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० संगरूर/67/79-80:—यत, मुखे, सुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि 3 बिघा पक्का है तथा जो गांव अकोई साहिब,  
तहसील संगरूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री राम दास पुत्र श्री कुन्दन लाल वासी अकोई साहिब,  
तहसील संगरूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति गुरदेव कौर पत्नी श्री बक्षी सिंह वासी बद्रहखान  
तहसील संगरूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

साष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 बिघा पक्का है और जो गांव अकोई  
साहिब, तहसील संगरूर में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, संगरूर के कार्यालय  
के विलेख संख्या 1203, जून 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी, 1980

माहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० संगरूर/88/79-80:—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 3 बिघा पक्का है तथा जो गांव अकोई साहिब, तहसील संगरूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राम दास पुत्र श्री कुन्दन लाल वासी अकोई साहिब, तहसील संगरूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री बीर सिंह पुत्र श्री किशन सिंह गांव बंगावाली, तहसील शुरु संगरूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 बिघा पक्का है और जो गांव बंगावाली तहसील संगरूर में स्थित है ।

(जायेदाद असा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, संगरूर के कार्यालय के विलेख संख्या 1204, जून 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी, 1980

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एच०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० लुधियाना/168/79-80:—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-18-377 (471-एल) है तथा जो माडल टाऊन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

(1) श्री सुरनागत सिंह पुत्र श्री किरपाल सिंह पुत्र श्री ठाकुर सिंह वासी 471-एल, माडल टाऊन, लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) सरदार सन्त सिंह पुत्र श्री पंजाब सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह वासी 471-एल, माडल टाऊन, लुधियाना । श्री जतिन्दर सरूप सिंह पुत्र श्री आत्म सरूप सिंह पुत्र श्री उत्तम सिंह वासी 558, सैक्टर 18-बी, चण्डी-गढ़ ।

(अन्तरिती)

(3) श्री जतिन्दर सरूप सिंह 47-एल माडल टाऊन, लुधियाना ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धार्या 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा; जो उस धार्या में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० बी-18-377 (प्लॉट नं० 471-एल), माडल टाऊन, लुधियाना ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1521, जून 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
मर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 15 फरवरी, 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० लुधियाना/आर/104/79-80:—अतः मुझे,  
सुखदेव चन्द,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि 64 कनाल है तथा जो गांव गोरसीया हाकम  
राय, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मंगल सिंह पुत्र श्री लखा सिंह, वासी गोरसीया  
हाकम राय, तहसील व जिला लुधियाना।  
(अन्तरक)

(2) सर्वश्री अजीत सिंह, बलदेव सिंह, गुरवीप सिंह पुत्र  
श्री अर्जन सिंह, श्री करनैल सिंह पुत्र श्री जगत सिंह  
वासी, रजापुर, तहसील व जिला लुधियाना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

प्रत्येककरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षत्रफल 64 कनाल है और जो गांव  
गोरसीया हाकम राय, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित  
है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के  
कार्यालय के विलेख संख्या 2446, जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी, 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निवेश सं० अहमदगढ़/18/79-80:—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 21 बिघा 10 विसवा है तथा जो गांव देहलीज कलां तहसील अहमदगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रकार के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बीर सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह पुत्र श्री दया सिंह गांव छापर, तहसील ब जिला लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरनाम सिंह पुत्र श्री सुरजन सिंह पुत्र श्री उत्तम सिंह, जीत सिंह, जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री गुरनाम सिंह पुत्र सुजान सिंह गांव छापर, तहसील ब जिला लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 21 बिघा 10 विसवा है और जो गांव देहलीज कलां, तहसील अहमदगढ़ में स्थित है ।

(जायेबाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अहमदगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1005, जून, 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15 फरवरी, 1980 ।  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० लुधियाना/आर/71/79-80:—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 6 बिघा 6 बिसवा 15 बिसवा सी है तथा जो गांव कुरायके तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री अर्जुन सिंह पुत्र श्री तथा सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह वासी गांव कुरायके, तहसील व जिला लुधियाना। (अन्तरक)

(2) सर्वश्री बलबीर सिंह, मुख्तियार सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह गांव कुरायके, तहसील लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी गवधि बाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 बिघा 6 बिसवा 15 बिसवासी है और जो गांव कुरायके, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1913, जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रॉज, लुधियाना।

तारीख : 15 फरवरी, 1980।

मोहर:

प्रमाण आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निर्देश सं० जगराओं/46/79-80:—प्रति: मुझे, सुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसका पदवाच 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 28 कनाल 8 मरले है तथा जो गांव अगवाड़ गुजरा, तहसील जगराओं में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगराओं में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूल यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐम दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाध गवा प्रतिफल, निम्नलिखित दृष्टिकोण से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में बाधगवा के अन्तरित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या अन्य बचने में सुविधा के लिए, आयुक्त

(ख) ऐसी किया प्राय वा कितना वन या अन्य मामलों को मिलें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में विधाय के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित शर्तों, अर्थात् :—

5-486GI/79

(1) श्री अमृतार सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह गांव अगवाड़ गुजरा, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री बूटा सिंह पुत्र श्री गुरवियल सिंह बासी गांव अगवाड़ गुजरा, तहसील जगराओं।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त तारीख को प्रेषित की जाए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के सम्बन्ध में की गई आशये :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, या भी अवधि बाद में अध्याप्त होना है। अतः अन्तरण पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विगुण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्गुस्तारों के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 कनाल 8 मरले है और जो गांव अगवाड़ गुजरा, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रकर्ता अधिकरण, जगराओं के कार्यालय के विलेख संख्या 1158, जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रॉज, लुधियाना।

तारीख : 15 फरवरी, 1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० लुधियाना/आर/100/79-80:—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन दक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 75 कनाल 16 मरले है तथा जो गांव कूम कलां, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) सर्वश्री बलबीर सिंह, जगतार सिंह, संगारा सिंह, अवतार सिंह पुत्र प्यारा सिंह वासी कूम खुर्ब, तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिन्दर कौर पत्नी श्री सुखदेव सिंह पुत्र श्री मेवा सिंह वासी गांव सौदी तहसील समराला, जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 75 कनाल 16 मरले है और जो गांव कूम कलां, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1637, जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
दक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15 फरवरी, 1980।  
मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० लुधियाना/आर/103/79-80:—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 28 कनाल 1 मरला है तथा जो गांव रुड़का तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आय आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री सैकन्दर सिंह, अजमेर सिंह पुत्र श्री पुरन सिंह वासी कूम कलां, तहसील लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रगट सिंह पुत्र भान सिंह पुत्र रुड़ सिंह वासी गांव रुड़का, तहसील लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियों करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्देशाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 कनाल 1 मरला है और जो गांव रुड़का, तहसील लुधियाना में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2523, जून, 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रंज, लुधियाना ।

तारीख : 15 फरवरी, 1980 ।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1979

निदेश सं० लुधियाना/आर/92/79-80:--प्रतः मुक्त, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 36 कनाल 2 मरले है तथा जो गांव भोरा, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ढंग से ठीक नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री प्रेम सिंह पुत्र श्री बजीर सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह, वासी गांव भोरा, तहसील लुधियाना। (अन्तरक)

(2) सर्वश्री संतख सिंह, गुरदेव सिंह पुत्र श्री बचन सिंह पुत्र श्री भगत सिंह वासी झग्गीआं कादर, तहसील लुधियाना। (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 36 कनाल 2 मरले है और जो गांव भोरा, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2373, जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15 फरवरी, 1980।

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

निदेश सं० लुधियाना/बी/105/79-80:— भतः मुझे,

मुख्यदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 26 कनाल 8 मरले है तथा जो गांव लालसों कलां, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत के अतिरिक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती रणजीत कौर पुत्री श्री जनन सिंह वासी लालसों कलां, तहसील लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री नच्छतर सिंह, जबर सिंह पुत्र श्री गुरदेव सिंह 106, साऊथ माडल ग्राम, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय के 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 26 कनाल 8 मरले है और जो गांव लालसों कलां, तहसील लुधियाना में स्थित है ।

(जायेदाव जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2558, जून, 1979 में दर्ज है ।)

मुख्यदेव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 15 फरवरी, 1980 ।

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

निदेश सं० लुधियाना/आर०/93/79-80:—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 26 कनाल 18 मरले है तथा जो गांव लालतों कलां, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अन्तर्गत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण पर हुई किसी आय या शक्ति, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रमुखण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

(1) श्रीमती रणजीत कौर पुत्री श्री चनन सिंह वासी लालतों कलां, तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री न.च्छतर सिंह, जबर सिंह, पुत्र श्री गरदेव सिंह वासी 106, साऊथ माडल ग्राम, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धावेव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 26 कनाल 18 मरले है और जो गांव लालतों कलां, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2398, जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15 फरवरी, 1980।

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एम.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निदेश सं० लुधियाना/आर/113/79-80:—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 25 कनाल 10 मरले है तथा जो गांव लालतों कलां, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6/79

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तर बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापारपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिनियों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिये लग पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में आवश्यक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी धन की मात्रा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिनियम में की करने का उद्देश्य बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या निस्त धन या अन्य आस्थितियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धर्माजनां अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती रणजीत कौर पुत्री श्री चनन सिंह वासी गांव लालतों कलां, तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री नच्छतर सिंह, जबर सिंह, पुत्र गुरुदेव सिंह वासी 106, साऊथ माडल ग्राम, लुधियाना।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्रारोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तदनुबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी को भी जारी।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा या तदनुबंधी के नाम लिखित में किए गए सर्वेक्षण।

स्पष्टीकरण:—इसमें सूचना गैर आधिकारिक है, जो उक्त अधिनियम के अधिनियम 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अधिनियम में रखा गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 25 कनाल 10 मरले है और जो गांव लालतों कलां, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2930, जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी, 1980।  
मोहर :

प्रारूप आई० डी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन मुनना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

निदेश सं० लुधियाना/136/79-80:—प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 16-सी, 2648 वर्ग गज है तथा जो करतार सिंह सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये धनरहित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धनरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निर्मातृ उद्देश्य से उक्त धनरक्षण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या हिस्से धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय बाह्य अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात् अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सु० हरभगत सिंह पुत्र किरपा सिंह पुत्र उत्तम सिंह वासी अब्बूलाल तहसील जगराओं स्वयं व अटारनी श्री हरदेव सिंह, सरवन सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह वासी भंगसी, तहसील जगराओं व श्री कुलदीप सिंह पुत्र श्री हरभगत सिंह द्वारा श्री गुरदियाल सिंह वासी अब्बूलाल, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील मेहतानी पुत्र श्री निसाण रतन मेहतानी पुत्र श्री चन्दर भान मेहतानी वासी 27-बी, टैगोर नगर, लुधियाना व श्री संजीव चड्ढा पुत्र श्री राजिन्दर चड्ढा वासी 12, कालज रोड सीवील लाईन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना शुरू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निम्नलिखित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथावश्यकता के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 30-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा, तो उन शब्दों का प्रयोग किया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 16-सी, जिसका क्षेत्रफल 2648 वर्ग गज है और जो सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1339, जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी, 1980।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

निदेश सं० बरनाला/47/79-80-:-प्रतः मुझे, सुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 38 विघा 17 विसवा है तथा जो गांव  
ठुलीवाल, तहसील बरनाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बरनाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 6/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बखत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या नससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6-486 GI/79

(1) सर्वश्री राम सिंह, सुखदेव सिंह पुत्र श्री नरंजन सिंह पुत्र  
बखतौर सिंह लच्छमन सिंह पुत्र नरंजन सिंह पुत्र  
बखतौर सिंह वासी गांव ठुलीवाल तहसील बरनाला।  
(अन्तरक)

(2) सर्वश्री जसवन्त सिंह, जोरा सिंह पुत्र श्री ईशर  
सिंह पुत्र रत्ना सिंह वासी खान पुर (बरनाला)  
भूपिन्दर सिंह, तारा सिंह, हरजीत सिंह पुत्र अजमेल  
सिंह पुत्र दलीप सिंह वासी बिलगा तहसील लुधियाना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 38 विघा 17 विसवा है और जो गांव  
ठुलीवाल, तहसील बरनाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बरनाला के  
कार्यालय के विलेख संख्या 3701 जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी, 1980।

मोहर:

प्रकृष आर्ई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

निदेश सं० संगरूर/65/79-80:—अतः मुझे, सुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि 4 बिघा पक्का है तथा जो गांव अकोई साहिब,  
तहसील संगरूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 6/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पश्चात् प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिक्रिय निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाखिले में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अयोग्यता के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राम दास पुत्र श्री कुन्दन लाल वासी गांव अकोई  
साहिब, तहसील संगरूर।

(अन्तरक)

(2) श्री भागर सिंह पुत्र श्री गुरदियाल सिंह वासी बंगावाली,  
तहसील संगरूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के  
पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- तब प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा पक्का है और जो गांव अकोई  
साहिब, तहसील संगरूर में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, संगरूर के कार्यालय  
के विलेख संख्या 1195, जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी, 1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

1. श्री राम दास पुत्र श्री कुन्दन लाल  
वासी अकोई साहब तहसील संगरूर।

(अंतरक)

2. श्री बलवीर सिंह पुत्र श्री गुरदियाल सिंह  
वासी बंगावाली, तहसील संगरूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### धनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 बिघ है और जो गांव अकोई साहब  
तहसील संगरूर में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी संगरूर के  
कार्यालय के विलेख संख्या 1194 जून 1979 में दर्ज है)।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधिर्य में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 15-2-1980

मोहर :

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी;  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, लुधियाना

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० संग०/61/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 3 बिघा पक्का है तथा जो गांव अकोई साहब तहसील संगरूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम दास पुत्र श्री कुन्वन लाल  
वासी अकोई साहब, तहसील संगरूर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रघवीर कौर पत्नी श्री ?  
वासी गांव अकोई साहब, तहसील संगरूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 बिघा है जो गांव अकोई साहब, तहसील संगरूर में स्थित है।

(जायेदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, संगरूर के कार्यालय के विलेख संकल्प 1191 जून, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 फरवरी 1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० संग०/63/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 5 बिघा पक्का है तथा जो गांव अकोई साहब  
तहसील संगरूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 6/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राम बास पुत्र श्री कुन्दन लाल  
बासी गांव अकोई साहब, तहसील संगरूर।

(अन्तरक)

2. श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री करतार सिंह  
बासी बंगावाली, तहसील संगरूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा पक्का है और जो गांव अकोई  
साहब, तहसील संगरूर में स्थित है।

(जायेदाब जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, संगरूर के  
कार्यालय के विलेख संख्या 1193, जून, 1979 में दर्ज है)

तारीख :

(सुखदेव चन्द)

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15 फरवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आर्डी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन क्षेत्र, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० सुनाम/21/79-80—अतः मुझे; सुखदेव चन्द  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि 59 कनाल 17 मरले है तथा जो गांव छगला  
तहसील सुनाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सुनाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्त-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री रण सिंह, सुरजीत सिंह पुत्र मुकन्द सिंह  
वासी गांव छगला, तहसील सुनाम ।

(अन्तरक)

2. सर्व श्री मेजर सिंह पुत्र गुरदेव सिंह,  
करनैल सिंह, जरनैल सिंह गुरभज सिंह पुत्र सुरजीत सिंह  
वासी गांव छगला, तहसील सुनाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिखाया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 59 कनाल 17 मरले है और जो गांव  
छगला तहसील सुनाम, में स्थित है ।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सुनाम के कार्यालय  
के विलेख संख्या 1455, जून, 1979 में वर्ण है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

निदेश सं० पटि०/180/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट है तथा जो बडूंगर, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से पूर्व किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के असीन धार देने के अन्तरक के बाविरव से कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गमदूर कौर पत्नी श्री दलीप सिंह वासी पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री सावन राम पुत्र श्री वीर भन्त, श्री मंगल खन्त, जीवन खन्त मारफत मैसर्स मेश राज पवन कुमार, करयाना डीलर, अजीत नगर, पटियाला।

व

रामेश कुमार, बलवन्त राय पुत्र श्री बिज लाल अकलाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45-दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 36 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूचो

प्लॉट जो बडूंगर में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2319, जून 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-2-1980.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० चण्डी०/71/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान नं० 3258 र तथा जो संक्टर 35-डी०  
चण्डीगढ़ में स्थित र (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित र), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण न, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रनधीर सिंह पुत्र नौरंग सिंह  
वासी मोहल्ला आहलूवालीया गांव बाबू  
जिला पटियाला ।

(अन्तरक)

2. श्री ईश्वर सिंह बतरा पुत्र कुलवीर सिंह बतरा,  
मकान नं० 3258, संक्टर 35-डी०,  
चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त समाप्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 3258 संक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित  
है, (जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के संख्या  
नं० 389 जून, 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

(सहायक आयकर आयुक्त), (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लुधियाना ।

तारीख : 15 फरवरी, 1980 ।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

सं० चण्डी०/77/79-80—अतः मझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3449 है तथा जो सैक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रेम सिंह पुत्र श्री ईश्वर सिंह  
वासी गांव साहौरा, तहसील खरड़,  
जिला रोपड़,  
राही श्री पंजाब सिंह पुत्र बन्ता सिंह  
गांव बोहल, जिला रोपड़।

(प्रन्तरक)

2. श्रीमती अमरीक कौर पत्नी श्री पंजाब सिंह  
मकान नं० 3449 सैक्टर 35-डी०,  
चण्डीगढ़।

(प्रन्तरिती)

3. हंस राज मकान नं० 3449  
सैक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करती हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रमोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3449 जोकि सैक्टर 33-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के संख्या नं० 409 जून, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी, 1980

मोहर :

रूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

सं० पीटीए०/165/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० पलाट नारुला कालोनी में है तथा जो पास पंजाबी  
बाग और गर्वमन्ट कालेज आफ अग्निकेव, पटियाला में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून,  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
बहुपक्ष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी या सब उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देन के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय धारण अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, का धारा 269-ब क  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब  
की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री जसवंत सिंह पुत्र आत्मा सिंह  
वासी शेरवाला गेट, घास मंडी, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री दारिन्दर सिंह पुत्र उदम सिंह  
नारुला कालोनी, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियाँ करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
को भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी धर्म्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-  
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पलाट जो के नारुला कालोनी पास पंजाबी बाग, पटियाला,  
में स्थित है (जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय  
के संख्या नं० 2094 जून, 1979) में दर्ज है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-2-1980।

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

सं० चन्डी०/92/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है, और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2320 है तथा जो सैक्टर 35-सी०, चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा, (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. कैप्टन गंगा धर तानेजा पुत्र श्री मन्गू राम वासी 59/2-बी०, चन्द्र नगर, आलम बाग, लखनऊ।  
राहीं श्री परवीन कुमार चावला पुत्र श्री आनन्द प्रकाश चावला, मकान नं० 2387/35-सी०, चंडीगढ़। (अन्तरक)
2. श्री सुरीन्दर कुमार चावला पुत्र श्री ए० पी० चावला, मकान नं० 2387, सैक्टर 35-सी०, चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

बख्शीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2320 जो कि सैक्टर 35-सी चंडीगढ़ में स्थित है (जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के संख्या नं० 490 जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० राज०/94/79-80—प्रतः मुझे सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 56 बिग्रे 15 बिस्वे में है तथा जो कानमसन कला, राजपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

धनः धर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चरनजीत लाल पुत्र श्री मेला राम पुत्र श्री अर्जन दास, वासी गोबिन्द कालोनी, राजपुरा टाउनशिप।  
(अन्तरक)

2. श्री जरनैल सिंह, जैमल सिंह पुत्रान श्री तारा सिंह, सपूत श्री कुराहाल सिंह, गांव डन्कान्सू कलमा, तहसील राजपुरा जिला पटियाला  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हराद्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 56-बी०—15-बी० जो कि डकान्सू कला राजपुरा में स्थित है (जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता राजपुरा के कार्यालय के संख्या नं० 1611 जुलाई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15-2-1980  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

सं० चन्डी/83/79-80—अत० मुझे मुखदेव चन्द  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 56, साइट नं० 172 है तथा जो  
सेक्टर 11-ए०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाधित्व में कमी करने या उससे भ्रष्टाचार में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों संबंधित :—

1. श्री नरिन्दर सिंह पुत्र श्री कृष्ण सिंह.

श्रीमती अजिन्दर कौर पत्नी श्री नरिन्दर सिंह

वाही मकान नं० 2118, सेक्टर 15,

चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. श्री बी० एस० बेदी पुत्र डा० के० एस० बेदी,

श्रीमती मोहिनी बदी पत्नी श्री बी० एस० बेदी,

वाही 503, सेक्टर 18-बी०, चण्डीगढ़ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्रकरण 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 56, साइट नं० 172, सेक्टर 11-ए०, चण्डीगढ़  
(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के  
कार्यालय के विलेख संख्या 438, जून, 1979 में दर्ज है) ।

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, लुधियाना

दिनांक : 15 फरवरी 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० एसएमएन/18/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 71 कनाल 4 मरले है तथा जो गांव बहमना  
तहसील समाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
समाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन. तारीख 6/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री विगन सिंह  
वासी बहमना तहसील समाना ।

(अन्तरक)

2. श्री दलीप सिंह पुत्र श्री आराम सिंह वासी  
वासो गांव हाजीपुर, तहसील समाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 71 कनाल 4 मरले है और जो गांव  
बहमना तहसील समाना में स्थित है ।

(जायेबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी समाना के कार्या  
कार्यालय के विलेख संख्या 318, जून 1979 में दर्ज हैं)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-2-1980 ।

मोहर :

शक्य आई. टी. एन. एस.—

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

सं० बी-आरएन/40/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द  
पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए में अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 8 कनाल 7 मरले है तथा जो गांव बरनाला,  
तहसील बरनाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बरनाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 6/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान अधिकार का पम्बह प्रतिफल  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में मूर्खता के बिना;  
और/या

(ख) ऐसा कि तो पाया गया कि या अन्य व्यक्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्खता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जोरा सिंह पुत्र श्री बूधा सिंह पुत्र श्री मताव सिंह  
वासी गांव बरनाला, तहसील बरनाला। (अन्तरक)
2. सर्वश्री भगवान दाम, प्रेम चन्द, बलदेव कुण्ड, भीम सैन  
पुत्र श्री हरबन्स लाल पुत्र श्री बीर चन्द,  
साधूराम, सुरिन्दर कुमार, प्रेम चन्द पुत्र श्री मोती राम  
पुत्र श्री राम रत्न वासी गांव बरनाला,  
तहसील बरनाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करत पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होगी है, के मान्य पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा यथादृष्टान्तरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
उही अर्थ प्राप्ता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 कनाल 7 मरले है और जो गांव  
बरनाला, तहसील बरनाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बरनाला के  
कार्यालय के विलेख संख्या 3665, जून, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-2-1980।

मोहर :

प्रारूप धाई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

सं० लुधि०/174/79-80—प्रतः मुझे सुखदेव चन्द,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 31-ए, 1000 वर्ग गज है तथा जो  
इंडस्ट्रियल एरिया, ए०, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपायुक्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 6/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती विमला कपूर पत्नी मुकन्द लाल कपूर मारफत  
मैसर्स राज ब्रदर्स, रमन मारफत,  
लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नरिन्दर कौर पत्नी श्री चरनजीत सिंह

पुत्र श्री गुरबक्स सिंह

बासां बी० 9106, मोचपुरा, लुधियाना।

श्री प्रमिन्दर सिंह पुत्र श्री खजान सिंह

पुत्र श्री भगवान सिंह

मारफत मैसर्स नैशनल मशीन टूलज,

नैशनल रोड, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उससे अधिक व्यक्तियों पर सूचना  
को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 31-ए, जिसका क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज है और  
जो इंडस्ट्रियल एरिया "ए०" लुधियाना में स्थित है।

(जायेबाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना  
के कार्यालय के विसेख संख्या 1583, जून, 1979 में दर्ज है)।

(सुखदेव चन्द)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-2-1980।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1980

स० एसएनजी/66/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि 3 बिघा है तथा जो गांव अकोई साहिब,  
तहसील संगरूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
संगरूर, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 6/79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-486GI/79

1. श्री राम दास पुत्र श्री कुन्वत लाल  
वासी अकोई साहिब, तहसील संगरूर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लाभ कौर पत्नी श्री प्रीतम सिंह  
वासी बदरुखान, तहसील संगरूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करत हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 बिघा है और जो गांव अकोई  
साहिब, तहसील संगरूर में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी संगरूर के कार्यालय  
के विलेख सख्या 1202 जून 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षीय सहायक आयकर (आयुक्त)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15-2-1980।

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० एसएनजी/70/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 4 बिघा पक्का है तथा जो गांव अकोई  
साहिब तहसील संगरूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
संगरूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 6/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि पचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाह्य-  
विक्रय से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के प्रारम्भ के बाधित में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धन्य जास्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा  
(1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम दास पुत्र श्री कुन्दन लाल  
वासी अकोई साहिब तहसील संगरूर।
2. श्री अजैब सिंह पुत्र श्री गुरदियाल सिंह  
वासी बंगावाली तहसील संगरूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषोद्घातकी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा है और जो गांव अकोई  
साहिब, तहसील संगरूर में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी संगरूर के  
कार्यालय के विलेख संख्या 1206 जून 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-8-1980।

मोहर :

## प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० एसएनजी/69/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यद विवक्षित करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 3 बिघा पक्का है तथा जो गांव अकोई साहिब,  
तहसील संगरूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
संगरूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 6/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए पंजीकृत की गई है और मुझे यह विवक्षित करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चदश  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और पन्नागिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 57) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम दास पुत्र श्री कुन्दन लाल  
वासी अकोई साहिब, तहसील संगरूर।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती चान्द कौर पत्नी श्री रघवीर सिंह  
वासी बंगावाली तहसील संगरूर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया हुआ है।

## अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 बिघा (पक्का) है और जो गांव  
अकोई साहिब, तहसील संगरूर में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी संगरूर के  
कार्यालय के विलेख संख्या 1205 जून 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-2-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

सं० बीआरएन/31/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 46 कनाल 8 मरले है तथा जो गांव नैनेवाला, तहसील बरनाला में स्थित है (और इससे उपाय अन्वेषण में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरनाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6/79 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री जोगिन्दर सिंह, मोहिन्दर सिंह पुत्र हरबक्ष सिंह पुत्र नन्द सिंह श्रीमती बीरइन्दर कौर विधवा श्री जसबन्त सिंह पावर आफ अटारनी श्री अमर सिंह पुत्र पूरन सिंह बनाम समपूरन सिंह पुत्र श्री नन्द सिंह गांव नैनेवाला तहसील बरनाला। (अन्तरक)
2. सर्वश्री लाल सिंह, बाबू सिंह, बलौर सिंह, निमल सिंह पुत्र श्री करतार सिंह पुत्र श्री बसंत सिंह वासी नैनेवाला, तहसील बरनाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 46 कनाल 8 मरले है और जो गांव नैनेवाला, तहसील बरनाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बरनाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2881, जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्व

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15-2-1980।

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एल०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना  
लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

निर्देश सं० लुधि०/199/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी 31 K है तथा जो सराभा नगर लुधियाना  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जून 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविरव में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधिन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राजिन्द्र सिंह पुत्र श्री पिशौरा सिंह  
वासी ब्रुज हकीम (लुधियाना)  
(अन्तरक)
2. श्रीमती राजिन्द्र कौर पत्नी श्री हरपाल सिंह  
गांव ब्रुज हकीम (लुधियाना)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/3 भाग प्लॉट न० 31-के०, सराभा नगर लुधियाना  
266-2/3 वर्ग गज  
जायदाद जमा कि रजिस्ट्रीकर्ता लुधियाना के विलेख न०  
1748 जन, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 15-2-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

निर्देश सं० लुधि०/163/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिनकी सं० 40-के, है तथा जो सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जन 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति राजिन्द्र कौर पत्नी श्री हरपाल सिंह  
गांव बुरज हकीमां (जगराओं) (अन्तरक)
2. बाबा सिंह रंधावा पुत्र प्यारा सिंह रंधावा  
गांव रंधावा (फिल्लौर)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/3 भाग प्लॉट नं० 40-के०—266-2/3 वर्ग गज सराभा नगर लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख नं० 1510 जून, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-2-1980।

मोहर :

प्रारूप धार्मिक टी० एन० एस०-----

प्रायस्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी, 1979

सं० लुधि०/164/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 40-के० है तथा जो सराभा नगर, लुधियाना  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वांछित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री राजिन्द्र सिंह पुत्र सं० पिशीरा सिंह  
बासी बुरज हकीमा (जगराओं)। (अन्तरक)
2. श्री बाबा सिंह रंधावा पुत्र सं० प्यारा सिंह रंधावा  
बासी रंधावा (फिल्लौर)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

2/5 भाग 40-के०, सराभा नगर लुधियाना, 566-2/3  
वर्ग गज।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के विलेख नं०  
1511, जून 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-2-1980।  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 फरवरी 1980

निदेश सं० लुधि०/202/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० तीन दुकानें व मकान है तथा जो 428-आर०, माडल टाऊन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती प्रकाश बती पत्नी श्री इन्दरजीत सिंह  
मारफत मैसर्स एवरैस्ट कलाश मिश्र,  
जो० टी० रोड, गाजीयाबाद (यू० पी०) (अन्तरक)

2. श्रीमति इन्दर कौर पुत्री श्री ज्ञान सिंह  
562, माडल टाऊन, लुधियाना।  
(अन्तरिती)

3. (1) श्री कृष्ण लाल  
(2) श्री आशाकार सिंह  
(3) श्री राम लाल शर्मा  
मार्फत 428-आर०, माडल टाऊन,  
लुधियाना।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन दुकानें व मकान 428-आर०, माडल टाऊन, लुधियाना।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1777, जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-2-1980।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

सं० खप्पा/20/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इन्के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० जमीन 1 कनाल 13 मरले है तथा जो  
खप्पा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खप्पा में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—486GI/79

1. श्री करतार सिंह पुत्र नन्द सिंह पुत्र जेठा सिंह  
नजदीक मोहल्ला काली रौना, खप्पा ।

(अन्तरक)

2. श्री वासुदेव सुरजीत कुमार

मार्फत गोल्ड लिंक रेडियो कार्पोरेशन,

जी० टी० रोड, खप्पा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

प्लॉट 1 कनाल 13 मरला खप्पा ।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खप्पा के विलेख  
नं० 592 जून, 1979 में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 फरवरी, 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निर्देश सं० नाभा/91/79-80--अतः मुझे, मुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट, 2 कनाल 3 मरसे (1485 वर्ग गज) है तथा जो नाभा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6/79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये ठप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धोरण

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री हीरा लाल पुत्र श्री हरबन्स लाल वासी (नै धारा) लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्रीमती स्वीती रानी पत्नी श्री वीरबल धाम पुत्र माधी राम वासी धाम मण्डी नाभा।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अनुयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अनुयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 3 मरसे (1485 वर्ग गज) है और जो नाभा में स्थित है।

(जोपेक्ष है कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के कार्यालय के फिलेख संख्या 983, जून 1979 में दर्ज है।)

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980।

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं० शिमला/19/79-80—प्रतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 4, 1665 वर्ग गज है तथा जो स्टेशन वार्ड, बड़ा शिमला, शिमला में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अक्षरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐम अक्षरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अक्षरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अक्षरण से हुई किसी आय को बाधित उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रजाति:-

1. श्रीमती डी० कृष्णा परनी श्री प्रकाश कृष्ण 24-ए०, निजामुद्दीन, बैस्ट, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमति नरिन्दर कौर विधवा श्री अजीत सिंह

व सवरण सिंह, लै० हरप्रीत सिंह पुत्र श्री अजीत सिंह वासी सुन्दर भवन, टूटू, तहसील व जिला शिमला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रसिद्धताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रत्योकरण :—इसमें उक्त गद्दों पोर वसों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 4 जिसका क्षेत्रफल 1665 वर्ग गज है और स्टेशन वार्ड, बड़ा शिमला, शिमला में स्थित है।

(जायदेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शिमला के कार्यालय के विलेख संख्या 339, जून, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० चण्डी०/121/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिनकी सं० प्लॉट नं० 1252 है तथा जो सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री वेद प्रकाश ग्रहूजा पुत्र श्री जीवन मल ग्रहूजा  
वासी शरका भान ट्रस्ट, आर्य नगर,  
ज्वालापुरा, जिला सहरनपुर।

(अन्तरक)

2. श्री शमशेर सिंह शुक्ला पुत्र श्री पूरन चन्द  
वासी मकान नं० 2099, सेक्टर 27-डी०,  
चण्डीगढ़।

3. गवर्नर ऑफ हरियाणा द्वारा  
डिप्टी सैक्रेटरी  
चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोदस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1252, सेक्टर 33-सी, चण्डीगढ़

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय, के विलेख संख्या 659 जुलाई 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19-2-80

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

सं० सरहिन्द/72/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिनकी सं० भूमि का प्लॉट नं० 4-6 विघा है, तथा जो गांव अजनाली तहसील सरहिन्द में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिब्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हरनाम कौर विधवा मेजर जनरल जमवन्त सिंह द्वारा जनरल अटारनी श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री हरदियाल सिंह गांव अजनाली तहसील सरहिन्द जिला पटियाला। (अन्तरक)
2. मैसर्स रैहल इंडस्ट्रीयल कार्पोरेशन, जी०टी० रोड, मण्डी गोविन्दगढ़, द्वारा सर्वश्री हरमेश सिंह, गुरदीप सिंह, गुरदेव सिंह पुत्र श्री श्री राम, मण्डी गोविन्दगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिनका क्षेत्रफल 4-6 विघा है और जो गांव अजनाली तहसील सरहिन्द में स्थित है।

(जयदेव जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरहिन्द के कार्यालय के बिलेख संख्या 947, जून, 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980

मोहर :

प्राख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० चण्डी०/82/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पलाट नं० 3119, है तथा जो सैक्टर 32-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेजर जनरल के० के० तवारी, ए० वी० एस० एस० (रिटायर्ड) पुत्र डा० सी० डी० तवारी, मारफत बरगेडियर हरचन्द सिंह मकान नं० 1369, सैक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़ द्वारा जनरल अटारनी मेजर ओंकार नारायण सिंह पुत्र श्री हरनारायण सिंह वासी 1357-सैक्टर 34-सी०, चण्डीगढ़ । (अन्तरक)

2. श्रीमति जसिन्दर कौर पुत्री श्री मोहिन्दर सिंह पत्नी श्री (मेजर) ओंकार नारायण सिंह वासी मकान नं० 460, सैक्टर 37-ए, चण्डीगढ़ । (अन्तरिती)

3. 1. श्री के० के० तवारी (मेजर जनरल)

2. श्रीमति जसिन्दर कौर पत्नी मेजर ओंकार नारायण सिंह

मकान नं० 460, सैक्टर 37-ए, चण्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पलाट नं० 3119, सैक्टर 32-डी०, चण्डीगढ़ ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० 421, जून, 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 19-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को द्वारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० चण्डी०/70/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3119 है तथा जो सैक्टर 32-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रसरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रसरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेजर जनरल के० के० तवारी, ए० बी० एस० एम० (रटार्डरड),  
पुत्र डा० सी० डी० तवारी,  
मारफत बरगेडियर हरचन्द सिंह  
मकान नं० 1369, सैक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़,  
द्वारा स्पेशल अटारनी मेजर श्रीकार नरायण सिंह  
पुत्र श्री हरनरायण सिंह  
वासी मकान नं० 1357, सैक्टर 34 सी०, चण्डीगढ़।  
(अन्तरक)
2. श्रीमति जसिन्दर कौर पुत्री श्री मोहिन्दर सिंह  
पत्नी श्री (मेजर) श्रीकार नरायण सिंह  
वासी मकान नं० 460, सैक्टर 37-ए०, चण्डीगढ़।  
(अन्तरिती)
3. श्री के० के० तवारी (मेजर जनरल)  
मकान नं० 3119, सैक्टर 32-डी०, चण्डीगढ़।  
श्रीमति जसिन्दर कौर पत्नी मेजर श्रीकार नरायण सिंह  
मकान नं० 460, सैक्टर 37-ए०, चण्डीगढ़।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3119 सैक्टर 32-डी०, चण्डीगढ़।

(जायेदाद जमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 385 जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19-2-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० लुधि०/180/79-80—अतः मुझे, मुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर-संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी०-1/440 (नया) है तथा जो पुराना नं० बी०-I/264 बिन्दाबन रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मनोहर लाल पुत्र किशोरी लाल  
बाग नौहरिया मल जैन,  
लुधियाना ।

(अन्तरिती)

2. बाल कृष्ण पुत्र मन्त लाल पुत्र नन्द लाल  
बी०-IV, /1355-56, मिमरा मोहल्ला,  
लुधियाना ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सकान नं० बी०-I/440 (बी०-I/264) बिन्दाबन रोड,  
लुधियाना ।

(जागरूक जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विसेख नं० 1628 जून, 1979 में दर्ज है) ।

मुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19-2-1980

मोहर :

प्रकाश नं० डी० एन० २६०—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज सुधियाना

सुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एलडीएच/200/79—80—अतः मुझे सुखदेव  
चन्द

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० के अधिक है

और जिसकी सं० बी-II-1695 है तथा जो पुरानी सखी मन्डी सुधियाना में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत है अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब उत्पन्न नया प्रतिफल, किम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित है यथावधि रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हुई किसी भाग की दृश्यमान उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के समित्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिने; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य धातुओं को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोवर्तक अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के बिने;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत्  
10—486GI/79

1. महिन्द्र सिंह पुत्र करम चन्द पुत्र हरी सिंह गांव गहौर  
(बधुहा) जिला होशियारपुर (घंटरक)

2. श्री संत प्रकाश पुत्र साई दास पाफत गनेस साईनाथ  
बास 173, बंगलोर रोड, बीसरी (करनाटका) (घंटरकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रारोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किसी व्यक्ति द्वारा, यथावत् स्थावर के साथ लिखित में किसे या कबसे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सूचना नं० बी-II/1695, पुरानी सखी मन्डी सुधियाना।

(जायबादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता सुधियाना के बिलेख नं० 1754 जून 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
घर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख 19 फरवरी, 1980।  
बीहूरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० ए०एम०एल०/44/79-80—प्रतः मुझे सुख-  
देव चन्द

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सश्रम राधिलारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० खेती के लिये जमीन 10 ब 15 ब  
है तथा जो गांव जमरा सब तहसील भमलोह में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भमलोह में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन जून,  
1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
वक्षेप से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—

1. श्री बया राम पुत्र शयाना गांव नसराली, सब तह-  
सील भमलोह जिला पटियाला (अन्तरक)

2. सु/श्री नखतर सिंह, करनैल सिंह, पुत्र श्री बाबू सिंह  
सु/श्री राजिन्द्र सिंह, निर्मल सिंह पुत्र सुरजीत सिंह सु/श्री  
बलबिन्द सिंह, गुरदीप सिंह पुत्र मलकियत सिंह गांव कुक्कड़  
बाजरा सब तहसील भमलोह जिला पटियाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती वाली जमीन जो के 10 ब 15 ब गांव जसवा भी  
स्थित है। (जायदादा जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी  
भमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 488 जून, 1979 में  
बर्ण है।

सुखदेव चन्द  
सश्रम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 19 फरवरी, 1980।

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एम०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निवेश सं० एसएमएन/17/79-80—अतः मुझे सुब-  
देव चन्द

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खेतीबाड़ी वाली जमीन 100 कनाल 17  
परसल है तथा जो बाहामना तहसील समाना में स्थित है (और  
इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय समाना में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जून, 1979

को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप को भारत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;  
और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत :—

1. श्रीमति जस कौर व मान कौर पुत्री श्री सुन्दर सिंह  
गांव, बाहामना, तहसील, समाना । (अन्तरक)

2. श्री अमर सिंह पुत्र सरजन सिंह गांव बाहामना,  
तहसील समाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, जो तहसीलधारी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खेतीबाड़ी वाली जमीन 100 कनाल 17 परसल जो  
के गांव बाहामना तहसील समाना में स्थित है (जो के  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी समाना के कार्यालय के बिलेख नं०  
30 4 जून 1979 में दर्ज है।

सुबदेव चन्द,  
सशम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं० पीटीए/196/79-80—अतः मुझे सुख-  
देव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 146-सी है तथा जो माडल  
टाऊन, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
राशिय में कमी करने या बसने बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी जन या अन्य प्राप्ति को  
जिम्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकीर्तः—

1. श्रीमति पूरना देवी पत्नी सूरज भान बासी मोहला  
नाम्न भल पटियाला । (अन्तरक)

2. श्रीमति राज देवी पत्नी श्री मदनलाल भला मोहला  
नाम्न भल पटियाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 146-जो के माडल टाऊन पटियाला में स्थित  
है (जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अपकारी पटियाला के कार्यालय के  
विलेज संख्या नं० 2545 जून 1979 में वर्ज है।)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख 19 फरवरी, 1980 ।

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्चन रॉय, बुधियाणा

बुधियाणा, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं० एनबीए/105/79-80—प्रतः मुझे सुखदेव  
बन्धआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सनाम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक हैऔर जिसकी सं० खेतीबाड़ी वाली जमीन 23 बीघे 14 बिससे  
है तथा जो गांव आगेता तहसील नाभा में स्थित है (और  
इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरि (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कचिन नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उल्टे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए ।, छिपाने में सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. श्री निरभैह सिंह और श्री चरनजीत सिंह पुत्र श्री  
हरनेक सिंह, गांव आगेता तहसील नाभा (अन्तरक)2. श्री भगवन्त सिंह, गुलजार सिंह, गुरमीत सिंह और  
कुलवन्त सिंह पुत्र श्री चन्दा सिंह गांव आगेता तहसील नाभा  
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेतीबाड़ी वाली जमीन 23 बीघा 14 बिससा जो कि गांव  
आगेता में स्थित है। (जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के कार्या-  
लय के विलेख संख्या नं० 1063 जून 1979 में दर्ज है)।सुखदेव बन्ध  
सहाय्य अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्चन रॉय, बुधियाणा

तारीख : 19 फरवरी, 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश स० एसआरडी/94/79-80—अतः मुझे, मुख्यालय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० भूमि 24 कनाल है तथा जो गांव बराहमन माजरा, तहसील सरहिन्द में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सरहिन्द में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धार्यातः :—

1. श्री करतार सिंह पुत्र श्री बया सिंह, बासी गांव बेली, तहसील सरहिन्द (पटियाला) (अन्तरक)

2. श्री प्रेम सिंह पुत्र श्री किशन सिंह गांव संगतपुर, तहसील सरहिन्द, श्री प्रीतपाल सिंह पुत्र श्री गुरदेव सिंह बासी गांव बारा ब श्री बलदेव सिंह पुत्र बानी सिंह गांव बेली तहसील सरहिन्द (पटियाला)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा असोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धार्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस धार्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 24 कनाल है और जो गांव बाराहमन माजरा तहसील सरहिन्द में स्थित है।

(जायेगा कि जैसा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरहिन्द के कार्यालय के विनियम संख्या 1236 जून 1979 में वर्णित है।)

मुख्यालय  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19-2-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निवेदन सं० एसवीएच/191/79-80—प्रतः मुझे सुब-  
देव चम्प

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सज्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० जायेदाद न० बी-8-S-1/9 है तथा जो  
गोकल रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों संबंधित —

1. श्री हरी गोपाल पुत्र श्री बाबू मल पुत्र श्री गनेशा  
मल बी-8-612 कुच्चा बैनी राम, सिवाला शगला वाला,  
लुधियाना (अन्तरक)

2. श्री राम चन्द पुत्र श्री जमना दास मकान न० बी-  
2-257 मोहल्ला करीम, पुरा लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यतापूर्वक  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जायेदाद न० बी०-8-6-1/9 गोकल रोड, लुधियाना।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के  
कार्यालय के विलेख संख्या 1704 जून, 1979 में दर्ज है।

सुबदेव चम्प  
सज्जम प्राधिकारी  
सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, लुधियाना

तारीख : 19-2-1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निवेदन सं० एमकेएल/25/79—80—अतः मुझे सुबोध

पत्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 25 बीघा है तथा जो गांव झूल तहसील मलेरकोटला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलेरकोटला में 'रजिस्ट्रीकरण अधिनियम' 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-अनु-ब में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातुः—

1. श्री मेहर सिंह पुत्र श्री लखमन सिंह बासी गांव झूल, तहसील मलेरकोटला (अन्तरक)

2. सर्वश्री जीत सिंह, गुरभीत सिंह, दर्शन सिंह पुत्र श्री अमर सिंह बासी गांव झूल, तहसील मलेरकोटला।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 25 बीघा है जो गांव झूल, तहसील मलेरकोटला में स्थित है।

(जायेदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मलेरकोटला के कार्यालय के विशेष संख्या 1769 जून, 1979 में दर्ज है)

सुबोध पत्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, लुधियाना

तारीख 18-2-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं० बीआरएन/48/79-80—अतः मुझे सुख-  
देव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 38 बीघा 17 बिसवा है तथा जो  
गांव ठोलीवाल तहसील बरनाला में स्थित है (और इससे उप-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय बरनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11-486 GI/79

1. सर्वश्री नरंजन सिंह पुत्र व श्रीमति निहाल कौर विधवा  
श्री बख्तौर सिंह पुत्र श्री बजीर सिंह, श्री लच्छमन सिंह पुत्र  
श्री नरंजन सिंह पुत्र बख्तौर सिंह गांव ठोलीवाल, तहसील  
बरनाला । (अन्तरक)

2. सर्वश्री भूपिन्दर सिंह, तारा सिंह, हरजीत सिंह पुत्र  
अजमेल सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह वासी बिलगा, तहसील  
लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाकोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 38 बीघा 17 बिसवा है और जो  
गांव ठोलीवाल, तहसील बरनाला में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बरनाला  
के विलेख संख्या 3703, जून, 1979 में वर्णित है ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19-2-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निर्देश सं० आरकेटी/3/79-80—अतः मुझे सुखदेव  
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के प्रतीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि 63 कनाल है तथा जो अतीयाना,  
सब-तहसील रायकोट जिला लुधियाना में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय रायकोट में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून,  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री जोरा सिंह, जीत सिंह पुत्र श्री किशन सिंह  
वासी हजवारा, सब-तहसील रायकोट, जिला लुधियाना।  
(अन्तरक)

2. सर्वश्री जतिन्दर सिंह, चरणजीतसिंह, धर्मजीत सिंह  
पुत्र श्री सुखदेव सिंह वासी गांव अतीयाना, सब-तहसील राय-  
कोट, जिला लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 63 कनाल है और जो गांव  
अतीयाना, सब-तहसील रायकोट, जिला लुधियाना में स्थित  
है।

(जायेदाद जैसा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रायकोट के  
कार्यालय के विलेख संख्या 271, जून, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 19-2-1980।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं एसडीएच/भार/98/79-80—अतः मुझे

सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 70 कनाल 15 मरले है तथा जो गांव घमईत, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जन, 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किता राश को वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायस्व में करी करने या अपने बने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किता धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति जोगिन्दर कौर पुत्री श्री अर्जन सिंह, गांव घमईत, तहसील लुधियाना। (अन्तरक)

2. सर्वश्री बलबीर सिंह, जगन्ध पंसिह, पविल सिंह पुत्र श्री अजीत सिंह गांव घमईत, तहसील लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा दूंगा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी याक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 70 कनाल 15 मरले है और जो गांव घमईत, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1599, जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द  
सश्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 19-2-1980।  
मोहरः

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं० एलडीएच/एफ/64/79-80—मतः मुझे सुख-

देव चन्द

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 70 कनाल 15 मरले है तथा जो गांव धमईत तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह से उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के बावजूद के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचत या अन्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमति जोगिन्दर कौर पुत्री श्री अर्जन सिंह वासी गांव धमईत, तहसील लुधियाना। (अन्तरक)

2. सर्व श्री पवित्र सिंह, गुरदीप सिंह, पुत्र श्री सकन्दर सिंह, गांव धमईत, तहसील लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 70 कनाल 15 मरले है और जो गांव धमईत, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख सं० 1763, जून, 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 19-2-1980।

मोहरः



आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं० एलडीएच/आर/91/79-80—अतः

मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1962 (1962 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 44 कनाल 11 मरले है तथा जो गांव बुटारी तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार है मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरी सिंह पुत्र श्री किशन सिंह पुत्र श्री राम सिंह गांव बुटारी, तहसील लुधियाना (अन्तरक)

2. श्री नथा सिंह पुत्र श्री बृशिया सिंह वासी डुगरी, तहसील लुधियाना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 44 कनाल 11 मरले है और जो गांव बुटारी, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायेबाद जसा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2346, जून, 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 19-2-1980

मोहर:

प्रकट आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं० एलडीएच/138/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 14, 110 वर्ग गज है तथा जो भदौड़ हाउस तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (190 का 16) के अधीन तारीख जून 1979

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, नमूनेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति रजनी अरोड़ा पत्नी श्री प्रेम नाथ अरोड़ा वासी 429, माल रोड, लुधियाना (अन्तरक)

2. श्रीमति गुरमीत कौर देवल पत्नी श्री नाहर सिंह देवल श्री नाहर सिंह देवल पुत्र श्री सरबन सिंह देवल वासी बोपा राय कलां, तहसील जगराओं। (अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्विस्तारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतचौ

प्लॉट नं० 14, जिसका क्षेत्रफल 110 वर्ग गज है और जो भदौड़ हाउस, लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1349, जून, 1979 में जें है।)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख 19-2-1980  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एलडीएच/आर/79/79-80—अतः, मुझे,  
मुख्यदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 80 कनाल है तथा जो गांव गोर-  
सीघ्रां हाकम राय तहसील लुधियाना में स्थित है (और  
इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या (उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मंगल सिंह पुत्र श्री लखा सिंह, वासी गांव गोर-  
सीघ्रां हाकम राय, तहसील लुधियाना। (अन्तरक)

2. सर्वश्री बलबीर सिंह, सकतर सिंह पुत्र श्री मोहिन्दर सिंह,  
गांव रजापुर, तहसील लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 80 कनाल है और जो गांव गोर-  
सीघ्रां हाकम राय, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना  
के कार्यालय के विलेख सं० 2107, जून, 1979 में दर्ज  
है)।

मुख्यदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी 1980  
मोहर :

प्रकाशित ३० मार्च १९८०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निर्देश सं० बीआरएन/32/79-80—अतः, मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 62 कनाल 2 मरले है तथा जो गांव नाईवाला, तहसील बरनाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरनाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री तेजा सिंह पुत्र श्री अमरसिंह श्री नथा सिंह, वासी गांव कोटली कर्ना, जिता भटिडा (अन्तरक)

2. सर्वश्री अंतर सिंह, हरबन्स सिंह, दर्शन सिंह पुत्र श्री गुरदियाल सिंह, वासी गांव बरनाला, तहसील बरनाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि श्राव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 62 कनाल 2 मरले है और जो गांव नाईवाला, तहसील बरनाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बरनाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2973, जून, 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19-2-1980  
मोहर :

प्रकरण प्रार्थी टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एसआरएल/81/79-80—अतः मुझे,

सुखदेव चन्द,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 34 कनाल 17 मरले है तथा जो गांव राजेवाल, अटाला तहसील समराला, जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, समराला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया रतिकन, तत्समलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कबो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12-486GI/79

1. श्री रत्न सिंह पुत्र श्री समुन्द सिंह, वासी राजेवाल, तहसील समराला, जिला लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री हरमजन सिंह पुत्र श्री कौर सिंह बानाम् बखताबर सिंह, वासी राजेवाल, तहसील समराला, जिला लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 34 कनाल 17 मरले है और जो गांव राजेवाल, अटाला तहसील समराला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, समराला के कार्यालय के विलेख संख्या 2164 में 1979 से दर्ज है।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रंज लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं एसएमआर/67/79-80—अतः, मुझे, सुखदेव चन्द

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अग्रेषत पत्रा मात्रिहारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 34 कनाल 17 मरले है तथा जो गांव राजेवाल, अटाला तहसील समराला, जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय समराला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डित प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धारिधियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिराने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रत्न सिंह पुत्र श्री समुन्द सिंह, वासी राजेवाल, तहसील समराला, जिला लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री अजमेर सिंह पुत्र श्री कौर सिंह बनाम बखताबर सिंह, वासी गांव राजेवाल, तहसील समराला, जिला लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 34 कनाल 17 मरले है और जो गांव राजेवाल, अटाला तहसील समराला में स्थित है।)

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, समराला के कार्यालय के खिलेख संख्या 1947, जून, 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी, 1980

मोहर:

प्रथम आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एमकेएस/38/79-80—अतः, मुझे, सुखदेव

चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 31 बीघा 5 बिसबा है तथा जो गांव भोगीवाल, तहसील मल्लेरकोटला में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मल्लेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिधियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती निहाल कौर पत्नी श्री जैमल सिंह, वासी गांव भोगीवाल, तहसील मल्लेरकोटला। (अन्तरक)

2. श्री निर्मल सिंह पुत्र श्री गुरदियाल सिंह, गांव खेड़ा तहसील व जिला लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 बीघा 5 बिसबा है और जो गांव भोगीवाल, तहसील मल्लेरकोटला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मल्लेरकोटला के कार्यालय के विलेख संख्या 2188, जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना।

तारीख: 19 फरवरी 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एसएमआर/54/79-80—अतः, मुझे, सुखदेव  
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी भूमि 34 कनाल 17 मरलें है तथा जो गांव  
राजेवाल, अटाला तहसील समराला, जिला लुधियाना  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय समराला  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रत्न सिंह, पुत्र श्री समुन्द सिंह, बासी राजेवाल,  
तहसील समराला, जिला लुधियाना । (अन्तरक)

2. श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री कौर सिंह बनाम श्री बख्तावर  
सिंह, बासी राजेवाल, तहसील समराला, जिला लुधियाना ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय-20क में यथा परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 34 कनाल 17 मरलें है और  
जो गांव राजेवाल, अटाला तहसील समराला में स्थित है ।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, समराला के  
कार्यालय के विलेख संख्या 1727, जून 1979 में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980

मोहर :



प्रकृष्य आई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निर्देश सं० एमकेएल/16/79-80—अतः, मुझे,

सुखदेव चम्प,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 10 बीघा 18 बिसवा है तथा जो गांव रतोलों, सब-तहसील मलेरकोटला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत 'अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आसित्यों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चरन सिंह, टेक सिंह पुत्र श्री भान सिंह, श्री बचन सिंह पुत्र श्री बीर सिंह वासी, गांव रतोलों, तहसील मलेरकोटला। (अन्तरक)

2. सर्वश्री टैहल सिंह, सुखदेव सिंह, बीर सिंह पुत्र श्री सरवन सिंह वासी गांव मलेरकोटला, जिला संगरूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 बीघा 16 बिसवा है और जो गांव रतोलों, तहसील मलेरकोटला, जिला संगरूर में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मलेरकोटला के कार्यालय के विवेक संख्या 1653, जून, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एलडीएच/203/79-80—अतः,

मुझे मुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लेट नं० 22, है तथा जो बी-23/140, इन्स्टीट्यूट ऐरिया-ए में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्न या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किमा जाना चाट्टिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

1. सूबेदार मंगल राय पुत्र श्री कुन्दन लाल अग्रवाल, गोपलेश्वर रोड, मदन महल, जबलपुर। (अन्तरक)

2. श्रीमति सुदेश रानी पत्नी अमर नाथ, 81, न्यू माडल टाउन, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशोधन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रसूची

बिलिडिंग नं० बी-XXII /140, प्लेट नं० 22, इन्स्टीट्यूट ऐरिया-ए, लुधियाना।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना में बिलेख नं० 1783 जून, 1979 में दर्ज है।

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एसआरडी/74/79-80--प्रतः, मुझे, सुखदेव  
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 25 बीघे 4 बिस्वे है तथा जो  
गांव लटौर तहसील सरहिंद में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय सरहिंद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम सिंह, प्रेम सिंह पुत्र श्री करतार सिंह, वासी  
गांव लटौर, सरहिंद। (अन्तरक)

2. श्री नरिन्द्र सिंह व सुखविन्द सिंह पुत्र श्री जरनैल  
सिंह, वासी गांव राम पुर कनैरा, तहसील सरहिंद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 25 बीघे 4 बिस्वे, गांव लटौर, तहसील  
सरहिंद में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरहिंद के  
कार्यालय के विलेख संख्या 991, जून, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एसआरडी/109/79-80—अतः, मुझे,

सुखदेव चन्द,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें  
हमके पत्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अन्तर्गत मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि इसका सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 57 कनाल 16 मरले है तथा जो  
गांव बंडालीभाई की तहसील सरहिंद में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सरहिंद में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून,  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी वन या अन्य प्राप्ति को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्रीतम सिंह मुतवना पुत्र श्री भाग सिंह, वासी  
गांव बंडालीभाई की तहसील सरहिंद,

(अन्तरक)

2. श्रीमती रणजीत कौर पत्नी हरभजन सिंह श्री  
पृथ्वीपाल सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह आफ चन्डीगढ़ वासी  
गांव बंडालीभाई की तहसील, सरहिंद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रचलन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रचलन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 57 कनाल 16 मरले जो गांव बंडालीभाई की  
तहसील सरहिंद में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरहिंद के  
कार्यालय के जिलेख संख्या 1465, जून, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी 1980

मोहर :

**प्रकरण आई० टी० एन० एल०—**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निवेश सं० एनबीए/101/79-80—प्रतः, मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 29 बीघे 18 कित्ते है तथा जो गांव थूही तहसील नाभा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13—486GI/79

1. सर्वश्री कुलवीर सिंह, भरपूर सिंह, बलवीर सिंह, अन्त सिंह दलीप कौर माता, नौद सिंह पुत्र करतार सिंह गांव थूही तहसील नाभा। (अन्तरक)

2. श्री सुखदेव सिंह पुत्र श्री सुर्जन सिंह गांव थूही तहसील नाभा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अज्ञोत्सवधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 29 बीघे 18 कित्ते जो गांव थूही तहसील नाभा में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 1049 जून 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज लुधियाना

तारीख 19 फरवरी 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० सी०एच०डी०/107/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3068 है तथा जो सेक्टर 27-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री निरंजन सिंह पुत्र श्री चैता सिंह ग्राम चारुन, जिला रोपड़।

2. श्री एस० के० सुधाकड़ (आई० ए० एस०) पुत्र श्री दौलत राम अथवा श्रीमति मंजू सुधाकड़ पत्नी श्री एस० के० सुधाकड़, मकान नं० 716, सेक्टर 11-बी, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

3. सर्वश्री जगदीश शर्मा, समय सिंह यादव, बी० एल० छावड़ा, श्री राजकुमार सिंगला, श्री मनोहर लाल, श्री लेख राम श्री गुरदेव सिंह मकान नं० 3068, सेक्टर 27-डी, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तभील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अग्रोह्माशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3068, सेक्टर 27-डी चण्डीगढ़ (जायेदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख 556 जून, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, चिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० सी०एच० डी० 89/79-80—अतः मुझे,  
मुख्यदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है,

और जिसकी सं० एस० सी० ओ० सं० 70 है तथा जो सेक्टर  
47-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री केशोराम पुत्र/श्री लोरिन्दा राम माफन नं० 127,  
सेक्टर 15-अ, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्रीमति सुखविन्दर कौर पत्नी श्री सुरद्रपाल सिंह, वासी  
गांव सूफीपुर जिला मेरठ, (उत्तर प्रदेश)। (अन्तरिती)

3. श्री अब्दुल प्रोपरआईटर मैसर्स न्यू ग्रिड बैकरी, एस०  
सी० ओ०-70, सेक्टर 47-डी चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त समाप्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें 'व्यक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम क प्रधारा 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० ओ० नं० 70 सेक्टर 47-डी चण्डीगढ़  
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़  
में विलेख संख्या 479 जून 1979 में दर्ज है।)

मुख्यदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० सी० एच० डी० नं० 72/79-80—अत मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1380 है तथा जो सेक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एच० एस० सेखों पुत्र श्री जे० एस० सेखों, मकान सरकारिया हाउस, पटियाला द्वारा श्रीमति सत्यारानी पत्नी श्री रामचन्द मकान नं० 1380, सेक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ (अन्तरक)

2. श्री रामचन्द पुत्र श्री जीवाराम मकान नं० 1380 सेक्टर 34-सी चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

3. श्री विनोद सूद, मकान नं० 1380, सेक्टर, 34 सी चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इस प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1380 जो कि सेक्टर 34-सी चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या नं० 390 जून 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिका

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 19 फरवरी, 1980

मोहर :



प्रकरण आई० डी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निवेश सं० सी० एच० डी०/68/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 16क, 1 म०, है तथा जो 1/6 सेयर आफ 96क-7भ, ग्राम बहलां, यू० टी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रस्तावित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशन से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक 1 हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबद्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री कृपाल सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह ग्राम मानक पुर, तहसील राजपुरा, जिला पटियाला। [(अन्तरक)]
2. श्री दयाल सिंह पुत्र श्री राम प्रताप ग्राम बहलां यू० टी० चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पात्रपत्र:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जो कि 16 कनाल, एक महल्ला, ग्राम बहलां में स्थित है।

(जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 352 जून 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 19 फरवरी 1980  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/101/79-80—प्रतः मुखे,

मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० प्लॉट नं० 1707 है तथा जो प्लॉट नं० 1707, सेक्टर, 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) के अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरदास सिंह अहलूवालिया पुत्र श्री किशन सिंह द्वारा, श्रीमति सन्तोष चौपड़ा, पत्नी श्री पी० आर० चौपड़ा मकान नं० 424, सेक्टर 29-अ चण्डीगढ़ (अन्तरक)

2. श्री पी० आर० चौपड़ा पुत्र श्री डी० आर० चौपड़ा मकान नं० 424, सेक्टर 29-अ चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1707 जो सेक्टर 34-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या नं० 516, जून, 1979 में दर्ज है।)

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी 1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० सीएचडी/69/79-80—अतः मुझे, सुखदेव  
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1571 है तथा जो सेक्टर 36डी,  
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख जून, 1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरितो  
(अन्तरिवियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में  
आधिकारिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व  
में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. ले० कर्नल हरजीत सिंह गुरवाल पुत्र बिशन सिंह  
मकान नं० बी-20-833/1 ओप० गुरदेव नगर, लुधियाना  
द्वारा श्री मनीष कुमार सेनी पुत्र श्री विद्या प्रकाश सेनी  
मकान नं० 1828 सेक्टर 23-डी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री हरीन्द्रजीत सिंह कोहली पुत्र गुरणरत सिंह, मकान  
नं० 2171, सेक्टर 35सी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरों के पान  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त कब्यों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1571 सेक्टर 36-डी, चण्डीगढ़।

(जायेदादा जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के  
कार्यालय के विलेख संख्या 379 जून 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी 1980

मोहर :

प्रमाण प्रार्थी ० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० सीएचडी/94/79-80—अतः मुझे, मुखदेव

चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1628 है तथा जो सेक्टर 34डी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (190 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेजर पृथ्वीपाल सिंह घग्गी पुत्र रमजीर सिंह घग्गी, निवासी मकान नं० 453 माडल टाउन, लुधियाना द्वारा मंगल अटार्नी श्री मनीश कुमार सैनी पुत्र श्री विद्या प्रकाश सैनी मार्फत आरबीटीएम एटैलर एम० सी० ओ० नं० 8 सेक्टर 17ई, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्रीमति रजिन्द्र सैनी पत्नी श्री मनीश कुमार सैनी, वासी मकान 1828 सेक्टर 34 सी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1828 जो सेक्टर 34डी चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैना कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 494 जून, 1979 में दर्ज है।)

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/110/79-80—अतः मुझे,

मुख्यदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 2514 सैक्टर 35सी चण्डीगढ़ है तथा जो सैक्टर 35सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14-486Q1/79

1. श्री गुरसेवक सिंह सिधु पुत्र केहर सिंह द्वारा स्पैणल अटार्नी श्रीमति गुरदीप कौर पत्नी श्री रगबीर सिंह वासी मकान नं० 57 सैक्टर 5ए, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री हरबंस सिंह पुत्र श्री गंगा सिंह श्रीमति हरबंस कौर पुत्री श्री सदा राम सिंह बिमलजीन पुत्री श्री हरबंस सिंह सारे वासी हिरा कोल्ड स्टोरेज रोपड़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संमति के अर्जन क संरंध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 2514 सैक्टर 35सी चण्डीगढ़ में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 565 जून 1979 में दर्ज है।

मुख्यदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी 1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निर्देश सं० सीएचडी/104/79-80—अन: मुझे मुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी प्लट नं० 1703 है तथा जो सैक्टर 33 डी  
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. भेजर एन० एन० सहजल पुत्री श्री जानकी नाथ  
महगल वासी 50, जोधपुर होस्टल, न्यू दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री महिन्द्र कौर परती श्री कुलबन्त सिंह वासी  
3217 सैक्टर 35 डी चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लट नं० 1703 सैक्टर 33 डी चण्डीगढ़ जायदाद  
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के  
विलेख संख्या 551 जून 1979 में दर्ज है।

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी 1980

मोहर:

प्रकाश आर्द्ध टी० एच० एल०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एलडीएच/आर/106/79-80—अतः मुझे,

सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 11 कनाल है तथा जो गांव भुगियांना तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूरा रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बाग सिंह पुत्र श्री ग्यान सिंह वासी गांव भुगियांना तहसील ब जिला लुधियाना । (अन्तरक)

2. मैसर्स बी० एस० इन्स्टीज द्वारा श्री बृज गोपाल जी० टी० रोड, लुधियाना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अव्यवहारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 11 कनाल गांव भुगियांना तहसील लुधियाना ।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय विलेख संख्या 2618 जून, 1979 में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० पीटीए/113/79-80—अतः मुझे, सुखदेव  
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० खेती वाली भूमि 23 बीघे 18 बिस्वे  
है तथा जो गांव सफीदीपुर तहसील पटियाला में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विशन सिंह पुत्र श्री अनोख सिंह वासी सफीदीपुर  
तहसील पटियाला। (अन्तरक)
2. सर्वश्री गुरचरण सिंह गुरनाम सिंह पुत्र श्री काका  
सिंह गांव दूनकला तहसील पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
दिए गए किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

#### अनुसूची

खेती वाली भूमि 23 बीघे 18 बिस्वे जो गांव सफीदी-  
पुर तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला  
के कार्यालय के विलेख संख्या 1547 जून 1979 में दर्ज  
है)।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी 1980  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निवेश सं० एसआरसी/78/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 12 बीघे 5 बिस्वे है तथा जो गांव अजनाली तहसील सरहिंद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सरहिंद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री करतार सिंह पुत्र श्री मीर्हा सिंह वासी गांव अजनाली तहसील सरहिंद। (अन्तरक)

2. श्री हरदेव सिंह, बलदेव सिंह, सुखदेव सिंह व रणधीर सिंह पुत्र श्री करतार सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह वासी गांव कुकड़ माजरा तहसील अमलोह जिला पटियाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 12 बीघे 6 बिस्वे जो गांव अजनाली तहसील सरहिंद में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरहिंद के कार्यालय के विलेख संख्या 1023 जून, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी 1980  
मोहर :

प्रकृष प्राई० टी० एम० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एलडीएच/आर/108/79-80—अतः मुझे, मुख्यादेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 8 कनाल 3½ मरले है तथा जो गांव झुगियाना तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भान सिंह और भान सिंह पुत्र श्री बबूल सिंह वासी गांव झुगियाना तहसील लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री अनुपाल सिंह पुत्र सत्य प्रकाश व नरिन्द्र पुत्र श्री हंस राज वासी झुगियां श्रीमति उषा रानी पति श्री ग्यान चन्द वासी गांव झुगियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 8 कनाल 3½ मरले जो गांव झुगियाना तहसील लुधियाना में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2724 जून 1974 में दर्ज है।

मुख्यादेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980।

मोहर :

प्रकरण चार्ल्स डी० एच० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० सीएचडी/78/79-80—प्रतः मुझे, सुखदेव

चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3592 है तथा जो सैक्टर 35डी डीफेंस कालोनी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चगुण प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

1. श्री अम्बुल अजीज (बाशर मैन) पुत्र श्री बाबू खान वासी गांव व डाकखाना ठूराली चण्डीगढ़ द्वारा स्पेशल पावर आफ अटॉर्नी श्री शीतल दास पोपली पुत्र श्री चन्द्र भान वासी 2748 सैक्टर 22सी चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

2. मिसेज कृष्णा पोपली पत्नि शीतल दास पोपली वासी मकान नं० 3592 सैक्टर 35 डी चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोहनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3592 जो सैक्टर 35 डी डीफेंस कालोनी चण्डीगढ़ में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 410 जून 1979 से दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी 1980

गोहर :

प्रमाण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एस एन एम/33/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 61 कनाल 16 मरले है तथा जो गांव खंडेवाल तहसील सनाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सनाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गग प्रतिक्र, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य भास्तिवों को निम्न भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गके अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बख्तोर सिंह पुत्र बालू सिंह पुत्र श्री बीर सिंह व श्री गुजार सिंह पुत्र श्री भरूड सिंह वासी पिंजपुरा तहसील नारवाना हरियाणा खुष व जनरल अटार्नी आफ श्री साधू सिंह, रोमक सिंह गजन सिंह, शान्ती गाजकौर, शादी, हरकौर, काका सिंह, मिका सिंह, महताब कौर पंजाब कौर ऐंड जेय कौर वासी खंडेवाल वासी गांव पिंजपुरा तहसील नारवाना हरियाणा (अन्तरक)

2. सर्वश्री गुरबचन सिंह, काका, सिंह, नामक सिंह पुत्र श्री सुधा सिंह गांव खंडेवाल तहसील सनाम । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एपेंडीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 61 कनाल 16 मरले जो गांव खंडेवाल तहसील सनाम में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सनाम के कार्यालय के बिलेख संख्या 1950 जून, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी 1980।

मोहर :

प्रमाण आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एनबीए/114/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्व,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,  
और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 24 बीघे 2 बिसवे है तथा जो गांव पड़ीपनैचा तहसील नाभा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नाभा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

15-486GI/T9

1. श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री ईशर सिंह वासी गांव पड़ीपनैचा तहसील नाभा (अन्तरक)

1. सर्वश्री ठाकुर सिंह चरण सिंह पुत्र श्री मुख्त्यार सिंह गांव पड़ीपनैचा तहसील नाभा जिला पटियाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 24 बीघे 2 बिसवे जो गांव पड़ीपनैचा तहसील नाभा में स्थित है।

जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के कार्यालय बिलेख संख्या 1137 जून 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्व  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायदेव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एनबीए/100/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 11 बीघे 15 बिस्वे है तथा जो गांव थूही तहसील नाभा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य के लिए अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कुलदीप सिंह, बलबीर सिंह, भरपूर सिंह पुत्र. श्रीम विलोपकौर पत्नि श्री करतार सिंह बासी गांव थूही तहसील नाभा (अन्तरक)

2. श्रीमति सुरजीत कौर पत्नि श्री सुर्जन सिंह गांव थूही तहसील नाभा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 11 बीघे 15 बिस्वे जो गांव थूही तहसील नाभा जिला पटियाला में स्थित है।

जायदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के कार्यालय के बिलेख संख्या 1048 जून 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी 1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निवेश सं० पीटीए/175/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खेतीबाड़ी वाली भूमि 1-73-68 हैक्टर (20—21) बीघा है तथा जो गांव रायपुर तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक : दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा के 269-ग अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वसन्त सिंह सपुत्र श्री अन्नू वासी गांव रायपुर जिला पटियाला (अन्तरक)

2. सर्वश्री जागीर सिंह, महिन्दर सिंह, बलवन्त सिंह पुत्र श्री संपूर्ण सिंह वासी गांव रायपुर तहसील पटियाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेतीबाड़ी वाली भूमि क्षेत्रफल 1-73-68 (20, 21 बीघा) जो गांव रायपुर तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2244 जून 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० पीटीआर/22/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 131 कनाल 16 मरले है तथा जो गांव चंगौरा तहसील पातरां जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पातरां में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमरजीत सिंह, जगदेव सिंह, लाभ सिंह, गुरबिन्द सिंह, पुत्र श्री जोगिन्दर सिंह, देवकौर, बलदेव कौर, हरचरण कौर, हरजिन्दर कौर, पुत्रियां श्री जोगिन्दर सिंह, दलीप कौर, गुरनाम कौर विधवा श्री जोगिन्दर सिंह, नक्षेत्र कौर पुत्री श्री प्रीतम सिंह, हरनारायण सिंह, वयन्त सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह खुद व जनरल अटार्नी आफ श्रीमति पवित्र कौर, सुखपाल कौर पुत्रियां श्री प्रीतम सिंह, तेज कौर विधवा श्री प्रीतम सिंह वासी गांव चंगौरा तहसील पातरां जिला पटियाला (अन्तरिती)

2. श्री करनैल सिंह पुत्र श्री चान्द सिंह, श्रीमति तेज कौर विधवा श्री चान्द सिंह वासी गांव चंगौरा तहसील पातरां जिला पटियाला (अन्तरिती)

3. श्री करनैल सिंह पुत्र श्री चान्द सिंह वास गांव चंगौरा तहसील पातरां जिला पटियाला (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

। को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 131 कनाल 16 मरले जो गांव चंगौरा तहसील पातरां में स्थित है।

जायदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पातरां के कार्यालय के विलेख सं 797 जून 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 19 फरवरी, 1980  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निवेश सं० एएमएल/56/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसको सं० भूमि 11 बीबे 5 विस्वे है तथा जो गांव कुकड़ माजरा तहसील अमलोह जिला पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्राह प्रतिशत अधिक है और अग्राहक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नक्षत्र सिंह, हरनेक सिंह पुत्र व नक्षत्र कौर पुत्री श्रीमति महिन्द्र कौर विधवा श्री गुरदयाल सिंह वासी गांव कुकड़ माजरा मन्डी गोविन्दगढ़ तहसील अमलोह (अन्तरक)

2. श्री गुरचरण सिंह, जरनैल सिंह पुत्र श्री करोड़ा सिंह कुलवंत सिंह, बलजीत सिंह, गुरनाम सिंह पुत्र श्री गुरबचन सिंह वासी गांव कुकड़ माजरा तहसील अमलोह जिला पटियाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मेन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-अ में पचा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 11 बीबे 4 विस्वे जो गांव कुकड़ माजरा तहसील अमलोह में स्थित है।

जयदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के कार्यालय विलेख संख्या 562 जून 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी 1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एएमएल/72/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 16 बिसवे है तथा जो गांव नसराली सब तहसील अमलोह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नारुता सिंह पुत्र श्री रूलिया सिंह  
वासी गांव नसराली तहसील अमलोह (अन्तरक)
2. 1. मैसर्ज वी० पी० सटील सेल्ज मण्डी गोविन्द गढ़  
द्वारा श्री फकीर चान्द पुत्र श्री शरुता राम वासी गांव मण्डी गोविन्द गढ़।
2. श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री जगन्नाथ वासी मण्डी गोविन्द गढ़।
3. श्री रामलुभाया पुत्र श्री रखा राम मारफत पंजाब नेशनल बैंक सरहिंद।
4. श्री रमेश कुमार जैन पुत्र श्री लालचन्द जैन।
5. श्रीमति निर्मला रानी पति श्री रमेश कुमार जैन मारफत बजरां सटील रोलिंग मिल्स मण्डी गोविन्दगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 16 बिसवे जो गांव नसराली तहसील अमलोह जिला पटियाला में स्थित है।

जायदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 732 जून 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी 1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० राज/88/79—80-अतः सूक्ष्मे सुखदेव  
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस पत्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 16 बीघे 2 बिस्वे है तथा जो गांवा मौजा अजरोर तहसील राजपुरा में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री काहन सिंह पुत्र श्री गुलाब सिंह वासी मकान नं० 5501 निकलसन रोड अम्बाला कैट खुद व जनरल अटार्नी आफ श्री अत्तर सिंह व किरपाल सिंह पुत्र व पारवती व बुधवती पुत्री श्री गुलाब सिंह वासी गांवा मौजा अजरोर तहसील राजपुरा (अन्तरक)

2. श्री भाग सिंह पुत्र श्री फौजा सिंह व दयाल सिंह पुत्र श्री भाग सिंह वासी मौजा तहसील राजपुरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायंवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वबटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 16 बीघे 12 बिस्वे जो गांवा मौजा अजरोर तहसील राजपुरा में स्थित है।

जायदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजपुरा के कार्यालय के विलेख संख्या 1435 जून 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 19 फरवरी, 1980  
मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० सीएचडी/76/79-80—प्रतः मुझे सुखदेव चन्द

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० गोदाम सं० 182 है तथा जो ग्रेन मार्केट सेक्टर 26 चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुत लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तुत के दायित्व में लगी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या क्रिया धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्री कैदार नाथ शर्मा व पुत्र द्वारा (ii) श्री कैदार नाथ शर्मा पुत्र श्री मादो राम श्री विनोद कुमार (iii) श्री प्रियम सुन्दर पुत्रगण श्री केदार नाथ शर्मा वासी मकान नं० 229 सेक्टर 9 चण्डीगढ़ । (अन्तरक)

1. श्रीमति निर्मला देवी गुप्ता पति श्री वेद प्रकाश करियाना मरचेट तन्दूरा बाजार अम्बाला सिटी हरियाणा । (अन्तरिती)

3. (1) श्री भीम सिंह पार्टनर मैसर्स सत प्रकाश लाजपत राय नं० 182 ग्रेन मार्केट सेक्टर 26 चण्डीगढ़

(2) मैसर्स सत प्रकाश लाजपत राय 182 सेक्टर 26 चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति वह जिके अधिभोग में सम्पत्ति है ।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाई करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोद्देशाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गोदाम नं० 182 जो ग्रेन मार्केट सेक्टर 26 चण्डीगढ़ में स्थित है ।

जायदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 406 जून 1979 में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

289-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० सीएचडी/106/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-घ के अधीन मूल्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1444 है तथा जो सेक्टर 34सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह्व प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर के अन्तर्गत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर के हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर के वास्तव में लगे करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 289-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 289-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16—486 GI/79

1. केप्टन हुशियार सिंह यादव पुत्र श्री रती राम वासी गांव नवादा फतेहपुर तहसील ब जिला गुड़गांव द्वारा श्रीमति मोहन कौर पत्नि श्री हरबंस सिंह वासी 1444 सेक्टर 34सी चण्डीगढ़ (अन्तरिती) । (अन्तरक)

2. मास्टर परमजीत सिंह (म) पुत्र श्री हरबंस सिंह द्वारा पिता श्री हरबंस सिंह 1444 सेक्टर 34सी चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

3. स्टेशन कमाण्डर एमईएस वासी 1444 सेक्टर 34सी चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है ।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वत् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

हरबंस सिंह :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1444 जो सेक्टर 34सी चण्डीगढ़ में स्थित है।  
जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 555 जून 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एनबीए/66/79-80—अतः मुझे सुखदेव  
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सट० भूमि 20 बीघे 6 बिस्वे है तथा जो गांव  
बिशनगढ़ तहसील नाभा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय नाभा, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 190 (1908 का  
16) के अधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगत सिंह पुत्र श्री गुजर सिंह वासी गांव बिशन गढ़  
तहसील नाभा (अन्तरक)

2. श्री बनबीर सिंह, चमकौर सिंह, प्यारा सिंह पुत्र श्री गुर-  
दयाल सिंह, श्री गुरचरण सिंह पुत्र श्री गुरनाम सिंह व जुमार सिंह  
पुत्र श्री हरदयाल सिंह वासी गांव घयीवाला तहसील नाभा  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोइस्तानरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 20 बीघे 6 बिस्वे जो गांव बिशनगढ़ तहसील नाभा  
में स्थित है।

जायदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के कार्या-  
लय के विलेख संख्या 738 जून, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं० एन० बी० ए०/116/79-80—अतः मुझे  
सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 21 बीघे है तथा जो गांव  
मंडेरतहसील नाभा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नाभा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक जून, 1979

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
भगो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसा किसी प्राय या किसी वास्तविक सम्पत्ति की  
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ख के प्र-  
करण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्गीकृत :—

1. श्रीमती अमरकौर पत्नी श्री कृपाल सिंह, श्री महिन्द्रकौर  
पत्नी श्री जोरा सिंह वासी गांव डंडराला, डींडसा व  
सुरजीत कौर पत्नी श्री आरमा सिंह वासी गांव  
टोडरवाल तहसील नाभा ।

(अन्तरक)

2. श्री गुमेल सिंह, रणजीत सिंह, हरजीत सिंह सुपुत्र  
श्री महिन्द्र सिंह वासी गांव मंडेर, तहसील नाभा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 21 बिघे जो गांव मंडेर तहसील नाभा में स्थित है  
जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के कार्यालय  
के विलेख संख्या 1146 जून, 1979 में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी, 1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० एल०डी०एच०/आर/107/79-80—अतः मुझे  
सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 1 बीघा 10 विसव 13 बिस्वासी  
है तथा जो गांव झुगियाना, तहसील लुधियाना में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जन, 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उद्घारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भाग सिंह पुत्र श्री ग्यान सिंह वासी गांव झुगियाना,  
तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

2. मैसर्स गुप्ता इंटरप्राइसिज,  
बी-6, टैक्सटाइल कालोनी, लुधियाना  
श्रीमती सुषमा पत्नी श्री सायाराम वादी झुगियाना,  
तहसील लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के  
लिए कार्यवाहियां करती हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाकप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षत्रफल 1 बीघा 10 विसव 13 बिस्वासी गांव झुगियाना,  
तहसील लुधियाना में स्थित है। जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2682  
जून, 1979 में दर्ज है।

सुख देव चन्द  
सक्षम अधिशारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 19 फरवरी, 1980  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० पी०टी०ए०/105/79-80—अतः मुझे, सुखदेव  
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 7 बीघे 17 बिसवे है तथा जो  
गांव अलीपुर अराइया तहसील पटियाला में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहन सरूप सिंह पुत्र आनन्द सरूप सिंह  
वासी गांव अलीपुर अराइया तहसील पटियाला,  
अब वासी पुरी रोड, पटियाला ।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती मक्षेत्र कौर पत्नी श्री गुरदयाल सिंह  
वासी गांव माहनवाला तहसील अम्बाला ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवादी किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अशोद्धस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं वही  
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 7 बीघे 17 बिसवे जो गांव अलीपुर अराइया तहसील  
पटियाला में स्थित है ।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के  
कार्यालय बिलेख संख्या 1472, जून, 1979 में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० पी०टी०ए०/176/79-80—अतः मुझे, सुखदेव  
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 47 बीघे 16 बिसवे है तथा जो गांव  
शेरमाजरा तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिधियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भावना किसी छन या अन्य वास्तविकों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —:

1. श्री गुरवचन सिंह पुत्र श्री वीर सिंह गांव वासी  
शेरमाजरा, तहसील पटियाला ।

(अन्तरक)

2. श्री गुरवचन सिंह पुत्र श्री वीर सिंह वासी गांव शेरमाजरा  
तहसील पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 47 बीघा 16 बिसवे जो गांव शेरमाजरा  
तहसील पटियाला में स्थित है । जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2257 जून,  
1979 में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 19 फरवरी, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निवेश सं० पी०टी०ए०/110/79-80—प्रतः मुझे, सुखदेव

चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 6 बीघा 5 बिसवा है तथा जो गांव अलीपुर अराईया तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तरीख जून, 1979 को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डित प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या प्रत्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित :—

1. श्री मोहन सरूप सिंह पुत्र श्री आनन्द सरूप वासी गांव अलीपुर अराईया तहसील पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री सुरन्दर सिंह पुत्र श्री टेक चन्द सिंह मार्फत जिला ट्रान्सपोर्ट आफिसर, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात् में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रसिद्धताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रबल होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती वाली भूमि 6 बीघा 5 बिसवा जो गांव अलीपुर अराईया तहसील पटियाला में स्थित है।

जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1525 जून, 1979 में वर्णित है।

सुखदेव चन्द,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 19 फरवरी, 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० पी०टी०ए०/(186)/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 7 बीघे 4 बिसवा है तथा जो गांव अलीपुर अराईया तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उत्पादक अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरीत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाशिब में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को बिन्हे पारसी। सम्पत्ति अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाणार्थ प्रस्तुति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री पंजाब सिंह वासी गांव अलीपुर अराईया तहसील पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री बलकार सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह वासी गांव अलीपुर अराईया तहसील पटियाला।

(अन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रसिद्धताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और श्रों का, या उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रबं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 7 बीघा 4 बिसवा जो गांव अलीपुर अराईया तहसील पटियाला में स्थित है। जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2362 जून 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी 1980

माहुर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० सी एच डी०/115/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3030 है तथा जो सैक्टर 35 डी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

71—486GI/79

1. डा० ऐक्स मैजर सोहन सिंह पुत्र श्री भगत सिंह द्वारा श्री इन्द्रजीत मलहोत्रा पुत्र श्री लदारास महलहोत्रा वासी दी नेस्ट नीयर लेडी रीडिंग हस्पताल शिमला। द्वारा श्री बख्शीस सिंह पुत्र हजारा सिंह वासी 341 इन्डस्ट्रियल एरिया चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री मती राज मलहोत्रा पत्नी श्री इन्द्रजीत मलहोत्रा वासी दी नेस्ट नीयर लेडी रीडिंग हस्पताल शिमला।

(अन्तरिती)

3. श्री सी० पी० वाली आफ स्टेट बैंक आफ इंडिया श्री एस० चावला वासी मकान नं० 3030 सैक्टर 35 डी चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीमती सुखबीर कौर पत्नी श्री बख्शीस सिंह 341 इन्डस्ट्रियल एरिया चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानत है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 3030 जो सैक्टर 35 डी चन्डीगढ़ में स्थित है जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 596 जून 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रज, लुधियाना

तारीख 19 फरवरी 1980

साहू :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 19 फरवरी 1980

निर्देश सं० डीएचआर/9/79-80—अतः मुझे मुखदेव  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 48-कनाल है तथा जो उमरला गांव हेडीके  
में स्थित है) (और इससे ज्वाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धूरी में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक जून, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और-अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गुरदेव कौर बिधवा मधरसिंह पुत्र मल सिंह  
गांव हेडीके मार्फत हरनेक सिंह पुत्र तथा सिंह गांव  
मखोकला (बहुला) व करनैल सिंह पुत्र करतार सिंह वासी  
कालेके ।

(अन्तरक)

2. मलकियत सिंह दलीप सिंह पुत्रान हरनाम सिंह पुत्र  
पाल सिंह जट सिंह गांव हेडीके ।  
व गुरचरण सिंह अशतार सिंह पुत्रान जोगिन्द्र सिंह पुत्र  
भान सिंह सोही मधर सिंह पुत्र गुरदेव सिंह पुत्र  
प्रीतम सिंह वासी मुल्तान पुर (धूरी)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
लायवाहिया करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रत्यक्षतापूर्वक के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन 48 के-3 सरला गांव हेडीके (धूरी) जायदाद जैसा  
कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी धूरी के विलेख नं० 1868 जून  
1979 में दर्ज है ।

मुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 19 फरवरी 1980  
मोहर :]

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 19 फरवरी 1980

निर्देश सं० डीएचआर/37/79-80—अतः मुझ सुखदेवचन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 0-67-28 है या जो गांव हठिके में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धूरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गुरनाम कौर पत्नी श्री हरनाम सिंह वासी टुलीवाल व श्री करनेल सिंह पुत्र श्री करतार सिंह व हरनेक सिंह पुत्र श्री नथा सिंह वासी पखोक्ला तहसील धूरी ।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री प्रीतम सिंह मुकुन्द सिंह गुरदियाल सिंह हीरासिंह दलीप सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह वासी गांव दिदार गढ़ (धूरी) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 0-62-28 जो गांव हठिके तहसील धूरी में स्थित है । जायदाद जैनाति रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी धूरी के कार्यालय के बिलेख संख्या 1846 जून 1979 में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी 1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० जीएचआर०/38/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एच० ओ०-65 आर-05 है तथा जो गांव हंडीके में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धूरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6/79

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बंधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर में, कमी करने या उतसे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात्:—

1. गुरुदेव कौर विधवा मधर सिंह पुत्र मल सिंह माफत मुख्तयार आम करनैल सिंह पुत्र करतार सिंह गांव कालेके ।  
हरनेक सिंह पुत्र नरेश सिंह गांव पञ्चोठवां (बरनाला)  
(अन्तरक)

2. प्रीतम सिंह, मुकन्द सिंह गुरदयाल सिंह अवतार सिंह बलीप सिंह बेटे जिऊन सिंह गांव बीवारगढ़ (धूरी)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शोध:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो कि अवधि बाद में पारित होता है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एकद्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितवादी को प्रत्येक व्यक्ति द्वारा अन्तःस्थापनी के तहत लिखित में किया जा सकेंगे।

सहायक आयकर:—इसमें प्रकट किया और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन-65 आर-05 गांव हंडीके जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी धूरी के विलेख नं० 1848 जून 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी 1980

मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं० पी०टी०ए०/162/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट क्षेत्रफल 14 बिसव है तथा जो नरुला कालोनी, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती से (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रभट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री स्वर्ण जीत सिंह पुत्र श्री कस्तूर सिंह जनरल अशर्मी, आ श्री गोदान पुत्र श्री बरहवाती मरू कालोनी, पटियाला ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अविनाश रानी पत्नी श्री तिलक राज टण्डन वासी 17/66, रंगोभाजरा प्रीत गली, पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट क्षेत्रफल 14 बिसव नरुला कालोनी, पटियाला में स्थित है जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय विलेख संख्या 2040 जून, 1979 में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं० पी०टी०ए०/163/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि 15 बीघे 15½ बिसवे है तथा जो गांव अवलोवाल तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रीतपाल सिंह पुत्र श्री भान सिंह जनरल अटार्नी आफ प्रीतम कौर, सर्वन्त कौर विपन जीत कौर पुत्रियां, श्री भान सिंह वासी अवलोवाल, तहसील पटियाला ।

(अन्तरक)

2. श्री शिवदेव सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह वासी गांव बसी तहसील पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथाविरभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 15 बीघे, 15½ बिसवे जो गांव अवलोवाल तहसील पटियाला में स्थित है । जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय विलेख संख्या 2065 जून, 1979 में वर्णित है ।

सुखदेव चन्द

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं० पी०टी०ए०/172/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन मभन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 18 बीघे 15 बिसवे है तथा जो गांव अवलोवाल तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1979 को पूर्णतः पंक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच देश अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में तथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;]

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सतवन्त कौर पत्नी श्री कैप्टन हरदलजीत सिंह सिधू, द्वारा जनरल अटार्नी श्री पृथीपाल सिंह पुत्र श्री भान सिंह वासी गांव अवलोवाल ग्राम वासी फोरेस्ट सर्कल आफिस ओपोजिट सैन्ट्रल जेल, पटियाला ।

(अन्तरक)

2. श्री मंगल सिंह पुत्र श्री मंगर सिंह वासी धरनी हाउस, बासी पठाना तहसील पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 18 बीघे, 15 बिसवे, जो गांव अवलोवाल तहसील पटियाला में स्थित है । जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2161, जून 1979 में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द

सभम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980

मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश पी०टी०ए०/164/79-80—अतः मुझे, सुखदेव

चन्द,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 6 बीघे 3 बिसवे है तथा जो अवलोवाल तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अग्ररित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रीतम कौर सतवन्त कौर, विपनजीत कौर पुत्रियां, श्री भान सिंह वासी अवलोवाल तहसील पटियाला, द्वारा जनरल अटार्नी, प्रितपाल सिंह, पुत्र श्री भान सिंह वासी अवलोवाल, तहसील पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री तरलोचन सिंह पुत्र श्री उत्तम सिंह वासी नारायणगढ़ तहसील पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—हमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 6 बीघे 3 बिसवे जो गांव अवलोवाल तहसील पटियाला में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2077, जून, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980

मोहर :

उत्पन्नाई० टी० एन० एस०-----

जायदाद अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

तात्कालिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० पी०टी०ए०/167/79-80—अतः मुझे सुखदेव  
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 18 बीघे 15 बिसवे है तथा जो  
गांव अवलोवाल तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

18—486GI/79

1. श्री विपनजीत सिंह पत्नी श्री नरेन्द्र जीत सिंह द्वारा  
जनरल अटार्नी, श्री प्रितपाल सिंह गरेवाल, पुत्र  
श्री भान सिंह वासी फोरेस्ट सरकल आफिस, आपोजिट  
सेन्ट्रल जैल, पटियाला ।

(अन्तरक)

2. श्री हरचन्द सिंह पुत्र श्री मंगल सिंह वासी जयपुरा,  
तहसील पायल, जिला लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को  
नामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 18 बीघे 15 बिसवे जो गांव अवलोवाल  
तहसील पटियाला में स्थित है ।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के  
कार्यालय के विलेख संख्या 2128 जून, 1979 में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी, 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निर्देश सं० /97/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3 सैक्टर 15ए, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया रः—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री गुरबख्श सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह  
प्रोप्राइटर : पंजाब फोटो स्टूडियो, मौना बाजार,  
हिमफाल (मनीपुर)  
(अन्तरक)

2. श्रीमती बीरा देवी पत्नी धरम चन्द चावला, वायी  
मकान नं० 3 सैक्टर 15-ए, चण्डीगढ़ ।  
(अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स टेक्सला प्रिंटिंग प्रेस, प्रोप्राइटर,  
श्री तरलोचन सिंह  
(2) मैसर्स अग्ररदीप टाईप कालिज,  
प्रोप्राइटर मिले सुखदेव कौर, मकान नं० 3,  
सैक्टर 15-ए, चण्डीगढ़ ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 3 सैक्टर 15 ए, चण्डीगढ़, जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय की विलेख संख्या 498 जून, 1979 में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एल० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० चं०/98/79-80—अतः मुझे, मुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० इन्डस्ट्रियल प्लॉट नं० 125 सहित स्ट्रक्चर व इमारत है तथा जो इन्डस्ट्रियल एरिया, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधिवत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री बनारसी दास वासी अमृतसर ।
- (2) श्री अनिल कुमार पुत्र श्री ब्रह्मा नन्द वासी अमृतसर ।
- (3) श्री तौर्य राम पुत्र श्री बनारसी दास वासी मोगा ।

- (4) श्री जगदीश चन्द्र पुत्र श्री संत लाल बंसल
- (5) श्री कृष्ण कुमार बंसल पुत्र श्री संतलाल बंसल
- (6) श्रीमती सुशीला देवी पत्नी श्री सुभाष चन्द्र द्वारा जनरल अटारनी श्री संत लाल पुत्र श्री सरना मल वासी गांव पाटली पुत्र कालोनी, जिला पटना (बिहार) ।

- (7) मैसर्स अलवा फार्मास्यूटीकल 125 इन्डस्ट्रियल एरिया, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स के० आर० राईस आयल एण्ड जनरल मिल्स द्वारा श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र श्री किशोरी लाल

(2) श्री ग्यान चन्द,

(3) श्री तारा चन्द

(4) श्री नसीब चन्द पुत्रगण स्वर्गीय कुलवन्त राय

(5) श्रीमती तृप्त कौर, पत्नी श्री मनजीत सिंह वासी 125 इन्डस्ट्रियल एरिया, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

3. मैसर्स के० आर० राईस, आयल व जनरल मिल्स 125 इन्डस्ट्रियल एरिया, चण्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) उप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) उप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि व इमारत व इन्डस्ट्रियल प्लॉट नं० 125 इन्डस्ट्रियल एरिया, चण्डीगढ़ ।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 499, जून, 1979 में दर्ज है ।

मुखदेव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 19 फरवरी, 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लुधियाना

— लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं० पी०टी०ए./133/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/3 भूमि का भाग क्षेत्रफल 994 बीघा 1 विसवा, है तथा जो गांव फलोली, नजदीक पंजाबी युनिवर्सिटी पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून/जुलाई, 1979

को पुनर्निर्गत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बोध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तिधर्म, अर्थात् :—

1. श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री प्रेम सिंह कटडा साहिब सिंह पटियाला ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुरिन्द कौर पुत्री श्री गुरबखश सिंह वासी माडल कालोनी, यमुनानगर,

- (2) श्रीमती बलबीर कौर पत्नी श्री कुलवंत हिंद पुत्र सुन्दर सिंह पटियाला ।
- (3) श्रीमती सुरजीत महाजन पुत्री बोधराज, महाजन सदर बाजार, पटियाला ।
- (4) कृष्णा कुमारी पुत्री श्री हरिराम चावला राजपुरा कालोनी, पटियाला ।
- (5) श्रीमती स्वर्णकौर, पुत्री श्री रघुपाल सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह लहल, पटियाला ।
- (6) महिन्द्र कार पुत्री राम सिंह वकील जिला कोर्ट, पटियाला ।
- (7) प्रितपाल कौर पत्नी श्री चरण जीत सिंह पुत्र भगवान सिंह वासी लहल, पटियाला ।
- (8) श्रीमती हरबखश कौर उर्फ मनजीत कौर पत्नी श्री हरगोपाल सिंह वासी लहल, पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1/3 भाग 994 बीघा 1 विसवा गांव फलोली, नजदीक पंजाबी युनिवर्सिटी, पटियाला ।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1758, जून/जुलाई, 1979 में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० सो०एच०डी०/75/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग एस० सी० एफ० 18 है तथा जो सैक्टर 19 डी, चन्दीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कपूर चन्द पुत्र श्री भागमल वासी 13/27-डी, तिलक नगर, न्यू दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्री जोगिन्द्र पाल खन्ना, पुत्र श्री तुलसी राम खन्ना, एस० सी० एफ० 18 सैक्टर 19 डी, चण्डीगढ़।  
(अन्तरिती)

3. जे० पी० खन्ना, प्रोप्राईटर :  
मैसर्स अपोलो स्टूडियो, सैक्टर 19-डी, चण्डीगढ़।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में बिना गया है।

अनुसूची

1/2 भाग एस० सी० एफ० नं० 18 सैक्टर 19 डी, चण्डीगढ़ जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 405, जून, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980.

मोहर :

प्राकृतिक आई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं० सी.एच.डी./79/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० 1/2 भाग एस० सी० एफ० नं० 18 है, तथा जो सैक्टर 19 डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कैलाश चन्द पुत्र श्री भागमल वासी  
13/27 बी, न्यू दिल्ली।  
तिलक नगर, न्यू दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जोगिन्दर पाल खन्ना, पुत्र श्री तुलसी राम खन्ना  
वासी एस० सी० एफ० नं० 18, सैक्टर 19 डी,  
चण्डीगढ़। (अन्तरित)

3. श्री जे० पी० खन्ना प्रोप्राइटर  
मैसर्स अपोलो स्टुडियो, सैक्टर 19 डी, चण्डीगढ़।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विविध किया अन्य व्यक्ति द्वारा, अगोस्ताजरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गरीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग, एस० सी० एफ० नं० 18, सैक्टर 19 डी, चण्डीगढ़ जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख 404, जून, 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी, 1980  
मोहर:

## प्रकरण आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

## 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी, 1980

निदेश सं० सी०एच०डी०/85/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसका पत्रावली 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन पत्रावली धारियों का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 114 है, तथा जो सैक्टर 15 ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपालब्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्रावली प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ग्राह्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) वेगो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थः—

1. (1) श्रीमती कमलेश कुमारी सोनी, विधवा श्री राम स्वरूप सोनी ।
- (2) विजय कुमार
- (3) शमशेर कुमार सोनी
- (4) अनिल कुमार
- (5) सुनील सोनी पुत्र स्वर्गीय राम स्वरूप द्वारा है श्रीमती कमलेश सोनी
- (6) श्री राजीव सोनी (ग) पुत्र श्री राम स्वरूप सोनी, द्वारा माता श्री कमलेश कुमारी सोनी, वासी शोरिया गली नजदीक जलकुआं, कपूरथला ।

(अन्तरक)

2. श्री इन्द्रजीत गुप्ता पुत्र श्री ब्रजलाल, श्रीमती विमला कुमारी पत्नी श्री इन्द्रजीत गुप्ता, वासी 114, सैक्टर, 15 ए, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

3. श्री के० एच० सुब्रह्मण्य वासी 114, सैक्टर 15 ए, चण्डीगढ़ ।

- (2) श्री श्याम सलोना, 114 सैक्टर 15 ए, चण्डीगढ़ । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

शब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 114, सैक्टर 15 ए, चण्डीगढ़, जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय विलेख संख्या 440 जून, 1979 में दर्ज है ।

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 19 फरवरी, 1980

मोहर :

प्रकाश आई. टी. एम. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क गंतव्य संपत्ति का आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 फरवरी 1980

निदेश सं० लु०/258/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० 136-एल-आर०, है तथा जो माडल टाऊन, लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1979

को सूचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अनारि को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का परम प्रतिशान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार को सक्षम उक्त अधिनियम, क अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी होने या उक्त करने में प्रतिशान के लिए और/या

(ख) ऐसा किया जा या किया जा या अन्य साक्षितियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रथाप्रमाण्य अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, लिखाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विद्या रत्न बेरी, परमाया नाथ बेरी, सुभाषचन्द्र बेरी पुत्र गुरु दास बेरी, पुत्र दिवान चन्द बेरी, वासी 136 ल० व० क०, माडल टाऊन, लुधियाना।  
(अन्तरक)

2. श्री हरि सिंह पुत्र जगीर सिंह श्री वर्शन सिंह पुत्र संतोष सिंह वासी 414, इंडस्ट्रीयल एरिया, "ए" लुधियाना।  
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में जारी की जायेगी:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या संबंधित व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाहर में समाप्त होगी ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों को या किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें उक्त शब्दों और पंक्तियों का, या उक्त अधिनियम के धार्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस धार्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 136-एल० आर०, माडल टाऊन, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2109 जुलाई, 1979 में वर्णित है)

सुखदेव चन्द  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रॉय, लुधियाना

तारीख: 19 फरवरी, 1980  
मोहर:

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 28th December 1979

No. A.35014/1/79-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri G. P. Saxena a permanent Section Officer of CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis on deputation to the post of Section Officer (Special-Confidential) for a period of three months with effect from 9th Nov., 1979 or till regular appointment is made, whichever is earlier.

On his appointment to the post of Section Officer (Special-Confidential) the pay of Shri G. P. Saxena will be regulated in terms of the Ministry of Finance, Department of Expenditure O.M. No. F.10(24)-E.III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

The 15th January 1980

No. A.35014/1/79-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following two permanent Section Officers of CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis on deputation to the posts indicated each for a period from 11-1-1980 to 29-2-1980, or until further orders, whichever is earlier.

1. Shri J. S. Sawhney—S.O. (Special-Examination scrutiny and co-ordination).

2. Shri H. M. Biswas—S.O. (Special-Examination rules and arrangements).

2. On their appointment to the post of Section Officer (Special), the pay of S/Shri J. S. Sawhney and H. M. Biswas will be regulated in terms of the Ministry of Finance Department of Expenditure O.M. No. F.10(24)-E.III/60 dated 4-5-61, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN,  
Under Secy.  
for Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 23rd January 1980

No. A.12026/1/79-Admn.II.—In continuation of U.P.S.C. Notification of even number dated 16-10-1979 Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Y. R. Gandhi, a permanent Section Officer of the CSS cadre of U.P.S.C. to officiate on regular basis as Administrative Officer in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 on transfer on deputation for a period of 3 years w.e.f. 11-10-79 (including the period from 1-1-80 to 15-1-80 being treated as on *ad hoc* basis) in the office of the Union Public Service Commission or until further orders whichever is earlier.

2. Consequent upon his appointment as Administrative Officer Shri Y. R. Gandhi will draw basic pay in his substantive post of Section Officer of the CSS plus deputation duty allowance @ 10% subject to a maximum of Rs. 100/- in terms of the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)/E.III/60 dated 4-5-61 as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN,  
Under Secy. (Admn.)

for Chairman  
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 10th January 1980

No. A. 11016/1/76-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri N. K. Soni, Private Secretary of the C.S.S.S. cadre of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the Office of Union Public Service Commission for the period from 4-1-1980 to 29-2-1980.

2. Shri N. K. Soni shall draw Special Pay @ Rs. 75/- per month in terms of Department of Personnel & Administrative Reforms Office Memorandum No. 12/1/74-CS(1) dated 11-12-75.

S. BALACHANDRAN,  
Under Secy.  
(Incharge of Admn.),  
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 16th January 1980

No. A.32014/1/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants (Grade C)/Personal Assistants (Grade C of the CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate

as Senior Personal Assistants (Grade B of the CSSS) in the same cadre in a purely provisional, temporary and *ad hoc* capacity with effect from the dates mentioned below :

Sl. No.	Name	Regular Post held	Post to which <i>ad hoc</i> appointment made	Period for which <i>ad hoc</i> appointment made
1	2	3	4	5
	S/Shri			
1.	S. P. Mehra	Officiating Selection Grade for Grade C Stenographers and Permanent P.As. (Grade C of the CSSS).	Senior PA (Grade B of the CSSS)	1-1-1980 to 29-4-1980 or until further orders which ever is earlier.
2.	O. P. Deora			
3.	Hukam Chand			
4.	H. C. Katoch			
5.	T. R. Sharma	—do—	—do—	1-1-1980 to 23-2-80 or until further orders whichever is earlier.
6.	K. S. Bhutani	Permanent P. A. (Grade C of the CSSS).	—do—	1-1-1980 to 8-1-80.

2. The above-mentioned persons should note that their appointment as Senior P.A. (Grade B of the CSSS) is purely temporary and on *ad hoc* basis and will not confer any

title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade

The 22nd January 1980

No. A-19017/7/79-Admn.I.—Consequent on his nomination by the Department of Personnel and Administrative Reforms for promotion to Grade B of CSSS under the zoning scheme, the President is pleased to appoint Shri Tarsem Singh, a permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS cadre of Ministry of Information and Broadcasting), to officiate as Senior Personal Assistant in grade B of CSSS cadre of the Union Public Service Commission on purely

temporary basis with effect from the forenoon of 9th January 1980 until further orders.

The appointment of Shri Tarsem Singh as Senior Personal Assistant will, however, be subject to the condition that he will be liable to be reverted to grade C of CSSS when an officer included or approved for inclusion in the Select List of Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) becomes available for appointment against the post to which his appointment has been made.

S. BALACHANDRAN,  
Under Secy.  
Union Public Service Commission,

19-4-80/79

New Delhi-110011, the 1st February 1980

No. A.32013/1/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on *ad hoc* basis in Grade I of the Central Secretariat Service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No.	Name	and	Period
1.	Shri P. C. Mathur, S.O.	from 24-1-80 to 29-2-80	
2.	Shri T. M. Kokel, Grade A officer of CSSS	from 26-12-79 to 29-2-80	
3.	Shri S. Srinivasan, S.O.	from 4-1-80 to 7-1-80	
4.	Shri D. P. Roy, S.O.	from 28-12-79 to 7-1-80	

No. 32013/3/79-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission Notifications of even number dated 27-11-79 and 11-1-1980, the President is pleased to appoint Shri B. Das Gupta, a permanent Grade I officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate in the selection grade of CSS as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis for a further period of three months w.e.f. 3rd January, 1980 or until further orders whichever is earlier.

No. 32013/4/79-Admn.I.—The President is pleased to permit the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate/continue to officiate as Under Secretaries in Grade I of Central Secretariat Service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No.	Name	and	Period
1.	Shri B. B. Mehra, Grade A officer of CSSS,	from 22-1-80 to 29-2-80	
2.	Shri B. S. Kapur, S.O.	from 13-1-80 to 29-2-80	
3.	Shri R. N. Khurana, S.O.	from 21-2-80 to 29-2-80	
4.	Smt. Bhavani Thyagarajan, S.O.	from 14-12-79 to 29-2-80	
5.	Shri M. A. Ganapathy Ram, Grade A officer of CSSS,	from 21-12-79 to 29-2-80,	

The 4th February 1980

No. A.32014/1/79-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate on *ad hoc* basis as Section Officers in the same cadre for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier :—

S. No.	Name	Period for which promoted as Section Officer
1.	Shri Krishan Kumar	1-1-80 to 29-2-80
2.	Shri R. P. Sharma	1-1-80 to 29-2-80
3.	Shri S. D. S. Minhas	1-1-80 to 29-2-80
4.	Shri J. L. Sud	1-1-80 to 29-2-80
5.	Shri G. P. Bhatta	1-1-80 to 29-2-80
6.	Shri S. N. Ghosh	1-1-80 to 29-2-80
7.	Shri O. P. Kathuria	1-1-80 to 29-2-80
8.	Shri Rajendra Singh	1-1-80 to 29-2-80
9.	Shri O. P. Kautia	1-1-80 to 29-2-80
10.	Shri S. N. Pandit	1-1-80 to 29-2-80
11.	Shri M. S. Asnani	1-1-80 to 29-2-80
12.	Shri Krishan Lal-I	1-1-80 to 29-2-80
13.	Shri Remal Dass	8-1-80 to 29-2-80.

The 9th February 1980

No. A.11016/1/76-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri K. M. Ibrahim Yusuf, permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate, on an *ad hoc* basis, as Section Officer in the same cadre for the period from 8-1-1980 to 29-2-1980 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.11016/1/76-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri B. D. Sharma, Section Officer of the C.S.S. cadre

of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the office of Union Public Service Commission with effect from 8-1-1980 to 29-2-1980 or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri B. D. Sharma shall draw Special pay, @ Rs. 75/- per month in terms of Department of Personnel & Administrative Reforms Office Memorandum No. 12/1/74-CS(I) dated 11-12-75.

Y. R. GANDHI,  
Administrative Officer,  
for Under Secy.  
Union Public Service Commission

#### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 19th February 1980

No. 10 RCT 2.—Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. S. Rathour, a permanent Assistant of this Commission as Section Officer in an officiating capacity with effect from 14-2-1980 to 13-5-1980 or until further orders whichever is earlier.

K. L. MAIHOTRA,  
Under Secy.  
For Central Vigilance Commissioner

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.)

#### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 15th February 1980

No. A.-19027/2/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Mittal, permanent Senior Scientific Assistant, C.F.S.L., Central Bureau of Investigation, presently officiating as Senior Scientific Officer (Documents) in the C.F.S.L. on *ad hoc* basis to officiate in the post of Senior Scientific Officer (Documents), C.F.S.L., Central Bureau of Investigation with effect from 14-6-78 (FN) and until further orders.

O. L. GROVER,  
Administrative Officer (F).  
Central Bureau of Investigation

#### OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 7th February 1980

No. E-33013/1/79-Pers.—On acceptance of his resignation, Shri V. G. Thatte, relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, BAI CO Korba, (M.P.) w.e.f. the afternoon of 14th January 1980.

No. E-38013(3)/12/79-Pers.—On transfer from Durgapur, Shri D. C. Roy assumed the charge of the post of Asst. Comdt., CISF Unit, BSI, Bokaro w.e.f. the afternoon of 18th January 1980.

The 14th February 1980

No. F-38013(2)/1/79-Pers.—On transfer to Sagar, Lt. Col. D. S. Manant relinquished the charge of the post of Comdt., CISF Unit, BCCI, Udhwa w.e.f. the afternoon of 11th January 1980.

(Sd) H. E. G. P. T.  
Inspector General, CISF

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 12th February 1980

No. 11/37/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri G. Srinivasa Rao, an officer belonging to the Andhra Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad, by transfer on deputation, with effect from the afternoon of 19th January, 1980, until further orders.

2. The headquarters of Shri Rao will be at Hyderabad.

The 14th February 1980

No. 25/12/73-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri Ajit Kumar Barkakoty, an officer belonging to

the Assam Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Assam, Gauhati, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 24th December, 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Barkakoty will be at Gauhati.

No. 25/39/73-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification of even number dated 13-12-1978, the President is pleased to extend the period of appointment of Shri E. Ramaswamy, Investigator (Social Studies) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Research Officer (Social Studies), in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, upto 30th June, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever is earlier, on the existing terms and conditions.

The headquarters of Shri Ramaswamy will be at New Delhi.

P. PADMANABHA,  
Registrar General

## MINISTRY OF LABOUR

### LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 5th March 1980

No. 233/80-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 decreased by three points to reach 371 (three hundred and seventy one) during the month of January, 1980. Converted to base 1949=100 the index for the month of January, 1980 works out to 451 (four hundred and fifty one).

A. S. BHARDWAJ,  
Joint Director  
Labour Bureau, Simla

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I WEST BENGAL

Calcutta I, the 11th February 1980

No. Admn.I/947-III/3852.—The Accountant General-I, West Bengal has been pleased to appoint the following officiating Accounts Officers of this office/Office of the Accountant General-II, West Bengal/Office of the Director of Audit, Central, Calcutta in substantive capacity in the Accounts Officers' grade with effect from the dates noted against each :—

Sl. No.	Name	Date of confirmation.
S/Shri		
1.	Guru Prasad Basu Roy	1-3-75
2.	Sudhendu Nath Bhattacharjee	1-5-78
3.	Sachindra Narayan Das	1-5-78
4.	Santosh Kumar Banerjee	16-9-78
5.	Sushil Kumar Sinha	1-10-78
6.	Ajit Kumar Sen	1-1-79
7.	Sunit Kumar Sen	1-1-79
8.	Dilip Kumar Sengupta	1-2-79
9.	Ajit Kumar Koley	1-3-79
10.	Satya Ranjan Kar	1-4-79
11.	Guruprasad Roy	1-9-79
12.	Parimal Ghosh	1-10-79
13.	Amarendra Nath Chakrabarthi	1-10-79
14.	Nirmalendu Chatterjee	1-11-79
15.	Brojo Gopal Ghosal	1-12-79
16.	Birendra Kumar Ghosh	1-12-79
17.	Jaynarayan Mukherjee	1-12-79
18.	Gobindapada Joardar	1-12-79

SM. SUDHA RAJAGOPALAN  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.).

## OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 15th February 1980

No. 5186/A-Admn/130/79.—The Director of Audit, Defence Services is pleased to appoint Shri K. S. Suryanarayana, Subs. members of the S.A.S. to officiate as Audit Officer in the Office of the Jt. Director of Audit, Defence

Services, Eastern Command, Patna, with effect from 24-1-1980 (F.N.), until further orders.

K. B. DAS BHOWMIK,  
Joint Director of Audit

## DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

### OFFICE OF THE C.G.D.A.

New Delhi-110022, the 8th February 1980

No. 28012(12)/78/AN-1(JAG).—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500-60-1800-100-2000) of that service, until further orders, with effect from the dates shown against them :—

1. Smt. Lakshmi Rajaram Bhandari—17-12-79 (FN).
2. Shri Vinod Kumar Misra 10-12-79 (FN).
3. Shri Jnan Prakash—3-12-79 (FN).

The 12th February 1980

No. 68018(2)/71-AN-I.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500-60-1800-100-2000) of that Service, until further orders with effect from the dates shown against them, under the "Next Below Rule"—

1. Shri A. V. Niranjan Rao—8 Jan. 1980 Finance & Accounts Officer, Defence Research Development Laboratory, Hyderabad (R&D Organisation, Min. of Def., New Delhi).
2. Shri Tej Ram Nayyar—3 Dec. 1979 Deputy Financial Adviser, Department of Defence Production (IF) Ministry of Defence, New Delhi.

K. P. RAO  
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

## MINISTRY OF DEFENCE

### DG OF HQRS. CIVIL SERVICE

### ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 1st February 1980

No. 2/80/A/E-1(NG).—On attaining the age of superannuation the undermentioned officers retired from service with effect from 31-1-80 (A.N.)

1. Shri Promode Ch. Roy, Substantive and Permtt. Asstt., Temporary ASO.
2. Narendra Nath Ghosh, Substantive and Permtt. Asstt., Temporary ASO.
3. Shri Santosh Kumar Sen, Substantive and Permtt. Asstt., Temporary ASO.
4. Smt. Jyotsna Sen, Substantive and Permtt. Assistant, Temporary ASO.

D. P. CHAKRAVARTI, ADG OF/Admin.  
for Director General, Ordnance Factories.

## INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICES

### DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-700069, the 7th February 1980

No. 5/80/G.—The president is pleased to appoint Shri M. S. Ranganathan as Asstt. Manager (On Prob) w.e.f. 29/12/79.

The 8th February 1980

No. 6/80/G.—The president is pleased to appoint Shri Anil Kumar as Asstt. Manager (On Prob) w.e.f. 21st December 1978.

No. 7/80/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri J. B. D. Gupta Offg. D. M. Subst. & Permt F.M. retired from service w.e.f. 31-7-79 (A.N.)

The 11th February 1980

No. 3/G/80.—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officers as Offg. Dy. Manager/DADGOF

with effect from the date shown against them, until further orders :—

1. Shri Raman Gumber, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
2. Shri Prakash Narayan, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
3. Shri S. R. Agarwal, A.M.(Prob)—23rd Oct. 1979.
4. Shri K. S. Gupta, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
5. Shri A. K. Shukla, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
6. Shri Rajinder Kumar A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
7. Shri Shahab Ahmed, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
8. Shri C. P. Gupta, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
9. Shri S. C. Malhotra, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
10. Shri B. C. Mondal, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
11. Shri S. Narasimhan, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
12. Dr. Ram Sanehi, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
13. Shri R. R. Yadava, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
14. Shri R. K. Sharma, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
15. Shri S. K. Dogra, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
16. Shri H. S. Sagar, A.M.(Prob)—23rd Oct., 1979.
17. Shri S. M. Vuppu, A.M.(Prob)—1st Nov., 1979.
18. Shri S. K. Basu, Offg. T.S.O.—1st Nov., 1979.
19. Shri V. Raja Raman, A.M.(Prob)—1st Nov., 1979.
20. Shri O. P. Mishra, A.M.(Prob)—1st Nov., 1979.
21. Shri T.R.A. Rao, Offg. A.M. 1st Nov., 1979.
22. Shri P. G. Nair, A.M.(Prob)—1st Nov., 1979.
23. Dr. D. V. L. Rewal, A.M. (Prob).—1st Nov., 1979.
24. Dr. A. K. Bose, A.M.(Prob)—1st Nov., 1979.
25. Shri D. K. Gupta, Offg. A.M.—1st Jan., 1980.
26. Shri J. K. Lahiri, A.M.(Prob).—1st Jan., 1980.
27. Shri S. K. Beri, A.M.(Prob).—1st Jan., 1980.
28. Shri I. N. Dutta, A.M.(Prob).—1st Jan., 1980.
29. Shri D. V. Singh, A.M.(Prob).—1st Nov., 1979.
30. Shri S. K. Sarkhel, A.M.(Prob)—1st Nov., 1979.

The 12th February 1980

No. 2/G/80.—The President is pleased to appoint the under mentioned Officer as Offg. Jt. GM (in the grade of GM/Gr. I) with effect from the date shown against him, until further orders :—

Shri M. P. Ramamurthy, Offg. Dy. G.M. 15th Oct., 1979.

V. K. MEHTA

Asstt. Director General, Ordnance Factories.

## MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF COMMERCE)

### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 15th February 1980

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1298/79-Admn(G)/393.—The President is pleased to appoint Shri K. V. Kunhikrishnan, Appraiser in the Department of Revenue, Ministry of Finance as Deputy Director (Drawback) in this office for a further period of 6 months with effect from 1st October, 1979 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier on deputation basis on the existing terms and conditions.

No. 6/1307/79-Admn(G)/912.—The President is pleased to appoint Shri C. P. Malhotra, Superintendent of Central Excise Grade 'B' in the Department of Revenue, Ministry of Finance, New Delhi, as Assistant Director (Drawback) in this office on deputation basis on the existing terms and conditions for a further period of 6 months w.e.f. the 9th January, 1980 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

O. N. ANAND

Joint Chief Controller of Imports and Exports  
for Chief Controller of Imports and Exports.

New Delhi, the 15th February 1980

No. 6/313/55-Admn(G).—On attaining the age of superannuation, Shri A.E. Talwalkar, Controller in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Hyderabad who was under suspension, was permitted to retire from Government service on 31-1-1980 (AN).

C. S. ARYA

Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
for Chief Controller of Imports and Exports

## MINISTRY OF INDUSTRY

### (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

#### OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 15th February 1980

No. A-19018(413)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Lambert Joseph as Assistant Director (Grade I) (Mechanical) in the Extension Centre, Calicut (Under SISL, Trichur) with effect from the forenoon of 2nd January 1980, until further orders.

M. P. GUPTA

Dy. Director (Admn.)

### DEPARTMENT OF SUPPLY

#### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 6th February 1980

No. A-32013/6/79-A6.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Dutt, Asstt. Director of Inspection (Met.) in the Metallurgical Branch of Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' on regular basis w.e.f. the forenoon of 2nd September 1978.

Shri Dutt will be on probation for a period of 2 years from 2nd September 1978.

The 7th February 1980

No. A6/247(281)/60.—The President has been pleased to appoint Shri A. Chakraborty, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the office of the Director of Inspection, Calcutta to officiate as Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Engg. Branch) on *ad-hoc* basis in the same office w.e.f. 15th January 1980 (FN) and until further orders.

Shri Chakraborty relinquished charge of the post of AIO (E) and assumed charge of the post of IO(E) in the office of the Director of Inspection, Calcutta on 15th January 1980 (FN).

The 8th February 1980

No. A.17011/158/79-A6.—On selection by UPSC, the President has been pleased to appoint Shri Sunder Lal, Asstt. Director (Fibres) in the office of Director of Laboratories, Central Agmark Laboratory, Nagpur to officiate as Inspecting Officer (Tex) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A' Tex. Branch) in the office of Director of Inspection, Calcutta w.e.f. 17th January 1980 (FN) and until further orders.

K. KISHORE

Dy. Director (Admn.)

for Director General of Supplies and Disposals

## MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL

### (DEPARTMENT OF MINES)

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 13th February 1980

No. A-19011(31)/76-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri A. S. Gopalachari, Chief Mineral Economist on *ad-hoc* basis to the post of Chief Mineral Economist in an officiating capacity with effect from 7th January 1980 (afternoon) until further orders.

No. A.19012/117/79-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri Ram Amrit Manian, Jr. Accounts Officer of Pay and Accounts Office, Geological Survey of India, Central Region, Nagpur, is appointed to the post of Assistant Administrative Officer, Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29th September 1979, until further orders.

No. A.19012(123)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri M. Y. Faza, Senior Technical Assistant (OD) is promoted to officiate as



Assistant Research Officer (OD) in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 18th January 1980 until further orders.

S. BALAGOPAL  
Head of Office  
Indian Bureau of Mines

Nagpur, the 11th February 1980

No. A.19011(12)/70-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri S. Balagopal, permanent Regional Controller of Mines, Indian Bureau of Mines, to officiate as Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 21st January 1980, until further orders.

A. R. KASHAV  
Administrative Officer  
Indian Bureau of Mines

#### ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta-700 016, the 13th February 1980

No. 4-168/79/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri N. N. Sengupta to a post of Assistant Keeper in this Survey at North East Region, Shillong, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 31st December 1979, until further orders.

N. R. AICH  
Administrative Officer

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 11th February 1980

No. A.12026/3/79(CRI)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. G. Saran, Deputy Assistant Director (Non-Medical), Central Research Institute, Kasauli to the post of Assistant Director (Non-Medical) in the same Institute with effect from the forenoon of the 29th November 1979, in a temporary capacity and until further orders.

S. L. KUTHIALA  
Dy. Director Administration (O&M)

#### MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

##### DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 15th February 1980

No. A-19025/7/80-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B) Shri R. J. Nathaniel, Senior Inspector has been appointed to officiate as A.M.O. (Group I) in this Directorate at Bombay w.e.f. 11th January 1980 (F.N.) until further orders.

B. L. MANIHAR  
Director of Admn.  
for Agricultural Marketing Adviser

Faridabad, the 15th February 1980

No. A.19025/30/79-A.III.—On the recommendations of the U.P.S.C. Shri Ram Raj Singh Rathore, has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Bhopal, w.e.f. 28th January 1980 (FN), until further orders.

B. L. MANIHAR  
Director of Admn.

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

##### NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 3rd June 1979

##### ORDER

Ref. NFC/PA.V/20/1076.—WHEREAS Shri B. P. Srivastava, Tradesman 'C', ZEP, NFC, failed to report for duty on 6th January 1979 on the expiry of the leave granted to him for 20 days from 17th December 1978,

AND WHEREAS a telegram directing the said Shri Srivastava to joint duty immediately was sent to his known local and permanent home addresses on 17th February 1979,

AND WHEREAS the said Shri Srivastava continued to remain absent from duty.

AND WHEREAS a memo, vide No. NFC/PA.II/B-60/ZFP/795 dt. 17th February 1979 was sent to the local and permanent home addresses of Shri Srivastava, informing him that suitable disciplinary action will be taken against him, if he fails to report for duty immediately,

AND WHEREAS the said memo dated 17th February 1979 sent by regd. post ack. due to the local address of the said Shri Srivastava was returned undelivered by the postal authorities with remarks, "B. P. Srivastava left to his native place to see his mother (she is in critical condition), he will be coming after a month",

AND WHEREAS the said memo dated 17th February 1979 sent to his home town in Bihar was also returned undelivered with the endorsement "the addressee left without address, hence returned to the sender",

AND WHEREAS the said Shri Srivastava has continued to remain absent and failed to inform the NFC of his whereabouts,

AND WHEREAS the said Shri Srivastava has been guilty of not returning to duty on the expiry of the leave and voluntarily abandoning service,

AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping the NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of the NFC Standing Orders,

AND NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 41.8 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm., dated 3rd December 1970 and para 42 of the NFC Standing Orders read with rule 19(ii) of CCS (CCA) Rules, 1965, hereby removes the said Shri Srivastava from service with immediate effect.

N. KONDAL RAO  
Chief Executive

#### RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 12th February 1980

No. RAPP/Rectt./10(2)/80/S/283.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri K. K. Subramanian, a Permanent Accountant of this Project to officiate as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in the Rajasthan Atomic Power Project with effect from the forenoon of 27th November 1979 until further orders.

GOPAL SINGH  
Administrative Officer (E)  
for Chief Project Engineer

#### ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad, the 7th February 1980

No. AMD/2/2933/79-Adm.—The resignation tendered by Shri Himadri Ghosh, from the temporary post of Scientific Officer/(Engineer) Grade SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division, with effect from November 2, 1979 (forenoon).

M. S. RAO  
Sr. Administrative and Accounts Officer

#### MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

##### INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 19th February 1980

No. A.32013(ii)/4/79-E.I.—The President has been pleased to appoint the undermentioned Meteorologist Grade II, India Meteorological Department, to officiate as Meteorologist Grade I in the same department with effect from the dates indicated against their names and until further orders :—

1. Dr. Krishna Nand 29-12-1979.
2. Dr. S. N. Bhattacharya 29-12-1979.
3. Shri Ravinder Nath 29-12-1979.
4. Shri Bhukan Lal 29-12-1979.
5. Dr. R. K. Dube 29-12-1979.

6. Shri S. R. Kalsi 29-12-1979.
7. Shri Jai Pal 29-12-1979.
8. Shri R. C. Bhatia 29-12-1979.
9. Dr. S. N. Srivastava 20-12-1979.
10. Shri J. S. Day 29-12-1979.
11. Dr. S. K. Dikshit 29-12-1979.
12. Shri C. Ranganathan 29-12-1979.
13. Dr. V. Thapliyal 2-1-1980.
14. Shri Shravan Kumar 29-12-1979.
15. Shri P. K. Bhattacharya 29-12-1979.
16. Shri M. M. Kundu 29-12-1979.
17. Shri A. V. R. Krishna Rao 29-12-1979.
18. Shri V. Srinivasan 2-1-1980 (A.N.).
19. Shri A. Narayanan Kutty 2-1-1980 (A.N.).
20. Shri N. V. Narayana Rao 29-12-1979.
21. Shri M. C. Sharma 29-12-1979.
22. Shri A. K. Bhatnagar 29-12-1979.
23. Shri K. D. Barman 29-12-1979.
24. Shri S. C. Sharma 2-1-1980.
25. Shri S. D. Williams 29-12-1979.
26. Shri I. C. Talwar 29-12-1979.
27. Shri S. Gopinath 29-12-1979.
28. Shri K. G. S. Nair 29-12-1979.
29. Shri Rajinder Singh 31-12-1979.
30. Shri S. K. Jain 31-12-1979.
31. Shri H. N. Gupta 29-12-1979.
32. Shri A. D. Ravi Shankar 31-12-1979.
33. Shri T. K. Balakrishnan 29-12-1979.
34. Shri Julius Joseph 29-12-1979.
35. Shri R. Natarajan 29-12-1979.
36. Shri M. N. Pillai 31-12-1979.
37. Shri V. Bhavanarayana 29-12-1979.
38. Shri C. L. Agnihotri 29-12-1979.
39. Shri L. Krishnamurthy 29-12-1979.
40. Shri T. K. Ray 29-12-1979.
41. Shri A. T. Das 29-12-1979.
42. Shri S. K. Shaha I 29-12-1979.
43. Shri R. S. Bhartiya 29-12-1979.
44. Shri K. C. Halder 29-12-1979.
45. Shri P. Sarcar 29-12-1979.

S. K. DAS  
Dy. Director General of Meteorology  
(Administration and Stores)  
for Director General of Meteorology

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 8th February 1980

No. A38012/5/79EA.—Shri K. C. S. Mani, Aerodrome Officer, Madras Airport, retired from Government service with effect from the 31st January 1980 AN under FR 56(k).

No. A38012/9/79EA.—Shri N. K. Murthi, Aerodrome Officer, Madras Airport, Madras retired from Government service on the 31st January 1980 AN under F.R. 56(k).

V. V. JOHRI  
Dy. Director of Administration

New Delhi, the 14th February 1980

No. A.32014/4/79-EC.—In modification of S. No. 1 of this Department Notification No. A.32014/4/79-EC, dated 21st January 1980, the Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri J. S. Augustus, Communication Assistant, C.A.T.C., Allahabad to the grade of Assistant Communication Officer on regular basis with effect from 12th December 1979 (FN) and to post him in the office of Controller of Communication, A.C.S., Madras.

N. A. P. SWAMY  
Assistant Director of Administration  
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 18th February 1980

No. A.32013/2/78-ES.—The President is pleased to appoint Shri Chaman Lal to officiate as Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspection on regular basis and until further orders with effect from 26th July 1979 in the office of the Director General of Civil Aviation, R. K. Puram, New Delhi.

No. A.32014/1/79-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri C. L. Sharma, Store

Assistant in the office of the Director, Radio Construction and Development Unit as Store Officer (Group 'B' post) on ad hoc basis in the office of the Regional Director, Delhi Region, Sardarjung Airport, New Delhi, with effect from the forenoon of the 1st February 1980 and until further orders.

No. A.32014/1/79-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri K. K. Verma, Store Assistant, as Store Officer (Group 'B') on regular basis in the office of the Controller, Central Radio Stores Depot, Netaji Nagar, New Delhi, with effect from the forenoon of the 1st February 1980 and until further orders.

N. A. P. SWAMY  
Asstt. Director of Administration

#### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 12th February 1980

No. 1/18/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Ranjan Datta as Assistant Engineer, in a temporary capacity in Switching Complex, Bombay with effect from the forenoon of the 14th January 1980, and until further orders.

No. 1/89/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Bal Raj, as Assistant Engineer in a temporary capacity in the Switching Complex, Bombay with effect from the forenoon of the 5th January 1980, and until further orders.

No. 1/101/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. D. S. Aswal, Subedar, Central Reserve Police Force as Security Officer, in an officiating capacity, in Headquarters Office, Bombay, on deputation basis, with effect from the forenoon of the 14th January 1980 and until further orders.

P. K. G. NAYAR  
Director (Admn.)  
for Director General

#### FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 19th February 1980

No. 13/338/79-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, P.O. New Forest, Dehra Dun is pleased to appoint Dr. Kailash Chandra Joshi as Research Officer at the Forest Research Centre, Burnihat, Assam, with effect from the forenoon of 21st December 1979 until further orders.

No. 16/340/79-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, P.O. New Forest, Dehra Dun is pleased to appoint Shri Rajnish Kumar Vakshasya, Research Assistant Grade-I, F.R.I. & Colleges, Dehra Dun as Research Officer with effect from the forenoon of 7th January 1980 under the scheme Establishment of (i) Seed Banks and (ii) Seed Improvement and Tree Breeding Centre, Hyderabad at its Regional Centre at Coimbatore until further orders.

H. B. JOSHI  
Registrar  
Forest Research Institute and Colleges

#### MINISTRY OF WORKS AND HOUSING (WORKS DIVISION)

New Delhi, the 8th February 1980

#### CORRIGENDUM

No. 33/9/76-EC IX.—This Ministry's notification of even number dated 20th June 1979 regarding Central Public Works Department (Central Office) Assistant (Architectural Deptt.) Recruitment Rules, 1979, published in Part III—Section 1 of Gazette of India dated 14th July 1979, is hereby cancelled.

S. RANGANATHAN  
Under Secy.

#### NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 8th February 1980

No. 19.—The following officers of Transportation (Traffic) and Commercial Department, Northern Railway; have

finally retired from Railway Service from the dates noted against each :—

*S. No., Name and Date from which finally retired*

- S/Shri  
1. R. D. Sharma, SCO (Rates) HQ 30-11-1979 A.N.  
2. B. C. Sharma, COPS/HQ 31-12-1979 A.N.  
3. K. G. Saxena, working in Railway Board 31-12-1979 A.N.

R. K. NATESAN  
General Manager

#### SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 4th February 1980

No. P(GAZ)185/TC/Pt.II.—Sri M. S. Jayanthan, an Officer of the Indian Railway Traffic Service (on probation) is confirmed in Class 1/Junior Scale at that service with effect from 4th February 1978.

No. P(GAZ)185/TC/Pt.II.—The following Junior scale (Class I) Officers of the Indian Railway Traffic Service of this Railway are confirmed in the Senior Scale of that service with effect from the dates indicated against each :—

*Sl. No., Name and Date from which confirmed*

1. Sri M. A. Rauf 25-6-74.
2. Sri S. Krishnamoorthy Iyer 5-3-75.
3. Sri S. Ramamoorthy 5-3-75.
4. Sri K. C. Sivanandam 5-3-75.
5. Sri S. Gopalakrishnan 1-4-76.
6. Sri B. L. Varma 1-6-76.
7. Sri P. Seshagiri Rao 1-10-76.
8. Sri G. Govardhan Rao 1-12-76.

N. NILAKANTA SARMA  
General Manager

#### MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, U.P.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. U.P. Gases Private Limited.*

Kanpur, the 6th February 1980

No. 1262/3788-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the M/s. U.P. Gases Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Veekay Engineering Private Limited.*

Kanpur, the 6th February 1980

No. 1264/4161-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Veekay Engineering Private Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Modi Enterprises (Sales) Private Limited.*

Kanpur, the 7th February 1980

No. 1338/3482-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Modi Enterprises (Sales) Private Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off Registrar and the said company will be dissolved.

O. P. CHADHA  
Registrar of Companies, U.P.  
Kanpur

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Kamla Footwear Private Limited.*

New Delhi, the 7th February 1980

No. 7042/3825.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Kamla Footwear Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

G. B. SAXENA  
Asstt. Registrar of Companies  
Delhi & Haryana

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES TAMIL NADU

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Gowri Transports Private Limited.*

Madras-600 006, the 12th February 1980

No. DN 3589/560(5)/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Revathi Constructions Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Gowri Transports Private Limited.*

Madras-600 006, the 13th February 1980

No. DN/3803/560(3)/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Gowri Transports Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Sri Kuppaswamy Transports Private Limited.*

Madras-600 006, the 15th February 1980

No. 4786/560(5)/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of M/s. Sri Kuppaswamy Transports Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

H. BANERJEE  
Asstt. Registrar of Companies  
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Rao Chemicals Private Ltd.*

Bangalore, the 12th February 1980

No. 2652/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Rao Chemicals Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI  
Registrar of Companies  
Karnataka, Bangalore

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. The Forward Chit Funds Private Limited.*

Bombay, the 28th January 1980

No. 14280/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956,

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. The Forward Chit Funds Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Janerta Works Private Limited.*

Bombay, the 14th February 1980

No. 10956/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Janerta Works Private Limited, has been ordered to be wound up by an order dated 29-11-1978 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

S. C. GUPTA  
Asstt. Registrar of Companies  
Maharashtra, Bombay

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Ratlam Finance Private Limited, Ratlam*

Gwalior, the 14th February 1980

No. 1067/Liq./C.P./646.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Ratlam Finance Private Limited, Ratlam has been ordered to be wound up an order dated 15-1-1980 passed by the Hon'ble High Court of Madhya Pradesh, Bench Indore and the Official Liquidator, Indore has been appointed as the Liquidator of the Company.

S. K. SAXENA  
Registrar of Companies  
Madhya Pradesh, Gwalior

#### NOTICE UNDER SECTION 445(2)

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Gujarat Linkers and Financiers Pvt. Ltd.*

Ahmedabad, the 13th February 1980

No. 2154/Liquidation.—By an order dated 28-12-1979 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 40 of 1979 it has been ordered to wind up M/s. Gujarat Linkers Financiers Pvt. Ltd.

J. G. GATHA  
Registrar of Companies,  
Gujarat, Ahmedabad.

#### APPELLATE TRIBUNAL FOR FORFEITED PROPERTY

New Delhi, the 15th February 1980

#### ORDER

*Order of termination of service issued under the proviso to sub-rule (1) of rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rule, 1965.*

No. ATFP/79-80/995.—In pursuance of the proviso to sub-rule (1) of rule 5 of the Central Services (Temporary Service) Rule, 1965, I hereby terminate forthwith the service of Shri Nahar Singh, Court Attendant and direct that he shall be entitled to claim pay plus allowances for the period of notice at the same rates at which he was drawing them im-

mediately before the termination of his service, or as the case may be, for the period by which such notice falls/short of the month.

Seal

Sd./- ILLEGIBLE  
Signature of the Appellate Authority  
Registrar Appellate Tribunal for  
Forfeited Property

Shri Nahar Singh,  
Court Attendant.

#### INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 7th February 1980

No. F. 48-Ad.(AT)/79.—1. Shri Y. Balasubramaniam, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on *ad hoc* basis in a temporary capacity for a period of three months from 1-9-1979 to 30-11-1979 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/79, dated 22-11-1979, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period of three months from 1-12-1979 to 29-2-1980, or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is *ad hoc* and will not bestow upon Shri Y. Balasubramaniam, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

2. Shri S. V. Narayanan, Senior Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches, Hyderabad who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on *ad hoc* basis in a temporary capacity for a period of three months from 1-9-1979 to 30-11-1979, vide this office notification No. F. 48-Ad(AT)/79, dated 22-11-1979, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period of three months from 1-12-1979 to 29-2-1980 or till the post is filled up on regular basis whichever is earlier.

The above appointment is *ad hoc* and will not bestow upon Shri S. V. Narayanan, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

3. Shri Naranjan Dass, officiating Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi, who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on *ad hoc* basis for a period of three months from 1-9-1979 to 30-11-1979 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/79, dated 29-11-1979, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on *ad hoc* basis for a further period from 1-12-1979 to 30-1-1980 (Forenoon).

The above appointment is *ad hoc* and will not bestow upon Shri Naranjan Dass, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

1. No. F. 48-Ad(AT)/79.—Shri T. L. Khanzode, Permanent Superintendent, Geological Survey of India, Central Region, Nagpur, is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th January, 1980 in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- until further orders.

He will be on probation for two years with effect from the 30th January, 1980.

2. No. F. 48-Ad.(AT)/79.—On the appointment of Shri T. L. Khanzode (nominee of Union Public Service Commission for the post of Assistant Registrar), Shri Naranjan Dass, who was officiating as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on *ad hoc* basis in a temporary capacity with effect from the forenoon of 17-10-1977, is reverted to his original post of Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, with effect from the forenoon of 30th January, 1980.

The 12th February 1980

No. F. 48-Ad.(AT)/79.—Shri Y. Balasubramaniam, Officiating Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, who is officiating as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, on *ad-hoc* basis in a temporary capacity with effect from the forenoon of 25th March, 1976, is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on regular basis (against promotion quota)

with effect from the forenoon of 5th February, 1980 in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- until further orders.

Shri Y. Balasubramaniam will be on probation for two years with effect from the 5th February, 1980.

T. D. SUGLA  
President

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/79/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 3343/35D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ex-Hawaldar Shri Bakhtawar Singh  
S/o Shri Suhel Singh,  
Village Kakron, P.O. Krishan Pur, Distt. Ropar  
Through Spl. Power of Attorney Shri Dalip Singh  
S/o Shri Jawand Singh,  
H. No. 3343/35D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Mrs. Surinder Kaur W/o Shri Dalip Singh Thind,  
H. No. 3343/Sector 35D, Chandigarh. (Transferee)
- (3) 1. Shri Bishan Dass,  
2. Shri Nirmal Singh,  
Resident of 3343/35-O, Chandigarh.  
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 3343/Sector 35D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale Deed No. 411 of June 79 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th February 1980

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/170/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 90.50 sq. yards at Bharat Nagar Road near Bus Stand situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nirmal Singh S/o Shri Kartar Singh,  
S/o Shri Ujagar Singh  
R/o Village Bhattian, Tehsil Ludhiana, now at H. No. 1168, Sector 18-C, Chandigarh. (Transferor)
- (2) S/Shri Satnam Singh, Mohinderpal Singh, Devinderpal Singh S/o Shri Bhagwan Singh,  
Resident of 34, Model Gram, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot measuring 90.50 sq. yards situated at Bharat Nagar Road near Bus Stand, Ludhiana. The property as mentioned in the sale deed No. 1550 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

**SUKHDEV CHAND**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th February 1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Air Commodore A. D. Dutt S/o Shri M. R. Dutt, 11, South Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Gurbax Kaur Sandhu  
W/o Lt. Col. Savinder Singh Sandhu,  
323/9D, Chandigarh.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/68/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1399, Sector 33C situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1399, Sector 33C Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale Deed No. 378 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th February 1980

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/99/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 2225/Sector 21C, Plot No. 45, Street-E situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Kartar Singh Jolly S/o S. Dial Singh Jolly, Sion Road Bombay, Through his General Power of Attorney Shri Harbans Singh Jolly S/o Dr. Kartar Singh Jolly, Addl. Chief Engineer, All India Radio, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

- (1) Shri Narinder Singh Bhatia  
S/o Shri Sunder Singh Bhatia,  
Manager, Punjab & Sind Bank Ltd. Jullundur City.

(Transferee)

- (3) Sh. H. C. Kapoor, Sh. B. M. Chopra and Sh. Rasam  
R/o H. No. 2225, Sector 21-C, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 2225, Sector 21C, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale Deed No. 501 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th February 1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/113/19-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

SCO site No. 75, Sector 31C situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Sathir Singh Kohli  
S/o Shri Tirlochan Singh,  
R/o H. No. 1025, Sector 21-A, Chandigarh.

(Transferor)

(1) Shri Baldev Raj Sethi  
S/o Shri Lala Amar Nath Sethi,  
No. 6, Timber Market, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

SCO site No. 75, Sector 31C, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale Deed No. 589 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th February 1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/108/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 85, Sector 33A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Hargopal S/o Shri Tulsi Das of 10730/15, Gali Gurdwara Nabi Karim, Jhandewala, New Delhi Through his General Power of Attorney Shrimati Sudesh Kumari Sachdeva W/o Shri Kasturi Lal Sachdeva resident of H. No. 2628/22-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Kasturi Lal Sachdeva  
S/o Shri Kanshi Ram,  
R/o H. No. 2628, Sector 22-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 85, Sector 33A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale Deed No. 559 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th February 1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/95/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 282, Sector 11-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Sahdev Gupta S/o Shri Ram Sarup Gupta,  
C/o Dev Eye Hospital, Idgah Road,  
Ambala Cantt. (Haryana).

(Transferor)

- (2) Shri Amarjit Singh Sodhi  
S/o Shri Tarlochan Singh Sodhi,  
R/o V. Manawan, Teh. Zira, Distt. Ferozepur.  
Smt. Bhupinder Jit Kaur Sodhi  
W/o Shri Amarjit Singh Sodhi,  
R/o V. Manawan, Teh. Zira, Distt. Ferozepur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 282, Sector 11-A, Chandigarh.  
(The property mentioned in the sale deed No. 496 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th February 1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/132/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 106, Sector 36A situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
21—486GI/79

(1) Group Capt. Kuldip Singh Bhatia  
S/o Shri Bhagat Singh Bhatia,  
122, Kailash Colony, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Shri Inderjit Bhardwaj,  
S/o Pt. Jai Chand Bhardwaj,  
H. No. 3016, Sector 21-D,  
Chandigarh.  
Mrs. Raj Bhardwaj  
W/o Shri Inderjit Bhardwaj,  
H. No. 3016, Sector 21-D,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 106, Sector 36A, Chandigarh.  
(The property mentioned in the Sale Deed No. 772 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th February 1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/165/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3869, Sector 32-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Chandigarh in July/August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sunder Singh S/o Shri Bakh'awar Singh  
R/o Village & Post Office Bhuchio Khurd, Distt. Bhatinda through his general power of attorney Shri Belhar Singh S/o Shri Jagat Singh  
R/o H. No. 79, Sector 16-A, Chandigarh.  
(Transferor)

- (2) Shri Gurbaksh Singh S/o Shri Kala Singh  
R/o 6044, Street No. 23, Nawan Kot, Amritsar (Punjab).  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Plot No. 3869, Sector 32-D, Chandigarh.  
(The property mentioned in the Sale Deed No. 959 of July/August, 1979 of the Registering Authority Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th February 1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. JGN/43/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Agricultural land measuring 35 kanals 15 marlas situated at Vill. Agwar Lopo Kalan Teh. Jagraon Distt. Ludhiana and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Pritam Kaur widow and Smt. Ardas Kaur d/o Shri Wahguru Baksh Singh, S/Shri Kartar Singh, Ranjit Singh, Kulwant Singh self and General Attorney for his brother Shri Avtar Singh s/o Shri Niranjana Singh S/o Shri Natha Singh Resident of Agwar Dalla (Jagraon).

(Transferor)

(2) S/Shri Saudagar Singh, Nazar Singh & Bahadur Singh Ss/o Shri Gurdial Singh s/o Shri Anokh Singh and S/Shri Ranjit Singh, Gurnam Singh Ss/o Shri Karam Singh S/o Shri Anokh Singh Resident of Agwar Lopo Kalan Tehsil Jagraon, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 35 kanals 15 marlas situated at Village Agwar Lopo Kalan, Tehsil Jagraon Distt. Ludhiana.

(The property mentioned in the Sale Deed No. 1068 of June, 1979 of the Registering Authority, Jagraon.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th February 1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. SNG/62/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 4 bighas Pucca situated at Village Akoi Sahib Tehsil Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sangrur in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Dass s/o Shri Kundan Lal  
R/o Village Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(Transferor)

(2) Shri Gurdial Singh s/o Shri Kaka Singh  
R/o Banganwali Tehsil Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land measuring 4 bigha pucca situated at Village Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(The property as mentioned in the Sale Deed No. 1192 of June, 1979 of the Registering Authority, Sangrur.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th February 1980

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. SNG/67/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land measuring 3 bigha Pacca situated at Village Akoi Sahib Tehsil Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Dass s/o Shri Kundan Lal,  
Resident of Village Akoi Sahib Teh. Sangrur.  
(Transferor)

(2) Smt. Gurdev Kaur w/o Shri Bakhshi Singh  
Resident of Badrukhan Teh. Sangrur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 3 bighas pacca situated at village Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(The property mentioned in the Sale Deed No. 1203 of June, 1979 of the Registering Authority, Sangrur.

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th February 1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. SNG/68.79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land measuring 3 bighas pacca situated at Village Akoi Sahib Teh. Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Dass s/o Shri Kundan Lal,  
Resident of Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(Transferor)

- (2) Shri Bir Singh s/o Shri Kishan Singh of  
Village Banganwali Teh. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 3 bighas pacca situated at Village Banganwali Teh. Sangrur.

(The property mentioned in the Sale Deed No. 1204 of June, 1979 of the Registering Authority, Sangrur.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th February 1980

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/168/79-80.—Whereas I SUKHDEV CHAND being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House property No. B-XVIII/377 (Plot No. 471/L) situated at Model Town, Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Saranagat Singh  
S/o Shri Kirpal Singh s/o Shri Thakur Singh  
resident of 471-L, Model Town, Ludhiana.  
(Transferor)
- (2) Sardar Sant Singh son of Shri Punjab Singh  
S/o Shri M. har Singh  
Resident of 471, Model Town, Ludhiana, and  
Shri Jatinder Sarup Singh s/o Shri Atam Sarup Singh  
S/o Shri Udam Singh  
Resident of 558, Sector 18-B, Chandigarh.  
(Transferee)
- (3) Shri Jatinder Sarup Singh,  
R/o 471-L, Model Town, Ludhiana.  
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. B-XVIII/377 (Plot No. 471/L) situated at Model Town, Ludhiana.

(The property mentioned in the Sale Deed No. 1521 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th February 1980

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/R/101/79-80.—Whereas, I,

SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 64 kanals

situated at Vill. Gorsian Hakam Rai Teh. &amp; Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mangal Singh S/o Shri Lakha Singh  
Resident of Gorsian Hakam Rai Teh. and Distt. Ludhiana.

(Transferor)

- (2) S/Shri Ajit Singh, Baldev Singh and Gurdeep Singh  
Ss/o Shri Arjan Singh and  
Shri Karnail Singh son of Shri Jagat Singh  
Resident of Rajapur Tehsil and Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 64 kanals situated at V. Gorsian Hakam Rai Teh. & Distt. Ludhiana.

(The property mentioned in the Sale Deed No. 2445 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th February 1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref No. AMD/18/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 21 bighas 10 biswas situated at Village Bahleej Kalan Tehsil Ahmedgarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedgarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22—486GI/79

- (1) Shri Bir Singh S/o Shri Harnam Singh  
S/o Shri Diya Singh  
Resident of Village Chhapar Tehsil & Distt. Ludhiana  
(Transferor)
- (2) Shri Gurnam Singh s/o Shri Surjan Singh S/o Shri Uttam Singh and S/Shri Jit Singh and Joginder Singh  
Ss/o Shri Gurnam Singh S/o Shri Surjan Singh resident of Village Chhapar Teh. & Distt. Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 21 bighas 10 biswas situated at Vill. Dahleej Kalan Tehsil Ahmedgarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1005 of June, 1979 of the Registering Authority, Ahmedgarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th February 1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/R/71/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 6 bighas 6 biswas 15 biswasi situated at Village Kuraika Tehsil &amp; Distt. Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Arjan Singh S/o Shri Natha Singh S/o Shri Bhagwan Singh resident of Village Kuraika Tehsil & Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Balbir Singh and Mukhtiar Singh Ss/o Shri Harnam Singh Resident of Village Kuraika Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 6 bighas 6 biswas 15 biswasi situated at Village Kuraika Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1913 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 15th February 1980  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. JGN/46/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 28 Kanals, 8 marlas situated at Vill. Agwar Gujran Tehsil Jagraon (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Avtar Singh  
S/o Shri Mehar Singh  
S/o Shri Teja Singh  
R/o Vill. Agwar Gujran Tehsil Jagraon.

(Transferor)

- (2) Shri Buta Singh  
S/o Shri Gurdial Singh  
S/o Shri Rar Singh  
R/o Vill. Agwar Gujran Teh. Jagraon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agrl. land measuring 28 kanals 8 marlas situated at Vill. Agwar Gujran Tehsil Jagraon Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1158 of June, 1979 of the Registering Authority, Jagraon).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/R/100/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl land measuring 75 kanals 16 marlas situated at Vill. Kum Kalan Tehsil Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Balbir Singh, Jagtar Singh,  
Shangara Singh & Avtar Singh  
Ss/o Shri Piara Singh  
R/o Kum Khurd Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Mohinder Kaur  
w/o Shri Sukhdev Singh  
s/o Shri Mewa Singh  
r/o Village Saudi Tehsil Samrala  
Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 75 kanals 16 marlas situated at Vill. Kum Kalan Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1637 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana

Date : 15-2-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/R/103/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 28 kanals 1 marlas situated at Village Rurka Tehsil Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Sakandar Singh & Ajmer Singh  
ss/o Shri Puran Singh  
s/o Shri Pokhar Singh  
r/o Kum Kalan Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Shri Pargat Singh  
s/o Shri Bhan Singh  
s/o Shri Rur Singh  
r/o Rurka Tehsil Ludhiana.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 28 kanal 1 marlas situated at Vill. Rurka Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2423 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/R/92/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 36 kanal 2 marlas situated at Vill. Baura, H. No. 36, Tehsil Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Prem Singh  
s/o Shri Wazir Singh  
s/o Shri Hazara Singh  
r/o Village Baura Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

- (2) S/Shri Santokh Singh Gurdev Singh  
ss/o Shri Bachan Singh  
s/o Shri Bhagat Singh  
r/o Jhugian Kadar, Teh. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 36 kanal 2 marlas situated Baaura H.B. 36, Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2373 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-2-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/R/105/79-80.—

Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under

section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl. land measuring 26 kanal 8 marlas situated at Vill. Lalton Kalan Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Ranjit Kaur  
do Shri Chanan Singh  
r/o Lalton Kalan Tehsil & Distt. Ludhiana.  
(Transferor)

(2) S/Shri Nachhatar Singh & Zabar Singh  
ss/o Shri Gurdev Singh  
r/o 106, South Model Gram, Ludhiana.  
(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 26 kanal 8 marlas situated at Vill.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2558 of June 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/R/93/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land measuring 26 kanals 18 marlas situated at Vill. Lalton Kalan Tehsil Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ludhiana in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Smt. Ranjit Kaur  
d/o Shri Chanan Singh  
r/o Lalton Kalan Teh. & Distt. Ludhiana.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Nachhatar Singh, Zabar Singh  
ss/o Shri Gurdev Singh  
r/o 106, South Model Gram, Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 26 kanals 18 marlas situated at Vill. Lalton Kalan Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2398 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)

Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/R/113/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land measuring 25 kanal 10 marlas situated at Vill. Lalton Kalan Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
23—486GI/79

- (1) Smt. Ranjit Kaur  
d/o Shri Chanan Singh  
r/o Lalton Kalan Teh & Distt. Ludhiana.  
(Transferor)

- (2) S/Shri Nachhatar Singh, Zabhar Singh  
ss/o Shri Gurdev Singh  
r/o-106, South Model Gram. Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 25 kanal 10 marlas situated at Vill. Lalton Kalan Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2930 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax  
Acquisition Range  
Ludhiana

Date : 15-2-1980  
Seal :

**FORM IIS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/136/79-80.—Whereas, I,  
**SUKHDEV CHAND**  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition  
 Range, Ludhiana  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
 and bearing  
 Plot No. 16-C measuring 2648 sq. yds. situated at  
 Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the office of the Registering Officer at  
 Ludhiana in June, 1979  
 for an apparent consideration which is less than the fair market  
 value of the aforesaid property and I have reason to believe  
 that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
 the apparent consideration therefor by more than fifteen per  
 cent of such apparent consideration and that the considera-  
 tion for such transfer as agreed to between the parties has not  
 been truly stated in the said instrument of transfer with the  
 object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
 (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following per-  
 sons, namely :—

- (1) Sub Harbhagat Singh s/o Shri Kirpa Singh  
 s/o Sh. Uttam Singh, r/o Abbuwal Teh. Jagraon  
 Self & General Attorney of S/Shri Hardev Singh,  
 Sarwan Singh s/o Sh. Ujagar Singh  
 r/o Bhanjari Pura, Teh. Jagraon &  
 Sh. Kuldip Singh s/o Sh. Harbhagat Singh  
 through Sh. Gurdial Singh, r/o  
 Abbuwal Teh. Jagraon Distt. Ludhiana.  
 (Transferor)
- (2) Sh. Sunil Mehtani s/o Sh. Niyee Rattan Mehtani  
 s/o Shri Chander Bhan Mehtani, r/o  
 27-B, Tagore Nagar, Ludhiana &  
 Sh. Sanjiv Chadha s/o Sh. Rajinder Chadha  
 r/o 12, College Road, Civil Lines, Ludhiana.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
 able property within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said Act  
 shall have the same meaning as given in  
 that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 16-C measuring 2648 sq. yds situated at Sarabha  
 Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1339 of  
 June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

**SUKHDEV CHAND,**  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,  
 Acquisition Range,  
 Ludhiana.

Date : 15-2-1980  
 Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. BRN/47/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHANDInspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition  
Range, Ludhianabeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearingAgrl. land measuring 38 bighas 17 biswas situated at  
Village Thuliwal Tehsil Barnala(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Barnala in June, 1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) S/Shri Ram Singh & Sukhdev Singh  
ss/o Shri Naranjan Singh  
s/o Shri Bakhtaur Singh &  
Shri Lachhman Singh  
so Shri Naranjan Singh  
s/o Shri Bakhtaur Singh  
r/o Vill. Thuliwal Teh. Barnala.

(Transferor)

- (2) S/Shri Jaswant Singh & Jora Singh  
ss/o Shri Ishar Singh  
r/o Vill. Khanpur Barnala)  
s/o Shri Ralla Singh &  
S/Shri Bhupinder Singh, Tara Singh and  
Harjit Singh ss/o Sh. Ajmel Singh  
s/o Shri Dalip Singh  
r/o Balga Tehsil Ludhiana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the  
respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 38 bighas 17 biswas situated at Vill.  
Thuliwal Tehsil Barnala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3701 of  
June 1979 of the Registering Authority, Barnala).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-2-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. SNG/65/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 4 bighas pucca situated at Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Dass  
s/o Shri Kundan Lal  
r/o Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(Transferor)

- (2) Shri Bhagar Singh  
s/o Shri Gurdial Singh  
r/o Banganwali Teh. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 4 bighas pucca situated at Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1195 of June, 1979 of the Registering Authority, Sangrur.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-2-80

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. ENG/64/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl. land measuring 3 bighas pucca situated at Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Dass  
s/o Shri Kundan Lal  
r/o Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur. (Transferor)
- (2) Shri Balbir Singh  
s/o Shri Gurdial Singh  
r/o Banganwali Teh. Sangrur. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 3 bighas pucca situated at Vill. Banganwali Teh. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1194 of June, 1979 of the Registering Authority, Sangrur.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-2-80

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Dass  
s/o Shri Kundan Lal  
r/o Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**

(2) Smt Raghbir Kaur  
w/o Sh. Kartar Singh  
r/o Banganwali Teh. Sangrur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. SNG/61/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 4 bighas pacca situated at Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agri. land measuring 3 bighas pacca situated at Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1191 of June, 1979 of the Registering Authority, Sangrur.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-2-80  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Ram Dass  
s/o Shri Kundan Lal  
r/o Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur. (Transferor)
- (2) Shri Surjit Singh  
s/o Shri Kartar Singh  
r/o bangawali Teh. Sangrur. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. SNG/63/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 4 bighas pacca situated at Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur

(and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 4 bighas pacca situated at Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1193 of June, 1979 of the Registering Authority, Sangrur.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-2-80  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.  
LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. SNM/21/79-80.—Whereas, I,  
**SUKHDEV CHAND**Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition  
Range, Ludhianabeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingAgrl. land measuring 59 kanals 17 marlas situated at  
Vill. Chhajla Tehsil Sunam(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Sunam in June, 1979for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) S/Shri Ran Singh & Surjit Singh  
ss/o Shri Mukand Singh  
r/o Vill. Chhajla Tehsil Sunam.

(Transferor)

- (2) Shri Major Singh  
s/o Shri Gurdev Singh,  
S/Shri Karnail Singh, Jarnail Singh &  
Gurbaj Singh ss/o Shri Surjit Singh  
r/o Vill. Chhajla Tehsil Sunam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agrl. land measuring 59 kanal 17 marlas situated at Vill.  
Chhajla Tehsil Sunam.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1455 of  
June, 1979 of the Registering Authority, Sunam).

**SUKHDEV CHAND,**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-2-80

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gamdoor Kaur  
w/o Shri Dalip Singh  
r/o Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1979

Ref. No. PTA/180/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHANDInspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition  
Range, Ludhianabeing the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.Residential plot situated at Bandungar, Patiala  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Patiala in June, 1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

24—486GI/79

(2) Shri Sawan Ram  
s/o Shri Bir Bhan &  
Shri Mangal Khan  
s/o Shri Jeon Khan  
r/o Kathmathi  
c/o M/s. Mesh Raj Pawan Kumar,  
Karyana Dealer, Ajit Nagar, Patiala,  
S/Shri Ramesh Kumar, Balwant Rai  
ss/o Shri Brij Pal  
r/o Uklana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot situated at Bandungar, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2319 of  
June, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)SUKHDEV CHAND,  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.Date : 15-2-80  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/71/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 3258, Sector 35-D, Chandigarh situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Randhir Singh S/o S. Naurang Singh, r/o Mohalla Ahluwalia, V&PO Banur, Distt. Patiala.  
(Transferor)

(2) Shri Ishwar Singh Batra s/o Shri Kuldip Singh Batra, r/o House No. 3258/Sector 35D, Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 3258, Sector 35D, Chandigarh.

(The property as mentioned in sale deed No. 389 of June 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/77/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 3449 Sector 35D situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Prem Singh S/o Shri Ishar Singh r/o Village Sahauran, Teh. Kharar, Distt. Ropar through his special power of attorney Shri Punjab Singh S/o Shri Banta Singh r/o Village Bohal, Distt. Ropar.  
(Transferor)

(2) Smt. Amrik Kaur W/o Shri Punjab Singh, H. No. 3449, Sector 35-D, Chandigarh.  
(Transferee)

(3) Shri Hans Raj R/o H. No. 3449 Sector 35-D, Chandigarh.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 3449, Sector 35-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in sale deed No. 409 of June 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competitive Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. PTA/165/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot in Narula Colony, near Punjabi Bagh and Government College of Education situated at Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jaswant Singh S/o Shri Atma Singh r/o Sheran Wala Gate, Ghass Mandi Patiala.

(Transferor)

- (2) Shri Devinder Singh S/o Shri Udham Singh, Narola Colony, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot in Narula Colony near Punjabi Bagh Govt. College of Education, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2094 of June 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-2-1980

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/92/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2320, Sector 35C, Chandigarh situated at Chandigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Chandigarh in June 1979, which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Capt Ganga Dhar Taneja (Retd.) s/o late Shri Mangu Ram resident of 59/2-B, Chander Nagar, Alam Bagh, Lucknow through his special power of attorney Shri Parveen Kumar Chawla s/o Shri Anand Parkash Chawla, resident of H. No. 2387/35-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar Chawla s/o Shri A. P. Chawla, resident of H. No. 2387/35-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2320, Sector 35C, Chandigarh.

(The property as mentioned in registration deed No. 490 of June 1979 of Sub-Registrar, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. Raj/94/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. land measuring 56B-15B situated at village Dhakansu Kalan, Tehsil Rajpura, Distt. Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajpura in July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Charanjit Lal S/o Shri Mela Ram S/o Shri Arjan Dass, r/o Govind Colony, Rajpura Township.

(Transferor)

- (2) S/Shri Jarnail Singh, Jaimal Singh Ss/o Shri Tara Singh S/o Shri Khushhal Singh r/o Village Dhakansu Kalan, Tehsil Rajpura, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 56B-15B situated in village Dhakansu Kalan, Rajpura.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1611 of July 1979 of the Registering Authority at Rajpura).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. CHD/83/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 56 Site No. 172, Sector 11-A, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Narinder Singh s/o Dr. Krishan Singh and Mrs. Ajinder Kaur w/o Shri Narinder Singh r/o H. No. 2118, Sec. 15, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri B. S. Bedi s/o Dr. K. S. Bedi and Mrs. Mohini Bedi w/o Shri B. S. Bedi resident of H. No. 503 Sector 18-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 56 Site No. 172, situated at Sector 11-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 438 of June 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-2-1980

Sd/-

FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. SMN/18/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 71 kanals 4 marlas situated at Vill Bahamana Tehsil Samana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Samana in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurdev Singh son of Shri Bishan Singh resident of Bahamana, Teh. Samana.  
(Transferor)

(2) Shri Dalip Singh son of Shri Atma Singh resident of Vill. Hajipur, Teh. Samana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 71 kanal 4 marlas situated at Vill. Bahamana Teh. Samana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 318 of June 1979 of the Registering Authority, Samana).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Jora Singh s/o Shri Budh Singh s/o Shri Matab Singh resident of Village Barnala Tehsil Barnala.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) S/Shri Bhagwan Dass, Prem Chand, Baldev Krishan, Bhim Sain sons of Shri Harbans Lal s/o Shri B. Chand and Sadhu Ram, Surinder Kumar, Prem Chand ss/o Shri Moti Ram s/o Shri Ram Rattan Village, Barnala Tehsil Barnala.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. BRN/40/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land measuring 8 kanals 7 marlas situated at Vill. Barnala Tehsil Barnala, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barnala, Tehsil Barnala,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—486GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 8 kanal 7 marlas situated at Vill. Barnala Tehsil Barnala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3665 of June 1979 of the Registering Authority, Barnala).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-2-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/174/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 31-A measuring 1000 sq. yds. situated at Industrial Area 'A', Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons:—namely:—

(1) Smt. Vimla Kapoor w/o Shri Mukand Lal Kapoor  
c/o M/s Raj Brothers, Raman Market, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Narinder Kaur wife of Shri Charanjit Singh s/o S. Gurbaksh Singh r/o B-IX-106, Mochpura, Ludhiana and Shri Parminder Singh s/o Shri Khazan Singh s/o Shri Bhagwan Singh c/o M/s National Machine Tools, National Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 31-A measuring 1000 sq. yds. situated at Industrial Area 'A', Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1583 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-2-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ram Dass s/o Shri Kundan Lal resident of Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Labh Kaur w/o Shri Pritam Singh r/o Badrukhan Teh. Sangrur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No SNG/66/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land measuring 3 bighas Pacca situated at Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sangrur in June 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 3 bighas pacca situated at Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1202 of June 1979 of the Registering Authority, Sangrur).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. SNG/70/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agrl. land measuring 4 bighas Pacca situated at Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Dass s/o Shri Kundan Lal r/o Akoi Sahib Tehsil Sangrur.  
(Transferor)

(2) Shri Ajaib Singh s/o Shri Gurdial Singh r/o Banganwali Teh. Sangrur.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 4 bighas pacca situated at Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1206 of June 1979 of the Registering Authority, Sangrur).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-2-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. SNG/69/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agrl. land measuring 3 bighas Pacca situated at Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Dass s/o Shri Kundan Lal r/o Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(Transferor)

(2) Smt. Chand Kaur w/o Shri Raghbir Singh resident of Banganwali Teh. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 3 bighas Pacca situated at Vill. Akoi Sahib Teh. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1205 of June 1979 of the Registering Authority, Sangrur).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-2-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. BRN/31/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land measuring 46 kanal 8 marlas situated at Village Nainawal Tehsil Barnala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Barnala in June 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) S/Shri Joginder Singh and Mohinder Singh ss/o Shri Harcharan Singh s/o Shri Nand Singh and Smt. Vir Inder Kaur wd/o Shri Jaswant Singh Power of attorney of Shri Amar Singh s/o Shri Puran Singh alias Shri Sampuran Singh s/o Shri Nand Singh residents of Vill. Nainawal Teh. Barnala.

(Transferor)

- (2) S/Shri Lal Singh, Babu Singh, Balaur Singh and Nirmal Singh sons of Shri Kartar Singh s/o Shri Basant Singh residents of Nainawal Tehsil Barnala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agri. land measuring 46 kanals 8 marlas situated at Village Nainawal Tehsil Barnala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2881 of June 1979 of the Registering Authority, Barnala).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-2-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/199/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/3rd of Plot No. 31K, Sarabha Nagar, situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rajinder Singh S/o Shri Pishora Singh, Village Burz Hakim, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Smt. Rajinder Kaur W/o Shri Harpal Singh, Village Burz Hakim, Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd of Plot No. 31K, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1748 of June 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-2-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/163/79-80.—Whereas I. SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/3rd share in Plot No. 40-K measuring 266-2/3 sq. yds. situated at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Rajinder Kaur w/o Shri Harpal Singh resident of Vill. Buraj Kakima Tehsil Jagraon Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Bawa Singh Randhawa s/o Shri Piara Singh Randhawa resident of Village Randhawa Teh. Phulaur Distt. Jullundur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in Plot No. 40-K measuring 266-2/3 situated at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1510 of June 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-2-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/164/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 2/3 share in Plot No. 40-K at Kartar Singh Sarabha Nagar situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
26—486GI/79

- (1) Shri Rajinder Singh s/o  
Sh. Pasaura Singh,  
r/o Vill. Buraj Hakima, Teh. Jagran,  
Distt. Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Shri Bawa Singh Randhawa s/o  
Sh. Piara Singh Randhawa,  
r/o Randhawa, Tehsil Phillaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 40-K measuring 533-1/3 sq. yds, situated at Sarabha Nagar, Ludhiana.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1511 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. LDH/202/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Three shops & Bldg., situated at 428-R, Model Town, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Parkash Wati w/o Sh. Inderjit Singh, c/o M/s Everest Cloth Mill, GT Road, Ghaziabad, UP. (Transferor)
- (2) Smt. Inder Kaur d/o Sh. Gyan Singh, 562, Model Town, Ludhiana. (Transferee)
- (3) 1. Sh. Krishan Lal  
2. Sh. Ajjakar Singh  
3. Sh. Ram Lal Sharma  
all R/o 428-R, Model Town, Ludhiana. [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three shops & Bldg. situated at 428-R, Model Town, Ludhiana.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1777 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-2-1980  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. KNN/20/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1K-13M of Land, situated at Khanna, Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khanna in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kartar Singh s/o Shri Nand Singh,  
s/o Sh. Jetha Singh,  
near Mohalla Kali Rauna, Khanna.

(Transferor)

(2) Shri Vasdev Surjit Kumar  
C/o Gold Link Radio Co.,  
G.T. Road, Khanna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 1K-13M, situated at Khanna.

(The property as mentioned in sale deed No. 592 of June, 1979 of the Registering Authority at Khanna).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Hyderabad, the 19th February 1980

Ref. No. NBA/91/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land measuring 2K3M(1485 Sq. yds) situated at Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Sh. Hira Lal s/o Sh. Harbans Lal  
r/o (Nau Ghara),  
Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Smt. Savitri Rani w/o Sh. Birbal Dass,  
s/o Maghi Ram,  
r/o Ghas Mandi, Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2K 3M (1485 Sq. yds), situated at Nabha.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 983 of June, 1979 of Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980  
Seal :



**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING,**

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. SML/19/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 4, measuring 1665 Sq. yds at Station Ward Barra, Simla

situated at Simla

and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Simla in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. D. Krishna w/o Sh. Parkash Krishna, 24-A, Nizamuddin West, Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Narinder Kaur wd/o Shri Ajit Singh and Swaran Singh, Lt. Harpreet Singh, Ss/o Shri Ajit Singh, r/o Sunder Bhawan, Tutu, Teh. & Distt. Simla.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 4, measuring 1665 Sq. yds, situated in Station Ward, Barra Simla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 339 of June, 1979 of the Registering Authority, Simla).

**SUKHDEV CHAND**

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/121/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 1252/Sector 33C, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chandigarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ved Parkash Ahuja, s/o  
Sh. Jiwan Mal Ahuja, r/o  
Sharka Bhan Trust, Arya Nagar,  
Jawalapur, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Shamsher Shukla s/o  
Sh. Puran Chand,  
r/o H. No. 2099, Sector 27-D,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential plot No. 1252 Sector 33C, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 659 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING,

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. SRD/72/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of and measuring 4-6 bighas  
situated at Village Ajhali, Teh. Sirhind

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Harnam Kaur wd/o  
Maj. General Jaswant Singh,  
through General Attorney  
Shri Harjit Singh s/o Sh. Hardayal Singh,  
r/o V. Ajnali, Teh. Sirhind,  
Distt. Patiala.

(Transferor)

- (2) M/s Rehal Industrial Corporation,  
G. T. Road, Mandi Gobindgarh,  
through S/Shri Harmesh Singh, Gurdeep Singh,  
Gurdev Singh Ss/o Shri Siri Ram,  
Mandigarh Gobindgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4-6 bighas, situated in V. Ajnali, Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 947 of June, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE,

## LUDHIANA

## CENTRAL REVENUE BUILDING,

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/82/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3119, Sector 32D situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Maj. Gen. K. K. Tewari A.V.S.M. (Retd) s/o Dr. C. D. Tewari C/o Brig. Harchand Singh, H. No. 1369, Sector 35D, Chandigarh through General Attorney Maj. Onkar Narain Singh s/o Sh. Harnarain Singh r/o H. No. 1357, Sector 34-C, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Mrs. Jasinder Kaur, d/o S. Mohinder Singh and w/o Shri Maj. Onkar Narain Singh, H. No. 460, Sector 37-A, Chandigarh.

(Transferee)

- (3) 1. Sh. K. K. Tewari (Maj. Genl.)  
2. Smt. Jasinder Kaur w/o Maj. Onkar Narain Singh, r/o H. No. 460, Sector 37-A, Chandigarh.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 3119, situated in Sector 32-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 421 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref.No. CHD/70/79 80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 3119, Sector 32-D  
situated at Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
27—486GI/79

(1) Maj. Gen. K. K. Tewari A.V.S.M. (Retd) s/o Dr. C. D. Tewari C/o Brig. Harchand Singh, H. No. 1369, Sector 25-D, Chandigarh through General Attorney Maj. Onkar Narain Singh s/o Sh. Harmandir Singh r/o H. No. 1357, Sector 24-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Jasinder Kaur, d/o S. Mohinder Singh w/o Shri Maj. Onkar Narain Singh, r/o H. No. 460, Sector 37-A, Chandigarh.

(Transferee)

(3) 1. Sh. K. K. Tewari (Maj. Genl.) H. No. 3119, Sector 32-D, Chandigarh.  
2. Smt. Jasinder Kaur w/o Maj. Onkar Narain Singh, r/o H. No. 460, Sector 37-A, Chandigarh.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 3119, situated in Sector 32-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 385 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. LDH/180/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. B-I-440(New)/B-I-264(old), situated at Bindraban Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 108) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Manohar Lal s/o Sh. Kishori Lal,  
Bagh Nauharla Mui Jain,  
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Bal Krishan s/o Shri Sant Lal,  
s/o Sh. Nand Lal,  
H. No. B-IV-1355-56, Misran Mohalla,  
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. B-I-440(New)/No. B-I-264(Old), Bindraban Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1628 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref No. LDH/200/79-80.—Whereas I SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. B-II-1695(New) and B-I-524 (Old) situated at Sabzi Mandi, G.T. Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

**for an apparent consideration which is**

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohinder Singh s/o Shri Karam Chand, s/o Hari Singh, r/o V. Gahor, Tehsil Dasuya, Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

- (2) Shri Sat Parkash s/o Shri Sain Dass, H. No.-B-II-1695, New Sabzi Mandi, G.T. Road, Ludhiana now at 173, Shri Ganesh Cycle Mart, Bangalore Road, Balkary, Karnataka.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. B-II-1695 (New)—B-I-524 (Old), Sabzi Mandi, G.T. Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in sale deed No. 1754 of June 1979 of the Registering Authority at Ludhiana).

**SUKHDEV CHAND**  
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING,

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. AML/44/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Land measuring 10 Bighas 15 Biswas, situated at Village Jassran, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Amloh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Darya Ram s/o Sh. Shianu  
r/o Vill. Nasrali, S. Tehsil Amloh,  
Distt. Patiala.

(Transferor)

- (2) S/Sh. Nachhatar Singh, Karnail Singh,  
ss/o Sh. Babu Singh,  
Rajinder Singh, Nirmal Singh ss/o Sh. Surjit Singh,  
Balvinder Singh, Gurdip Singh  
ss/o Sh. Malkiat Singh,  
r/o V. Kukkar Majra,  
S. Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 10 Bighas 15 Biswas, situated in village Jassran, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala (The property as mentioned in the Registration Deed No. 488 of June, 1979 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. SMN/17/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 100 kanal 17 marlas  
situated at Vill. Bahamana Tehsil Samana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Jas Kaur, and Man Kaur
- 
- s/o Sh. Sunder Singh,
- 
- r/o Vill. Bahamana, Teh. Samana.

(Transferor)

- (2) Shri Amar Singh s/o Sh. Sarwan Singh,
- 
- r/o Vill. Bahamana, Teh. Samana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 100 kanal 17 marlas, situated at Vill. Bahamana, Teh. Samana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 304 of June, 1979 of the Registering Authority, Samana).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA**

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/196/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 146-C, situated at Model Town, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patiala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) Smt. Purana Devi w/o Sh. Suraj Bhan,  
r/o Mohalla Nanu Mal,  
r/o Patiala.

(Transferor)

- (2) Smt. Raj Devi w/o Sh. Madan Lal Bhalla,  
Nanumal Mohalla,  
Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) ~~any~~ other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 146-C, situated at Model Town, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2545 of June, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. NBA/105/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land measuring 23 bighas 14 biswas, situated at Vill. Agaita Tehsil Nabha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Nabha in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sbri Nirbhai Singh & Charanjit Singh,  
s/o Sh. Harnek Singh,  
r/o Vill. Agaita, Teh. Nabha. (Transferor)
- (2) S/Sh. Bhagwant Singh, Gulzar Singh &  
Gurmit Singh, Kulwant Singh s/o  
Sh. Chand Singh,  
r/o Vill. Agaita, Teh. Nabha. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 23 bighas 14 biswas, situated at Vill. Agaita Tehsil Nabha.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1063 of June, 1979 of the Registering Authority, S Nabha).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. SRD/94/79-80.—Whereas I, SUKDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. Land measuring 24 Kanal, situated at Vill. Brahman Majra, Teh. Sirhind (Patiala)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Kartar Singh s/o Sh. Daya Singh r/o Vill. Khara Teh. Sirhind (Patiala)

(Transferor)

(2) Sh. Prem Singh s/o Sh. Khanna Singh, r/o Vill. Sangatpur Teh. Sirhind Sh. Pritpal Singh s/o Sh. Gurdev Singh r/o Vill. Barna & Sh. Baldev Singh s/o Dali Singh Vill. Khara Teh. Sirhind (Patiala).

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. Land measuring 24KOM, situated in Vill. Brahman Majra, Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1236 of June, 1979 of the Registering Authority, Sirhind.)

SUKDEV CHAND,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19 February 1980  
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hari Gopal s/o Sh. Baru Mal B-VI-612,  
Kucha Bainsi Ram Shivala Sangla Wala,  
Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Chand son of Shri Jamuna Dass, H. No.  
B-II-527, Moh. Karimpura, Ludhiana.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. LDH/191/79-80.—Whereas I, SUKDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property No. B-VIII-S-1/9, situated at Gokal Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

28—486G1/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. B-VIII-S-1/9 situated at Gokal Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1704 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19 February 1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Mehar Singh s/o Sh. Lachhman Singh resident of Vill. Jhull Teh. Malerkotla.

(Transferor)

(2) S/Shri -Jeet Singh, Gurmit Singh &amp; Darshan Singh sons of Shri Amar Singh, resident of Jhull, Teh. Malerkotla.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. MKL/25/79-80.—Whereas I, SUKDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land measuring 25 bighas situated at Vill. Jhull Tehsil Malerkotla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malerkotla in June, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 25 bighas situated at Vill. Jhull Teh. Malerkotla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1769 of June, 1979 of the Registering Authority, Malerkotla).

SUKDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19 February 1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF  
INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. BRN/48/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 38 bighas 17 biswas situated at Village Thuliwal Tehsil Barnala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barnala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) S/Sh. Naranjan Singh son & Smt. Nihal Kaur wd/o Sh. Bakhtaur Singh s/o Sh. Wazir Singh and Sh. Lachhman Singh son of Sh. Naranjan Singh s/o Sh. Bakhtaur Singh resident of Village Thuliwal Teh. Barnala.

(Transferor)

- (2) S/Sh. Bhupinder Singh, Tara Singh & Harjit Singh ss/o Sh. Ajmel Singh son of Sh. Dalip Singh resident of Bilga Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agrl. land measuring 38 bighas 17 biswas situated at Vill. Thuliwal Tehsil Barnala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2703 of June, 1979 of the Registering Authority, Barnala).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19 February 1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF  
INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. RKT/3/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 63 kanals situated at Village Attiana Sub-Teh. Raikot Dist. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raikot in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) S/Shri Zora Singh, & Jit Singh ss/o Sh. Kishan Singh resident of Halwara Sub-Teh. Raikot Distt. Ludhiana.

(Transferor)

- (2) S/Sh. Jatinder Singh & Charanjit Singh, Dharamjit Singh ss/o Shri Sukhdev Singh r/o Vill. Attiana Sub-Tehsil Raikot, Distt. Ludhiana.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 63 kanals situated at Vill. Attiana Sub-Teh. Raikot, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 271 of June, 1979 of the Registering Authority, Raikot).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19 February 1980

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. LDH/R/98/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

agrl. land measuring 70 kanal 15 marlas situated at Village Ghamayat Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Joginder Kaur d/o Arjan Singh Vill. Ghamayat Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

- (2) S/Sh. Balbir Singh, Jawand Singh & Pawitter Singh ss/o Sh. Ajit Singh, resident of Ghamayat, Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 70 kanals 15 marlas situated at Vill. Ghamayat Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1599 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19 February 1980

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. LDH/641/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl land measuring 70 kanals 15 marlas situated at Vill. Ghamayat Tehsil Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Joginder Kaur d/o Sh. Arjan Singh resident of Vill. Ghamayat, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Sh. Pawitter Singh & Gurdip Singh ss/o Sh. Sakandar Singh resident of Village Ghamayat Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 70 kanals 15 marlas situated at Vill. Ghamayat Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1763 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19 February 1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Hari Singh s/o Shri Kishan Singh s/o Sh. Ram Singh resident of Village Buttari Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Natha Singh s/o Sh. Khushia Singh resident of Dugri Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. LDH/R/91/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land measuring 44 kanals 11 marlas, situated at Village Buttari Teh. & Distt. Ludhiana

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 44 kanals 11 marlas situated at Vill. Buttari Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2346 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19 February 1980  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. LDH/138/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 14 measuring 110 sq. yds. situated at Bhadaur House Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Rajni Arora w/o Sh. Prem Nath Arora resident of 429, Mall road, Ludhiana.  
(Transferor)

(2) Smt. Gurmit Kaur Deval w/o Sh. Nahar Singh Deval Sh. Mahar Singh Deval s/o Sh. Sarwan Singh Deval resident of Bopa RaiKalan Teh. Jagraon.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 14 measuring 110 sq. yds situated at Bhadaur House Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1349 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19-2-1980.  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. LDH/R/79/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 80 kanals situated at Vill. Gorsian Hakam Rai Teh. & Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
29—486GI/79

- (1) Sh. Mangal Singh s/o Sh. Lakha Singh resident of Gorsian Hakam Rai Teh. & District Ludhiana.

(Transferor)

- (2) S/Shri Balbir Singh & Sakattar Singh sons of Sh. Mohinder Singh resident of Village Rajapur Tehsil & Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from a service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 80 kanals situated at Vill. Gorsian Hakam Rai Tehsil & Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2107 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19 February 1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. BRN/32/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land measuring 62 kanals 2 marlas situated at Vill. Naiwala Tehsil Barnala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barnala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Teja Singh son of Sh. Amar Singh s/o Sh. Natha Singh resident of Vill. Kotli Kalan Distt. Bhatinda.  
(Transferor)

(2) S. Sh. Antar Singh, Harbans Singh & Darshan Singh s/o Sh. Gurdial Singh resident of Village Barnala Teh. Barnala,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 62 kanals 2 marlas situated at Vill. Naiwala Tehsil Barnala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2973 of June, 1979 of the Registering Authority, Barnala).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19 February 1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. SMR/81/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 34 kanals 17 marlas situated at Vill. Rajewal Otalan Teh. Samrala Distt. Ludhiana

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samrala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties as not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rattan Singh s/o Sh. Somund Singh s/o Dewa Singh r/o Rajewal Teh. Samrala Distt. Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Shri Harbhajan Singh son of Sh. Kaur Singh alias Shri Bakhtawar Singh resident of Rajewal Teh. Samrala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 34 kanals 17 marlas situated at Vill. Rajewal Otalan Tehsil Samrala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2164 of June, 1979 of the Registering Authority, Samrala).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19 February 1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

## CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, 19th February 1980

Ref. No. SMR/67/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agri. land measuring 34 kanals 17 marlas situated at Vill. Rajewal, & Otalan Tehsil Samrala Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samrala in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Rattan Singh s/o Sh. Somund Singh s/o Dewa Singh r/o Rajewal Teh. Samrala Distt. Ludhiana  
(Transferor)

(2) Sh. Ajmer Singh s/o Sh. Kaur Singh alias Sh. Bakhtawar Singh resident of Rajewal Tehsil Samrala Distt. Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 34 kanals 17 marlas situated at Vill. Rajewal Otalan Tehsil Samrala.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1947 of June, 1979 of the Registering Authority, Samrala).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19 February 1980  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Nihal Kaur w/o Sh. Jaimal Singh resident of Bhogiwal Teh. Malerkotla.

(Transferor)

(2) Shri Nirmal Singh s/o Sh. Gurdial Singh resident of Vill. Khera Teh. &amp; Distt. Ludhiana.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, 19th February 1980

Ref. No. MKL/38/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl. land measuring 31 bighas 5 biswas situated at Vill. Bhogiwal Tehsil Malerkotla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malerkotla in June, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the (b) date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 31 bighas 5 biswas situated at Village Bhogiwal Tehsil Malerkotla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2188 of June, 1979 of the Registering Authority, Malerkotla).

SUKHDEV CHAND,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19 February 1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, 19th February 1980

Ref. No. SMR/54/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl. land measuring 34 kanals 17 marlas situated at Village Rajewal Otalan Tehsil Samrala Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samrala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rattan Singh s/o Sh. Somund Singh s/o Dewa Singh r/o Rajewal Teh. Samrala Distt. Ludhiana.  
(Transferor)
- (2) Shri Harbans Singh s/o Sh. Kaur Singh alias Shri Bakhtwara Singh resident of Rajewal Tehsil Samrala Distt. Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 34 kanals 17 marlas situated at Vill. Rajewal Otalan Tehsil Samrala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1727 of June, 1979 of the Registering Authority, Samrala).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19 February 1980  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. MKL/16/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Land measuring 10 bighas 16 biswas  
situated at Village Ratolan Sub-Teh. Malerkotla  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Malerkotla in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) S/Shri Charan Singh, Tek Singh  
Ss/o Shri Bhan Singh and  
Shri Bachan Singh son of Shri Bir Singh,  
Resident of Village Ratolan Tehsil Malerkotla.  
(Transferor)

(2) S/Shri Tehal Singh, Sukhdev Singh, Bir Singh  
Sons of Shri Sarwan Singh,  
Resident of village Malerkotla,  
Distt. Sangrur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 10 bighas 16 biswas situated in  
Village Ratolan Teh. Malerkotla, Distt. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No.  
1653 of June, 1979 of the Registering Authority, Maler-  
kotla.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19th February 1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. LDH/203/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Building No. B-XXIII-140 and Plot No. 22 situated at Industrial Area 'A', Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Subedar Mangat Rai  
S/o Shri Kundan Lal Aggarwal,  
Resident of Guptashaver Road, Madan Mahal,  
Jabalpur (M.P.) (Transferor)
- (2) Smt. Sudesh Rani w/o Shri Amar Nath,  
81, New Model Town, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Building No. B-XXIII-140 & Plot No. 22 situated at Industrial Area 'A', Ludhiana.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 1783 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.  
Jullundur.

Date : 19th February 1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. SRD/74/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 25 Bighas 4 biswas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sirhind in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

30—486GI/79

- (1) S/Shri Ram Singh and Prem Singh  
S/o Shri Kartar Singh  
R/o Village Lataur Teh. Sirhind. (Transferor)
- (2) Shri Narinder Singh and Sukhvinder Singh  
Ss/o Shri Jarnail Singh,  
R/o V. Rampur Kaleran Teh. Sirhind. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 25 bighas 4 biswas situated in Village Lataur Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the sale deed No. 991 of June, 1979 of the Registering Authority, Sirhind.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19th February 1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. SRD/109/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

land measuring 57 kanals 16 marlas situated at Village Badali Mai Ki, Teh. Sirhind (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pritam Singh adopted S/o Shri Bagh Singh, R/o V. Badali Mai Ki, Teh. Sirhind. (Transferor)

- (2) Smt. Ranjit Kaur W/o Shri Harbhajan Singh, Shri Prithpal Singh S/o Shri Harbhajan Singh, Of Chandigarh, vill Badali Mai Ki, Teh. Sirhind. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 57-K 16-M at V. Badali Mai Ki, Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1465 of June, 1979 of the Registering Authority, Sirhind.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19th February 1980

Sd/-

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. NBA/1010/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Agri. land measuring 29B18B situated in Village Thuhi  
situated at Village Thuhi Teh. Nabha  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Nabha in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefore by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) S/Shri Kuldip Singh, Bharpur Singh, Balbir Singh,  
Jant Singh, Dalip Kaur, Mata Nodh Singh  
S/o Kartar Singh,  
Village Thuhi, Teh. Nabha.

(Transferor)

(2) Shri Sukhdev Singh s/o Shri Surjan Singh,  
R/o Village Thuhi Teh. Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of pub-  
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 29B18B situated in Vill. Thuhi Teh.  
Nabha.

(The property as mentioned in the Registered deed No.  
1049 of June, 1979 of the Registering Authority, Nabha.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19th February 1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/107/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 3068, Sector 27D, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Niranjana Singh S/o Shri Cheta Singh  
Resident of Village post office Charun,  
Distt. Ropar.  
(Transferor)
- (2) Shri S. K. Sudhakar, IAS  
S/o Shri Daulat Ram and  
Mrs. Manju Sudhakar W/o Shri S. K. Sudhakar,  
Resident of H. No. 716, Sector-11-B,  
Chandigarh.  
(Transferee)
- (3) Shri Jagdish Sharma, Shri Samey Singh Yadav,  
Shri B. L. Chhabra, Shri Raj Kumar Singla,  
Shri Manohar Lal, Shri Lekha Ram and  
Shri Gurdev Singh,  
R/o H. No. 3068/Sector 27D, Chandigarh.  
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 3068, Sector 27-D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in sale deed No. 556 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/89/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. SCO No. 70, Sector 47D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer Chandigarh in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kesho Ram S/o Shri Lorinda Ram,  
H. No. 127, Sector 15A, Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) Smt. Sukhvinder Kaur W/o Shri Surinder Pal Singh,  
R/o Village Suffipur, Distt. Meerut (UP).  
(Transferee)
- (3) Shri Abdul, Prop.  
M/s. New Grand Bakery,  
SCO 70, Sector 47D, Chandigarh.  
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

SCO No. 70 Sector 47D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 479 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19th February 1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/72/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1380, Sector 34C, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri H. S. Sekhon S/o Shri J. S. Sekhon, R/o Sarkaria House, Patiala through his Special Attorney Smt. Satya Rani W/o Shri Ram Chand, Resident of H. No. 1380, Sector 34C, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Ram Chand S/o Shri Jiwa Ram, Resident of H. No. 1380, Sector 34C, Chandigarh. (Transferee)
- (3) Shri Vinod Sood, Resident of H. No. 1380, Sector 34C, Chandigarh. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1380, Sector 34C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 390 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19th February 1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/63/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land measuring 16 K 1 M being 1/6th share of 96 K 7 M situated at Village Behlana, U.T. Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kirpal Singh S/o Shri Hazara Singh,  
V. Manakpur Tehsil Rajpura, Distt. Patiala.  
(Transferor)
- (2) Shri Dayal Singh S/o Shri Ram Partap,  
V. Behlana, U.T. Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 16 Kanal 1 Marla situated in village Behlana, U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 352 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19th February 1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/101/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1707, Sector 34-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurdaa Singh Ahluwalia  
S/o Shri Kishan Singh  
Through spl. power of attorney  
Smt. Santosh Chopra w/o Shri P. R. Chopra,  
R/o H. No. 424, Sector 29-A, Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) Shri P. R. Chopra S/o Shri D. R. Chopra,  
R/o H. No. 424, Sector 29-A,  
Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1707 situated in Sector 34-D, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the Registration deed No. 516 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19th February 1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/69/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1571, Sector 36-D, Chandigarh  
situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

31—486/GI/79

(1) Lt. Col. Harjit Singh Grewal  
S/o Shri Bishan Singh  
R/o H. No. B-XX-833/1, Opp. Gurdev Nagar,  
Ludhiana through Shri Satish Kumar Saini  
S/o Shri Vidya Parkash Saini,  
R/o H. No. 1828, Sector 34-D, Chandigarh.  
(Transferor)(2) Shri Harinderjit Singh Kohli  
S/o Shri Gursharan Singh,  
R/o H. No. 2171, Sector 35-C,  
Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1571 situated in Sector 36-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 379 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19th February 1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/94/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1628, Sector 34-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Major Prithipal Singh Ghai  
S/o Lt. Col. Raghbir Singh Ghai,  
R/o H. No. 453, Model Town, Ludhiana through  
his special attorney Shri Satish Kumar Saini S/o  
Shri Vidya Parkash Saini, C/o Architects Atelier,  
S.C.O. No. 8, Sector 17E, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Rajinder Saini w/o Shri Satish Kumar Saini,  
Resident of House No. 1828, Sector 34C,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1628 Sector 34D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 494 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19th February 1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/110/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 2514, Sector 35C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Wing. Commr. Gursewak Singh Sidhu S/o Shri Kehar Singh through his special attorney Mrs. Gurdip Kaur wife of Sardar Raghbir Singh resident of house No. 57, Sector 5-A, Chandigarh.  
(Transferor)

(2) Sardar Harbans Singh S/o Late Sh. Ganga Singh  
(ii) Smt. Harbans Kaur d/o Shri Sadaram Singh  
(iii) Bimaljit d/o Sardar Harbans Singh, all r/o Hira Cold Storage, Ropar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2514, Sector 35C, Chandigarh.  
(The property as mentioned in sale deed No. 565 of June 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/104/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1703, Sector 33D, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Major N. N. Sehgal S/o Shri Janaki Nath Sehgal, 50, Jodhpur Hostel, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Mohinder Kaur W/o Shri Kulwant Singh, 3217, Sector 35D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1703, Sector 33D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 551 of June 1979 of the Registering Authority at Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :



## FORM IINS

(1) Shri Bag Singh s/o Sh. Gian Singh s/o, Sh. Bagel Singh resident of Vill. Jugiana Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Bee S. Industry through Sh. Brij Gopal, G. T. Road, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th February 1980

Ref. No. LDH/R/106/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl land measuring 11 kanals situated at Vill. Jugiana Teh. & Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 11 kanals situated at Vill. Jugiana Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2618 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Bishan Singh S/o Shri Anokh Singh, R/o V. Safedipur, Teh. Patiala.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Gucharan Singh, Gurnam Singh Ss/o Sh. Kaka Singh, R/o V. Daunkalan, Tehsil Patiala.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/113/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 23 B-18B situated at in Vill. Safedipur, Tehsil Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 23B-18B situated in V-Safedipur, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in sale deed No. 1547 of June, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Kartar Singh s/o Sh. Mehan Singh r/o Vill. Ajmali Teh. Sirhind.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Sh. Haudev Singh, Baldev Singh, Sukhdev Singh & Randhir Singh ss/o Kartar Singh s/o Sh. Harnam Singh s/o Vill. Kukkar Majra, Teh. Amlok (Patiala).  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. SRD/78/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural Land measuring 128 Bighas 5 Biswas situated at Vill. Ajmali Teh. Sirhind (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. Land measuring 12-5B situated in Vill. Ajmali, Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1023 of June, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. LDH/R/108/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 8 kanal 3½ marlas situated at Vill, Jugiana Tehsil Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Bag Singh s/o Sh. Gian Singh s/o Sh. Bagel Singh resident of Jugiana, Tehsil Ludhiana.  
(Transferor)

(2) Shri Annupal s/o Sh. Satya Parkash & Sh. Narinder s/o Sh. Hans Raj residents of Jugiana.  
Smt. Usha Rani w/o Shri Gian Chand S/o Sh. Ram Sarup, resident of Jugiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 8 kanals 3½ marlas situated at Vill, Jugiana Teh. & Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2724 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980  
Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/78/79-80.—Whereas, I, SNKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 3592, Sector 35-D, Defence Colony, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

32-486GI/79

- (1) Shri Abdul Aziz, (Washerman) s/o Shri Babu Khan, resident of V. & P.O. Burail, Chandigarh through special power of Attorney Shri Sital Dass Popli S/o Sh. Chander Bhan r/o 2748/Sector 22C, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Mrs. Krishana Popli w/o Shri Sital Dass Popli, R/o H. No. 3592/35D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Registered plot No. 3593, Sector 35-D, Defence Colony, Chandigarh.

(The property as mentioned in registration deed No. 410 of June, 1979 of Sub-Registrar, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. SNM/33/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV  
CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. Agricultural I and measuring 61 Kanals 16 Marlas situated  
at Vill. Khandebad, Tehsil Sunam

(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
Sunam in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Sh. Bakhtaur Singh s/o Sh. Baru Singh s/o Bir Singh  
& Sh. Gujjar Singh s/o Sh. Arur Singh r/o Pinjpora  
Tehsil Narwana (Haryana) Self & General Attorney  
of Sh. Sadhu Singh, Raunak Singh, Gajjan Singh,  
Santi, Gaj Kaur Sahadi, Har Kaur, Kakka Singh  
Nika Singh, Mehtab Kaur, Punjab Kaur, & Jai Kaur  
of Vill. Khandebad, Now at Vill. Pinjpora Teh.  
Narwana (Haryana).

(Transferor)

- (2) S/Sh. Gurbachan Singh, Kaka Singh, Nanak Singh  
ss/o Sh. Sucha Singh, Vill. Khandebad, Teh. Sunam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the days of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective per-  
sons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 61 kanals 16 marlas situated at  
Vill. Khandebad, Teh. Sunam.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1950 of  
June, 1979 of the Registering Authority, Sunam).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Pritam Singh s/o Shri Ishar Singh resident of Bhari Panechan, Tehsil Nabha.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Sh. Thakur Singh &amp; Charan Singh ss/o Sh. Mukhtiar Singh residents of Bhari Panechan, Teh. Nabha, Dist. Patiala.

(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. NBA/114/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 24 bigha 2 biswas, situated at Village Bhari Panechan Teh. Nabha (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nabha in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 24 bigha 2 biswas situated at Vill. Bhari Panechan, Tehsil Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1137 of June, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. NBA/100/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land measuring 11B15B, situated at Vill. Thuhi, Teh. Nabha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sh. Kuldip Singh, Balbir Singh, Bharpur Singh s/o Smt. Dalip Kaur w/o Sh. Kartar Singh r/o Vill. Thuhi, Teh. Nabha.  
(Transferor)
- (2) Smt. Surjit Kaur w/o Sh. Surjan Singh, Vill. Thuhi, Teh. Nabha.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 11B15B situated in Vill. Thuhi Distt. Patiala, Teh. Nabha.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1048 of June, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Basant Singh S/o Atru,  
R/o Village Raipur, Tehsil Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) S/Shri Jagir Singh, Mohinder Singh Balwant Singh  
s/o Shri Sampuran Singh R/o Village Raipur,  
Tehsil-Patiala.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/175/79-80.—Whereas I, SUKHDEV  
CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land measuring 1-73-68 Hectar (20-21 Bighas) situated at Village Raipur Tehsil Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 1-73-68 (i.e. 20-21 Bighas) situated in Village Raipur, Tehsil Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2244/ of June, 1979 of the Registering Authority, Patiala.

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTR/22/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 131 kanal 16 marla situated at Vill. Chungara S. Teh. Patran Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patran in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Sh. Amarjit Singh, Jagdev Singh, Labh Singh, Gurbinder Singh ss/o Sh. Joginder Singh, Dev Kaur, Baldev Kaur, Harcharan Kaur, Harminder Kaur d/o Sh. Joginder Singh, Dalip Kaur, Gurnam Kaur wd/o Sh. Joginder Singh, Nachhatar Kaur d/o Pritam Singh, Harnarain Singh s/o Pritam Singh & Beant Singh s/o Pritam Singh Self & General Attorney of Smt. Pawittar Kaur, Sukhpal Kaur ds/o Shri Pritam Singh & Tej Kaur wd/o Shri Pritam Singh all rs/o Vill. Chungara S. Teh. Patran Distt. Patiala.

(Transferor)

- (1) Sh. Karnail Singh s/o Sh. Chand Singh Smt, Tej Kaur wd/o Shri Chand Singh r/o Village Chungara S. Teh. Patran.

(Transferee)

- (3) Shri, Karanil Singh s/o Shri Chand Singh r/o Village Chungara, s. Teh. Patran Distt. Patiala

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. Land measuring 131 kanal 16 marla situated in Vill. Chungara Teh. Patran.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 797 of June, 1979 of the Registering Authority, Patran).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. AML/56/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs .25,000/- and bearing No.

Land 11 bighas 4 biswas

situated at V. Kukar Majra, S. Tehsil Amloh, Distt. Patiala. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Amloh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Nachhattar Singh, Harnek Singh ss/o and Nachhattar Kaur d/o Smt. Mohinder Kaur wd/o Shri Gurdial Singh r/o Vill. Kakar Majra, Mandi Gobindgarh, Teh. Amloh.

(Transferor)

- (2) S/Shri Gurcharan Singh, Jarnail Singh Ss/o Shri Karora Singh, Kulwant Singh, Baljit Singh, Gurnam Singh Ss/o Sh. Gurbachan Singh resident of V. Kukar Majra, S. Tehsil Amloh, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 11 bighas 4 biswas at Kukar Majra, S. Teh. Amloh.

(The property as mentioned in sale deed No. 562 of June, 1979 of the Registering Authority at Amloh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. AML/72/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 16 Biswas

situated at Vill. Nasrali S. Teh. Amloh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Naurata Singh s/o Shri Rulia Singh r/o Vill. Nasrali S. Teh. Amloh. (Transferor)
- (2) 1. M/s V. P. Steel Sales, Mandi Gobindgarh through Sh. Faquir Chand s/o Sh. Naurata Ram r/o Mandi Gobindgarh S. Teh. Amloh.  
2. Shri Om Parkash s/o Sh. Jagan Nath r/o Mandi Gobindgarh.  
3. Shri Ram Lubhya s/o Rakha Ram c/o Punjab National Bank Sirhind.  
4. Shri Romesh Kumar Jain s/o Shri Lal Chand Jain.  
5. Smt. Nirmala Rani w/o Sh. Romesh Kumar Jain c/o Bajran Steel Rolling Mills, Mandi Gobindgarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The land measuring 16 Biswa situated in Vill. Nasrali S. Teh. Amloh Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 732 of June, 1979 of the Registering Authority, Amloh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. Raj/68/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. Land measuring 16B 12B situated at Vill. Moja Ajror Teh. Rajpura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajpura in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

33—486GU/7

- (1) Shri Kahan Singh s/o Shri. Gulab Singh r/o H. No. 5501, Niklson Road, Ambala Cantt, Self and General Attorney of Sh. Attar Singh & Kirpal Singh sons and Parwati and Budhwati ds/o Shri. Gulab Singh r/o Moja Ajror Teh. Rajpura (Patiala).

(Transferor)

- (2) Shri Bhag Singh s/o Fauja Singh & Dial Singh s/o Shri Bhag Singh r/o Moja Ajror Teh. Rajpura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. Land measuring 16B 12B situated in Vill. Moja Ajror Teh. Rajpura.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1435 of June, 1979 of the Registering Authority, Rajpura.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/76/79-80.—Whereas J. SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Godown No. 182, Grain Market Sector 26, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Kidar Nath Sharma & Sons through (i) Shri Kidar Nath Sharma s/o Shri Madho Ram (ii) Shri Vinod Kumar & (iii) Shri Sham Sunder ss/o Shri Kidar Nath Sharma, r/o H. No. 229, Sec. 9, Chandigarh,

(Transferor)

- (2) Smt. Nirmala Devi Gupta w/o Shri. Ved Parkash, Karyana Merchant Tandooran Bazar, Ambala City (Haryana),

(Transferee)

- (3) 1. Shri Bhim Singh, Partner  
M/s Sat Parkash Laj Pat Rai  
No. 182, Grain market, Sector 26, Chandigarh  
2. M/s Sat Parkash Laj Pat Rai 182, Sector 26, Chandigarh,

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Godown No. 182 situated in Grain Market, Sector 26, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 406 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/106/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1444 situated in Sector 34-C situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Capt Hoshiar Singh Yadav s/o Shri Rati Ram r/o V. Nawada Fateh Pur Teh & Distt Gurgaon through Smt. Mohan Kaur w/o Sh. Harbans Singh resident of 1444, Sec. 34-C, Chandigarh. (Attorney).  
(Transferor)
- (2) Master Paramjit Singh (M) s/o S. Harbans Singh through his father & N/G sh. Harbans Singh, 1444, Sector 34-C, Chandigarh.  
(Transferee)
- (3) Station Commander M.E.S.  
r/o H. No. 1444, Sector 34-C, Chandigarh.  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 1444 situated in Sector 34-C, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 555 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jagat Singh s/o Shri. Gujjar Singh,  
r/o Vill. Bishan Garh Teh. Nabha.

(Transferor)

(2) Shri Balbir Singh, Chamkaur Singh, Piara Singh s/o  
S. Gurdial Singh & Gurcharan Singh s/o Gurnam  
Singh and Jhujhar Singh s/o Shri Hardial Singh  
r/o Vill. Ghaiwal Teh. Nabha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. NBA/66/79-80.—Whereas I, SUKHDEV  
CHAND,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.Agrl. Land measuring 20B6B situated at Vill. Bishan  
Garh Teh. Nabha(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Nabha in June, 1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. Land measuring 20B6B situated in Vill. Bishangarh  
Teh. Nabha.

(The property as mentioned in the Registered Deed No.  
738 of June, 1979 of the Registering Authority, Nabha.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. NBA/116/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 21 Bighas situated at V. Mandaur, Teh. Nabha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nabha in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Amar Kaur W/o Shri Kirpal Singh, Smt. Mohinder Kaur W/o Shri Zora Singh r/o Vill. Dandrala Dhindsa & Surjit Kaur W/o Shri Atma Singh, Vill. Todarwal, Teh. Nabha. (Transferor)
- (2) Shri Gurmail Singh, Ranjit Singh Harjit Singh ss. o Sh. Mohinder Singh r/o V. Mandaur, Teh. Nabha. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 21 Bighas situated in Vill. Mandaur, Teh. Nabha.

(The property as mentioned in sale deed No. 1146 of June, 1979 of the Registering Authority, Nabha.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. LDH/R/107/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 1 bigha 10 biswas 13 biswasi situated at Vill. Jugiana Teh. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by **more than fifteen per cent of such apparent consideration and** that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) **facilitating the reduction or evasion of the liability** of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) **facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bagh Singh s/o Shri Gian Singh resident of Vill. Jugiana Tehsil Ludhiana.  
(Transferor)
- (2) M/s Gupta Enterprises B-VI Textile Colony, Ludhiana.  
Smt. Sushma W/o Sh. Siya Ram S/o Sh. Nathu Ram, resident of Jugiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha 10 biswas 12 biswasi at Vill. Jugiana Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2682 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/105/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 7B-17B situated at V. Alipur Arayian, Teh. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohan Sarup Singh S/o Sh. Anand Sarup Singh R/o Village Alipur Arayian, Teh. Patiala. Now r/o Puri Road, Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Nachhatar Kaur W/o Shri Gurdial Singh R/o Village Nananwala, Tehsil Ambala.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 7B-17B situated in V. Alipur Arayian, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1472 of June, 1979 of the Registering Authority at Patiala.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,

Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/176/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 47 B16 Biswa situated at Vill. Sher Majra Teh. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurbachan Singh s/o Shri Bir Singh r/o Vill. Sher Majra Teh. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Gurbaksh Singh s/o Bir Singh r/o Vill. Sher Majra Teh. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 47 B16B situated in Vill. Sher Majra Teh Patiala.

(The property described in the Registered Deed No. 2257 of June, 79 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mohan Sarup Singh S/o Shri Anand Sarup  
R/o V. Alipur Arayian, Tehsil Patiala.  
(Transferor)

(2) Shri Surinder Singh S/o Sh. Tek Singh R/o Distt.  
Transport Officer, Patiala.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/110/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Measuring 6B 5B in V. Alipur Aryian, situated at V. Alipur Arayian, Tehsil Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patiala in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

34—486GI/79

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Land measuring 6B-5B situated in Vill. Alipur Ariayan, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in sale deed No. 1525 of June, 1979 of the Registering Authority at Patiala.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/186/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. Land 7B-4B situated at village Alipur Arayian, Teh. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) Shri Pritam Singh S/o Shri Punjab Singh, r/o Vill. Alipur Arayian, Teh. Patiala,  
(Transferor)
- (2) Shri Balkar Singh S/o Shri Teja Singh, r/o village Alipur-Arayian, Tehsil Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 7B-4B situated in Vill. Alipur Arayian, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in Regd. Deed No. 2362 of June, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/115/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 3030 situated at Sec. 35-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. E. Major Sohan Singh S/o Shri Bhagat Singh through Sh. Inder Ject Malhotra s/o Sh. Ladha Ram Malhotra r/o The Nest, near Lady Reading Hospital Simla-I as substitute General Attorney of Sh. Bakhshish Singh s/o S. Hazara Singh r/o 341, Industrial Area, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Raj Malhotra w/o Sh. Inderjit Malhotra The Nest, Near Lady Reading Hospital, Simla-I.
- (3) Shri C. P. Bali of State Bank of India and Shri A. S. Chawal R/o H. No. 3030, Sector 35D, Chandigarh. (Person in occupation of the property).
- (4) Shmt. Sukhbir Kaur W/o Shri Bakhshish Singh, 341, Indl. Area, Chandigarh (Person whom the undersigned knows to be interested in the property) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 3030 situated at Sector 35-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 596 of June 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. DHR/9/79-80.—Whereas I, SUKHDEV  
CHAND,

being the Competent Authority under Section 269-B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. Land, measuring 48 K-3M situated at V. Harike  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at Dhuri in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Smt. Gurdev Kaur Wd/o Shri Maghar Singh S/o Sh.  
Mal Singh, Village Harikey C/o Shri Harnek Singh  
S/o Sh. Natha Singh, V. Pakho Kalan (Barnala) and  
Shri Karnail Singh S/o Shri Kartar Singh, V.  
Kaleke.

(Transferor)

- (2) S/Shri Malkiat Singh, Dalip Singh ss/o Shri Harnam  
Singh s/o Shri Pal Singh, Jat Sikh, V. Harikey and  
Shri Gurcharan Singh, Avtar Singh Ss/o Sh. Jogin-  
der Singh s/o Shri Bhan Singh Sohi, Maghar Singh  
S/o Gurvex Singh S/o Pritam Singh, r/o Sultan-  
pur (Dhuri).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 48 K-3M situated at V. Harikey (Dhuri)

(The property as mentioned in the sale deed No. 1868 of  
June, 1979 of the Registering Authority at Dhuri).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-80  
Seal :



**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

**OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. DHR/37/79-80.--Whereas I, SUKHDEV  
CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Landmeasuring 0-67-28 situated at Village Harike  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
at Dhuri in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Smt. Kurnam Kaur W/o Shri Harnam Singh r/o  
V. Thuliwal and Shri Karnail Singh S/o Shri Kartar  
Singh and Harnek Singh S/o Shri Natha Singh of  
village Pakho Kalan.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Pritam Singh, Mukand Singh, Gurdial Singh,  
Hira Singh, Dalip Singh ss/o Shri Jeewan Singh r/o  
Village Didargarh. (Dhuri)  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons.  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 0-67-28 situated in V. Harike  
(The property as mentioned in sale deed No. 1846 of  
June, 1979 of the Registering Authority, Dhuri).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. DHR/38/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 and H-o-65R-OS situated at Vill. Herika Teh. Dhuri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhuri in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gurdev Kaur wd/o Shri Maghar Singh s/o Shri Mal Singh through General Attorney Shri Karnail Singh s/o Shri Kartar Singh village Kalke. Shri. Harnek Singh s/o Shri Nath Singh r/o Pakhokalan (Barnala).  
(Transferor)
- (2) S/Shri Pritam Singh, Mukand Singh, Gurdial Singh, Avtar Singh, Dalip Singh ss/o Sh. Jewan Singh V. Dedargarh (Dhuri).  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land-65K-OS situated in Vill. Heka Teh. Dhuri.  
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1848 of June, 1979 of the Registering Authority, Dhuri.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980  
Seal :

## FORM I.T.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/162/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 14 Biswa situated at Narula colony Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Swaranjit Singh S/o Sh. Kartar Singh, General Attorney of Shri Gopal S/o Shri Badru R/o Bharpur Colony, Patiala.

(Transferor)

(2) Shrimati Avnash Rani W/o Shri Tilak Raj Tandon, R/o 17/56, Raghomajra, Preet Gali, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 14 Biswa situated in Narula Colony Patiala (The property as mentioned in sale Deed No. 2040 of June, 1979 of the Registering Authority, Patiala.

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/163/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land measuring 15 Bigha 15/2 Biswa situated at V. Ablawal, Teh. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Pritipal Singh s/o Shri Bhan Singh, General Attorney of Pritam Kaur, Satwant Kaur, Bipanjit Kaur ds/o Shri. Bhan Singh, r/o V. Ablawal, Teh. Patiala.

(Transferor)

(1) Shri Shiv Dev Singh S/o Shri Teja Singh, r/o V. Bassi, Tehsil Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 15 bigha 15½ biswa situated in V. Ablawal, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2065 of June, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

## CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/172/79-80.—Whereas I SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land measuring 18 Bighas 15 Biswas situated at Village Ablowal, Teh. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

35—486GI/79

- (1) Smt. Satwant Kaur W/o Capt. Hardaljit Singh Sidhu through General Attorney Sh. Prithipal Singh S/o Shri Bhan Singh, R/o V. Ablowal now Forest Circle Office, Opp. Central Jail, Patiala.

(Transferor)

- (2) Shri Mangal Singh S/o Shri Maghar Singh, R/o Dharni House, Bassi Pathana, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 18 Bighas 15 Biswas situated in Village Ablowal, Tehsil Patiala.

(The property as mentioned in sale deed No. 2161 of June, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/164/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 6 bighas 3 biswas situated at V. Ablowal, Teh. Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Pritam Kaur, Satwant Kaur, Bipanjit Kaur Ds/o Shri Bhan Singh, r/o V. Ablowal, Teh. Patiala through their General Attorney Shri Prithipal Singh S/o Shri Bhan Singh r/o V. Ablowal, Teh. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Tarlochan Singh S/o Shri Uttam Singh, R/o Narain Garh, Teh. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 6 bighas 3 biswas situated in V. Ablowal, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2077 of June, 79 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/167/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl land measuring 18 Bighas 15 Biswas situated at V. Ablawal, Teh Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Bipinjit aur W/o Capt. Narinderjit Singh through General Attorney Sh. Prithpal Singh S/o Shri Bhan Grawal Singh R/o Forest Circle office, opp. central Jail, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Harchand Singh S/o Shri Mangal Singh V. Jaipura, S. Tehsil Payal, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 18 Bighas 15 Biswas situated in V. Ablawal, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in sale deed No. 2128 of June, 1979 of the Registering Authority Patiala.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(11 OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/97/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeds Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential House No. 3, Sector 15A situated at Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurbaksh Singh S/o Shri Teja Singh, Prop. Punjab Photo Studio, Paona Bazar, Imphal. (Manipur).

(Transferor)

(2) Smt. Viram Devi W/o Shri Dharam Chand Chawla, resident of House No. 3, Sector 15A, Chandigarh.

(Transferee)

(3) 1. M/s Texla Printing Press, Prop. Shri Tarlochan Singh.

2. M/s Amar Deep Type College, Prop. Mrs. Sukhdev Kaur r/o H. No. 3, Sector 15A, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, **whichever period expires later;**

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 3, Sector 15-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 498 of 6/79 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-2-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/98/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Industrial Plot No. 125, with structure and building situated at Industrial Area, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Suresh Kumar  
s/o Shri Banarsi Dass  
r/o Amritsar.
  2. Shri Anil Kumar  
s/o Shri Brahma Nand  
r/o Amritsar
  3. Shri Tirath Ram  
s/o Shri Banarsi Dass  
r/o Moga.
  4. Shri Jagdish Chander  
s/o Shri Sant Lal
  5. Shri Krishan Kumar Bansal  
s/o Shri Sant Lal Bansal
  6. Smt. Sushila Devi  
w/o Shri Subhash Chander  
all three through General Attorney  
Shri Sant Lal  
s/o Lt. Shri L. Sarna Mal  
r/o Vill. Patliputra Colony,  
Distt. Patna (Bihar)
  7. M/s Albe Pharmaceuticals,  
125, Indl. Area Chandigarh. (Transferor)
  - (2) 1. M/s K. R. Rice Oil and General Mills,  
through Shri Surinder Kumar  
s/o Shri Kishori Lal
  2. Shri Gian Chand,
  3. Shri Tara Chand
  4. Nasib Chand  
s/o Late Kulwant Rai
  5. Smt. Tripat Kaur  
w/o Shri Manjit Singh  
r/o 125 Industrial Area, Chandigarh. (Transferee)
  - (3) M/s K. R. Rice Oil and General Mills,  
r/o 125, Industrial Area, Chandigarh.  
[Person in occupation of the property]
- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Building of Industrial Plot No. 125, situated in Industrial Area, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 499 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19-2-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. PTA/133/79-80.—Whereas, I,  
**SUKHDEV CHAND**

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/3rd of land measuring 994B-1B situated at V. Faloli, near Punjabi University, Patiala

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June/July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pritam Singh  
S/o Shri Prabh Singh,  
r/o Katra Sahib Singh, Patiala. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Surinder Kaur d/o Sh. Gurbax Singh,  
r/o Model Colony, Yamunanagar, Patiala.  
2. Smt. Balbir Kaur w/o Sh. Kulwant Singh  
s/o Shri Sunder Singh,  
r/o Patiala.  
3. Smt. Surjit Mahajan d/o Sh. Bodh Raj Mahajan,  
r/o Sadar Bazar, Patiala.  
4. Smt. Krishna Kumari d/o Sh. Hari Ram Chawla,  
r/o Rajpura Colony, Patiala.  
5. Smt. Swaran Kaur d/o Sh. Rachhpal Singh  
d/o Shri Jiwan Singh,  
Shri Jiwan Singh,  
r/o Lehal, Patiala.  
6. Smt. Mohinder Kaur d/o Sh. Ram Singh Saluja,  
Advocate, Distt. Courts, Patiala.  
7. Smt. Pritpal Kaur w/o Sh. Charanjit Singh,  
S/o Shri Bhagwan Singh  
r/o Lehal Patiala.  
8. Smt. Harbax Kaur urf Manjit Kaur  
w/o Shri Hargopal Singh  
d/o Shri Bhagwan Singh  
r/o Lehal, Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 1/3rd of 994B-1B at V. Faloli near Punjabi University, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1758 of June/July, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

**SUKHDEV CHAND,**  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/75/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

½ share in S.C.F. No. 18, Sector 19D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Kapur Chand  
S/o Shri Bhag Mal  
r/o 13/27-B, Tilak Nagar, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Joginder Pal Khanna  
s/o Lt. Shri Tulsi Ram Khanna,  
r/o S.C.F. No. 18, Sector 19B, Chandigarh.  
(Transferee)

(3) Shri J. P. Khanna Prop.  
M/s Appollo studio, sector 19-D,  
Chandigarh.  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

½ share in S.C.F. No. 18, Sector 19D at Chandigarh.  
(The property as mentioned in sale deed No. 405 of June, 1979 of the Registering Authority at Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19-2-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/74/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding As. 25,000/- and bearing No.

½ share in S.C.F. No. 18, Sector 19D, situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kailash Chand  
S/o Shri Bhag Mal  
r/o 13/27-B, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Pal Khanna  
s/o Lt. Shri Tulsī Ram Khanna,  
r/o S.C.F. No. 18, Sector 19D, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Shri J. P. Khanna Prop.  
M/s Appollo studio, sector 19-D,  
Chandigarh.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

½ share in S.C.F. No. 18, Sector 19D at Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 404 of June, 1979 of the Registering Authority at Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19-2-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. CHD/85/79-80.—Whereas, I, **SUKHDEV CHAND** Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 114 Sector 15-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kamlesh Kumari Soni  
wd/o Shri Ram Sarup Soni  
S/Shri Vijay Kumar, Shamsher Kumar Soni  
Anil Kumar & Sunil Soni  
all ss/o Lt. Ram Sarup  
through Smt. Kamlesh Kumari Soni as Attorney & Shri Rajiv Soni (M) ss/o Sh. Ram Sarup Soni through his mother & N/G Smt. Kamlesh Kumari Soni residents of Shorian Street, Near Jallookhana, Kapurthala.  
(Transferors)
- (2) Shri Inderjit Gupta  
s/o Shri Brij Lal &  
Smt. Vimla Kumari  
w/o Shri Inder Jeet Gupta  
r/o 2194, Sector 15-C, Chandigarh  
now resident in H. No. 114/15-A, Chandigarh.  
(Transferees)
- (3) 1. Shri K. H. Subramaniam  
r/o H. No. 114-15A Chandigarh.  
2. Shri Sham Salona  
r/o H. No. 114-15A Chandigarh.  
[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 114 situated in Sector 15-A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 440 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 19-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th February 1980

Ref. No. LDH/258/79-80.—Whereas, I,  
SUKHDEV CHANDInspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition  
Range, Ludhiana,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter re-  
ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

Kothi No. 136-L-R situated at Model Town, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Ludhiana in July, 1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reasons to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in re-  
spect of any income arising from the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—(1) S/Shri Vidya Rattan Beri, Parmathanath Beri &  
Subhash Chander Beri Ss/o Shri Guru Dass Beri  
s/o Shri Dewan Chand Beri,  
r/o 136 LGR Model Town, Ludhiana.  
(Transferor)(2) Shri Hari Singh  
s/o Shri Jagir Singh &  
Shri Darshan Singh  
s/o Shri Santokh Singh  
r/o 414, Industrial Area 'A', Ludhiana.  
(Transferee)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. 136-L-R, Model Town, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2109 of  
July, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)SUKHDEV CHAND,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.Date : 19-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th February 1980

Ref. No. PTA/185/79-80.—Whereas, I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 22-D, Model Town situated at Patiala (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sant Kaur W/o Shri Gurbax Singh, Barra Bazar, Harrison Road, Calcutta. (Transferor)
- (2) Smt. Sant Kaur W/o Shri Karnail Singh, R/o Baghrian, Teh. Malerkotla, H. No. 22-D, Model Town, Patiala. (Transferee)
- (3) Shri Sham Lal, Shopkeeper, H. No. 22-D, Model Town, Patiala. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 22-D, Model Town, Patiala.

(The property as mentioned in the sale Deed No. 2361 of June, 79 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th Feb. 1980  
Seal :

